हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची • रविवार • 10.08.2025 • वर्ष : 16 • अंक : 20 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

मुख्यमंत्री ने नेमरा गांव में ग्रामीणों से की मुलाकात, बचपन की यादें की ताजा

सरकार किसानों के हित में हर संभव कदम उठाने के लिए वचनबद्ध : हेमन्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : हरे-भरे खेत, पेड़ों की लहराती टहनियां, नीले आसमान के नीचे फैली हरियाली और मिट्टी मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन का पैतृक गांव नेमरा। गांव की पगडंडियों पर चलते हुए मुख्यमंत्री ने न केवल धान रोपनी में लगे किसानों-महिलाओं के साथ बातचीत की, बल्कि प्रकृति के इस अद्भुत सौंदर्य को निहारते हुए बचपन की यादें भी ताजा कीं। उन्होंने नेमरा के बरमसिया और बड़का नदी दोईन में किसानों से बात-चीत करते हुए कहा कि स्थानीय तौर पर बारिश के पानी का खेती के लिए इस्तेमाल किए जाने के बहुत फायदे हैं। उन्होंने किसानों से कहा कि छोटी बरसाती नदी के पानी को चेक डैम के जरिए खेतों तक पहुंचाने की सरकार की योजना का लाभ लें। स्थानीय संसाधनों का उपयोग कर अपनी खेती की बेहतरी से अपनी आमदनी बढ़ाने का प्रयास करें। सरकार आपके साथ खड़ी है, आपकी मदद के लिए तत्पर है। उन्होंने कहा कि प्रकृति के ऐसे नजारों को देखने के लिए लोग दूर-दूर देशों तक घूमने जाते हैं। अपने झारखंड के गांवों में तमाम ऐसे दृश्य प्रकृति ने बिखेर रखा है। हम सबों को पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सजग रहने की जरूरत है। इस मौके पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने किसानों से लंबी बातचीत की। उन्होंने खेती-बाड़ी की मौजूदा स्थिति, बारिश के हालात, खाद और बीज की उपलब्धता के बारे में जानकारी ली। किसानों ने भी खुले मन से अपनी समस्याएं और सुझाव रखे।

गांव का विकास ही राज्य का विकास है

ग्रामीणों के साथ बातचीत में कहा कि हमारी सरकार गांव-गांव तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने के लिए निरंतर काम कर रही है। हमारी सरकार किसानों के हित में हर संभव कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार गांव के विकास, सड़क, सिंचाई और शिक्षा सुविधाओं के विस्तार के लिए लगातार प्रयासरत है।

विश्व आदिवासी दिवस पर मुख्यमंत्री ने दिशोम गुरु को दी श्रद्धांजलि, कहा- बाबा हमारे मार्गदर्शक थे, रहेंगे

रामगढ़ : विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने एक भावुक पोस्ट साझा करते हुए अपने पिता एवं झारखंड आंदोलन के प्रणेता शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने लिखा कि आज उनके मार्गदर्शक, उनके गुरु और उनके बाबा सशरीर साथ नहीं हैं, लेकिन उनका संघर्ष, उनके विचार और आदर्श सदैव प्रेरणा देते रहेंगे। मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा- आज विश्व आदिवासी दिवस है पर मेरे मार्गदर्शक, मेरे गुरु, मेरे बाबा सशरीर साथ नहीं हैं, मगर उनका संघर्ष, उनके विचार, उनके आदर्श हमें हमेशा प्रेरणा देते रहेंगे। वह न केवल मेरे पिता थे, बल्कि समस्त आदिवासी समाज समेत झारखण्ड की आत्मा, संघर्ष के प्रतीक और जल-जंगल-जमीन के सबसे मुखर रक्षक भी थे। यह आदिवासी समाज ही है जिसने मानवजाति को प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर खुशहाल जीवन जीने का मार्ग दिखाया है। आदिवासी समाज का जीवन-दर्शन प्रकृति से ही शुरू और प्रकृति पर ही खत्म होता है। मगर सदियों से खुद आदिवासी तथा शोषित-वंचित समाज हाशिये पर खड़े रहने को मजबूर रहा। बाबा ने इसी स्थिति को बदलने के लिए अपना पूरा जीवन न्यौछावर कर दिया था। विश्व आदिवासी दिवस पर राज्य भर में होना वाला कार्यक्रम उनका प्रिय रहा। क्यूंकि यह अवसर आदिवासी समाज की समृद्ध सभ्यता और संस्कृति को एक सूत्र में पिरोने का माध्यम रहा है, आदिवासी समाज की प्रतिभा को वैश्विक मंच देने का अवसर बना है। आज पूरा विश्व आदिवासी दिवस मना रहा है। इस अवसर पर मैं बाबा दिशोम गुरु सहित हमारे सभी वीर पुरुखों को नमन करता हूँ, जिन्होंने संघर्ष और शहादत देकर हमारी पहचान, हमारी संस्कृति, हमारी सभ्यता और हमारे अधिकारों की रक्षा की। विश्व आदिवासी दिवस पर मैं नमन करता हूँ अपने वीर पुरखों को और संकल्प लेता हूं कि उनके दिखाए मार्ग पर चलकर झारखण्ड और देश में आदिवासी अस्मिता की मशाल को और ऊंचा करूंगा। झारखण्ड के वीर अमर रहें! देश के समस्त वीर आदिवासी योद्धा अमर रहें! जय जोहार, जय आदिवासियत, जय झारखण्ड!

आतंकियों से मुठभेड़ में 2 जवान शहीद, एक आतंकवादी ढेर

एजेंसी

कुलगाम : जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले के अखल इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ का सिलसिला जारी है। शनिवार को हुई ताजा झड़प में सेना के दो जवान शहीद हो गए, जबकि सुरक्षाबलों ने एक और आतंकी को मार गिराया। इस तरह ऑपरेशन में अब तक 3 आतंकी ढेर किए जा चुके हैं।

जानकारी के अनुसार, 1 अगस्त को शुरू हुआ यह ऑपरेशन आज नौवें दिन में प्रवेश कर गया है। इलाके में अभी भी तलाशी अभियान चल रहा है, क्योंकि खुफिया इनपुट के मुताबिक कुछ और आतंकी छिपे हो सकते हैं। अधिकारियों ने बताया कि मारे गए आतंकियों के पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद हुआ है। मारे गए आतंकियों की पहचान और संगठन से जुड़ाव की पुष्टि की जा रही है। सुरक्षाबलों ने इलाके को पूरी तरह से घेर रखा है और लोगों से अपील की गई है कि वे ऑपरेशन क्षेत्र से दूर रहें।

रक्षाबंधन पर मंत्री इरफान अंसारी का 10,000 पदों पर बहाली का एलान

रांची : भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का प्रतीक रक्षाबंधन का पर्व इस बार झारखंड में गमगीन माहौल के बीच मनाया जा रहा है। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के कारण पूरे झारखंड में गम का माहौल है। इसी बीच झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी शुक्रवार को मिहिजाम स्थित दुर्गा मंडप पहुंचे। बहनों ने राखी की थाल सजाकर उनका स्वागत किया और स्नेह के साथ राखी बांधने लगीं। उन्होंने कहा आपकी दुआ से मैं लगातार तीन बार विधायक बना और आज मंत्री के रूप में सेवा कर रहा हूं। मंत्री ने यह भी कहा मेरा मानना है कि महिलाएं मजबूत होंगी, तभी घर मजबूत होगा, और जब घर मजबूत होगा, तभी समाज मजबूत होगा। डॉ. इरफान अंसारी ने घोषणा की कि बहुत जल्द स्वास्थ्य विभाग में 10,000 पदों की बहाली निकाली जाएगी, जिसमें से 6,000 पदों पर महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। इस घोषणा के साथ ही माहौल में खुशी दोगुनी हो गई। बहनों ने जोरदार तालियों के साथ इस फैसले का स्वागत किया और भैया जिंदाबाद के नारे गूंजने लगे।

एक नजर

टीएसपीसी नक्सली हथियारों के जखीरे के साथ गिरफ्तार

चतरा : चतरा पुलिस को नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने टीएसपीसी संगठन के सक्रिय सदस्य को हथियारों के जखीरे के साथ गिरफ्तार किया है। गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए सिमरिया अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में लावालौंग थाना क्षेत्र के खामडीह जंगल में छापेमारी की गई। इस दौरान टीएसपीसी संगठन के सदस्य जमादार गंजू को हथियारों के साथ गिरफ्तार किया गया। आरोपी के पास से 1 देसी कट्टा, 3 देसी राइफल और 92 जिंदा राउंड बरामद किए गए हैं। पुलिस के मुताबिक, जमादार गंजू न केवल अवैध हथियारों के साथ घूम रहा था, बल्कि टीएसपीसी के नाम पर इलाके में लेवी वसूलने का काम भी कर रहा था। आरोपी के खिलाफ पहले से ही पांच मामले दर्ज हैं। सुमित कुमार अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक, चतरा ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर विशेष टीम का गठन किया गयाङ्ग आरोपी से हथियार और बड़ी संख्या में गोलियां बरामद हुई हैं आगे की कार्रवाई की जा रही है। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है, ताकि संगठन से जुड़े अन्य सदस्यों तक भी पहुंच बनाई जा सके।

चुनाव आयोग ने 334 गैर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों का पंजीकरण किया रद

नयी दिल्ली : चुनाव आयोग ने चुनाव प्रणाली को स्वच्छ बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए 334 गैर मान्यता प्राप्त रानीतिक दलों का पंजीकरण समाप्त कर दिया है। चुनाव आयोग ने कहा है कि सूची से नाम हटाना चुनाव प्रणाली को स्वच्छ बनाने की आयोग की व्यापक और सतत कार्यनीति का हिस्सा है। इससे अब देश में 6 राष्ट्रीय, 67 राज्य स्तरीय और 2520 पंजीकृत गैर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल रह गए हैं। आयोग के मुताबिक पंजीकृत राजनीतक दलों को छह सालों में कम से कम एक बार चुनाव लड़ना और किसी भी प्रकार के बदलाव से जुड़ा विवरण आयोग के पास अपडेट कराना अनिवार्य है। जून में आयोग ने अपने मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के तहत बनी शर्तों का अनुपालन कराने के लिए 345 ऐसे दलों की जांच का काम सौंपा था। उनकी रिपोर्ट के आधार पर पाया गया कि 345 में से 334 ने शर्तों का पालन नहीं किया।

बाबा वैद्यनाथ मंदिर के गर्भगृह में जबरन प्रवेश करने का मामला

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे गिरफ्तारी देने पहुंचे थाना, पुलिस ने किया इनकार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

देवघर : झारखंड में गोड्डा लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे बाबा वैद्यनाथ मंदिर के गर्भगृह में जबरन प्रवेश करने और धक्का मुक्की समेत अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज होने के बाद शनिवार को अपनी गिरफ्तारी देने बाबा बैद्यनाथ मंदिर थाना पहुंचे, लेकिन पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार नहीं किया। सांसद निशिकांत दुबे शनिवार को प्राथमिक सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज होने के बाद बाबा वैद्यनाथ मंदिर थाना पहुंचे और कानूनी प्रक्रिया के तहत अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। लेकिन पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार करने से इनकार कर दिया। पुलिस ने बताया कि बाबा मंदिर प्रकरण में सीधी गिरफ्तारी नहीं हो सकती है। इस मामले में तीन बार नोटिस दिये जाने के बाद ही किसी प्रकार की कार्रवाई का प्रावधान है। थाना प्रभारी ने सांसद को बताया कि शनिवार होने की वजह से अदालत बंद है। अदालत में अभी तक एफआईआर की कॉपी भी नहीं पहुंची है। करीब आधे घंटे तक थाने में रहने के बाद सांसद थाने से वापस चले गए।

सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि प्रशासन जब भी उन्हें बुलाएगा, वे प्रशासन के समक्ष उपस्थित रहेंगे। क्योंकि वे भगोड़ा नहीं हैं। वे कानून बनाते हैं और कानून का सम्मान करना उनका धर्म है। वे अपने धर्म का पालन करने से कभी पीछे नहीं हटेंगे। सांसद ने कहा कि जैसे ही उन्हें पता चला कि उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है, वे सीधे मंदिर थाना पहुंचे, लेकिन यहां अभी तक कानूनी प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के सम्मान में संकल्प दिवस के रूप में मना विश्व आदिवासी दिवस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर इस बार न तो कोई गीत-संगीत का कार्यक्रम हुआ और न ही कोई सांस्कृतिक आयोजन। केन्द्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा के नेतृत्व में यह दिवस दिशोम गुरु शिबू सोरेन के सम्मान में संकल्प दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत भगवान बिरसा मुंडा की समाधि स्थल पर 151 मिट्टी के दीप जलाकर और उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर की गई। इस अवसर पर झारखंड के वीर शहीदों और महान पूर्वजों को याद कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

कार्यक्रम में अध्यक्ष बबलू मुंडा ने कहा कि झारखंड आंदोलन और दिशोम गुरु शिबू सोरेन की जिस सोच और सपनों के साथ यह राज्य बना था, आज का झारखंड वैसा नहीं है। शहीदों और गुरुजी के आदर्शों के साथ छल किया जा रहा है। आज भी आदिवासियों के साथ अन्याय और शोषण हो रहा है। उनके हाथ से जल, जंगल और जमीन छिनती जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएनटी और एसपीटी एक्ट होने के बावजूद आदिवासियों की जमीन की लूट जारी है। झारखंड खनिज संपदा से समृद्ध होने के बावजूद आदिवासी समाज आज भी सरकारी अनुदान पर निर्भर है।

बबलू मुंडा ने कहा कि आदिवासी समाज की परंपराओं और धार्मिक व्यवस्था को नष्ट करने के प्रयास हो रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में आदिवासी समुदाय काफी पिछड़ा हुआ है। इसे सुधारने के लिए सरकार को शीघ्र ठोस कदम उठाने चाहिए।

पूर्व शिक्षा मंत्री के नेतृत्व में निकाली गई पदयात्रा

पूर्व शिक्षा मंत्री की अगुवाई में शनिवार को विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया। इससे पूर्व सिरमटोली सरना स्थल से अधिकार दिवस के रूप में पैदल मार्च शुरू हुआ, जो क्लब रोड, सुजाता चौक, मेन रोड, अल्बर्ट एक्का चौक और शहीद चौक होते हुए पुनः सिरमटोली सरना स्थल पर समाप्त हो गई। मुख्य पहान जगलाल पहान ने कहा कि जल, जंगल और जमीन के अधिकार को बचाने के लिए सभी को संगठित होकर जमीन माफिया के खिलाफ आवाज उठानी होगी। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा, सिद्धु-कान्हू, चांद-भैरव और दिशोम गुरु शिबू सोरेन के पदचिह्नों पर चलने का आह्वान किया। इस कार्यक्रम में बबलू मुंडा, जगलाल पहान, महादेव टोप्पो, कुमोद कुमार वर्मा, सुरेन्द्र लिंडा, संजय नायक, मुकेश मुंडा, आशीष मुंडा, विशाल मुंडा, संतोष मुंडा, महादेव मुंडा, राकेश मुंडा, मनीष मुंडा, सोनू मुंडा, अंजय मुंडा, रिसव मुंडा, अनुकल मुंडा, युवराज मुंडा, नरेश मुंडा, शम्भू टोप्पो, माइकल टोप्पो सहित अन्य लोग शामिल थे।

ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के 5 जेट्स और 1 बड़ा विमान किया ढ़ेर : वायुसेना प्रमुख

एजेंसी

बैंगलोर : भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने बैंगलोर में आयोजित एल.एम. काटरे मेमोरियल व्याख्यान में बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के पांच लड़ाकू जेट और एक बड़े विमान को मार गिराया था। यह विमान संभवतः एडब्ल्यूएसीएस (एयरबोर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल) या ईएलआईएनटी श्रेणी का था। उन्होंने इसे अब तक का सबसे बड़ा सतह से हवा मार गिराने वाला हमला करार देते हुए कहा कि इसमें एस-400 मिसाइल प्रणाली ने निर्णायक भूमिका निभाई और यह इस ऑपरेशन का गेम-चेंजर साबित हुआ। ऑपरेशन सिंदूर 7 से 10 मई 2025 के बीच चला था और इसका उद्देश्य पाकिस्तान में मौजूद आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाना था।

वायुसेना प्रमुख के मुताबिक एस-400 की व्यापक रेंज ने पाकिस्तानी विमानों को उनकी पूरी क्षमता का उपयोग करने से रोक दिया और हमले की प्रभावशीलता इतनी थी कि पाकिस्तान को यह समझ आ गया कि अगर संघर्ष लंबा चला तो उसे और भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। इस वजह से कुछ ही दिनों में युद्धविराम का रास्ता खुल गया। अमर प्रीत सिंह ने यह भी कहा कि इस ऑपरेशन में राजनीतिक इच्छाशक्ति और सैन्य कमान को दी गई स्वतंत्रता ने योजना और निष्पादन को बेहद आसान बनाया। भारत ने किसी भी तरह की अति-प्रतिक्रिया से बचते हुए विवेकपूर्ण और सटीक रणनीति अपनाई। गवाहों और मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से भी यह बात सामने आई कि भारत ने कम से कम पांच लड़ाकू जेट और एक बड़े विमान को सीमा पार से मार गिराया था, जिससे इस दावे की विश्वसनीयता बढ़ती है।

इस ऑपरेशन से पहले ही रक्षा सचिव आर.के. सिंह ने साफ कर दिया था कि भारत के राफेल जेट्स को कोई नुकसान नहीं हुआ और पाकिस्तान की ओर से किए जा रहे दावों, खासकर फ्रांस के एयर चीफ से जुड़े बयानों की पुष्टि नहीं होती। अमर प्रीत सिंह ने यह भी याद दिलाया कि भारतीय वायुसेना के लिए पाकिस्तान के सरगोधा एयरबेस तक पहुंचना और वहां पर सटीक हमला करना एक लंबे समय से सपना रहा था, जिसे इस ऑपरेशन में पूरा किया गया। उन्होंने कहा कि एस-400 के शामिल होने से भारत की वायु रक्षा क्षमता में एक नई ऊंचाई आई है और यह केवल रक्षा ही नहीं, बल्कि रणनीतिक आक्रामकता में भी सक्षम है। कुल मिलाकर ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की तकनीकी क्षमता, सटीक योजना, और निर्णायक सैन्य कार्रवाई की छवि को मजबूत किया, साथ ही पाकिस्तान को यह संदेश दिया कि भारत अपनी सीमाओं और सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं करेगा।

दिल्ली के जैतपुर में गिरी घर की दीवार सात लोगों की हुई मौत, आठ घायल

एजेंसी

नयी दिल्ली : दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के जैतपुर इलाके में शनिवार को तेज बारिश के दौरान एक बड़ा हादसा हो गया। एक मकान की दीवार गिरने से कई लोग मलबे में दब गए। इस हादसे में कुल 8 लोग घायल हुए, जिनमें से 7 की मौत हो चुकी है, जबकि एक व्यक्ति अभी भी अस्पताल में इलाजरत है। घटना के बाद स्थानीय लोगों और रेस्क्यू टीम ने मिलकर तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया। मलबे में दबे लोगों को निकालने के लिए चारों ओर अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने बिना समय गंवाए हाथों से मलबा हटाकर फंसे हुए लोगों को बाहर निकाला। हादसे के वक्त ज्यादातर लोग घर के अंदर मौजूद थे। हादसे में घायल हुए 5 लोगों को सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान 3 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 3 अन्य घायलों को एम्स ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया, जहां सभी की मौत हो गई। एक अन्य घायल व्यक्ति, हाशिबुल, अभी भी सफदरजंग अस्पताल में भर्ती है और उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। मृतकों में महिलाएं, पुरुष और मासूम बच्चियां भी शामिल हादसे में जान गंवाने वालों में 3 पुरुष, 2 महिलाएं और 2 बच्चियां शामिल हैं। घटना के चश्मदीद और स्थानीय निवासी आनंद जायसवाल ने बताया कि जैसे ही हादसा हुआ, लोग बिना देर किए मदद के लिए दौड़ पड़े। उन्होंने कहा, यह हादसा बेहद दर्दनाक था। मलबे से लोगों को निकालने के दौरान स्थिति भयावह थी और ज्यादातर लोग पहले से ही गंभीर रूप से घायल हो चुके थे।

एक नजर

विनोबा भावे विवि में रिसर्च एवं इनक्यूबेशन सेंटर की रखी गई नींव

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो चंद्र भूषण शर्मा ने विश्वविद्यालय की प्रथम महिला सरिता शर्मा के साथ शनिवार, 9 अगस्त को विश्वविद्यालय के नए 'रिसर्च एवं इनक्यूबेशन सेंटर' भवन का भूमि पूजन किया। कुलपति ने बताया कि एक तरफ जहां यह दिन सावन पूर्णिमा और रक्षाबंधन का है वही आज 9 अगस्त 'अंतरराष्ट्रीय जनजाति दिवस' भी है। इस प्रकार यह दिन झारखंड राज्य और विशेष कर हजारीबाग में अवस्थित विनोबा भावे विश्वविद्यालय के लिए अत्यंत शुभ है। यही कारण है कि इस महत्वाकांक्षी योजना के प्रारंभ के लिए 9 अगस्त के दिन का चयन किया गया। भूमि पूजन के समय कल कुलपति के साथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव सह समाज विज्ञान के संकायअध्यक्ष डॉ सादिक रज्जाक एवं कुलपति सचिवालय में कार्यरत जयप्रकाश सिंह उपस्थित थे। इस योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए यूसेट के प्राध्यापक डॉ अरुण कुमार मिश्रा ने बताया कि यह भवन निर्माण जी–प्लस–4 का होना है। उन्होंने बताया कि भवन एवं फर्नीचर को लेकर कुल लागत 54 करोड़ के लगभग का है। इस एडवांस्ड रिसर्च एंड डेवलपमेंट कम इनक्यूबेशन सेंटर भवन का निर्माण झारखंड राज्य भवन निर्माण निगम लिमिटेड, रांची के द्वारा होना है।

आरोग्यम कुणाल अस्पताल की नर्स बहनों ने बच्चों संग मनाया रक्षाबंधन

हजारीबाग : जहां एक ओर रक्षाबंधन का पावन पर्व भाई–बहन के अटूट स्नेह और रक्षा के संकल्प का प्रतीक है, वहीं दूसरी ओर हजारीबाग आरोग्यम कुणाल अस्पताल (महिला एवं शिशु विभाग) की सेवा–भावना से ओतप्रोत नर्स बहनों ने इस त्योहार को एक अनोखे और प्रेरणादायक रूप में मनाया। अस्पताल में उपचाररत सभी बच्चों के बीच नर्स बहनों ने स्नेहपूर्वक रक्षा सूत्र बांधा और उनके स्वस्थ, सुखी व सुरक्षित जीवन की मंगलकामना की। इस अवसर पर बच्चों को मिठाई वितरित की गई, जिससे उनके चेहरों पर खिलखिलाती मुस्कान छा गई और यह दिन उनके लिए अविस्मरणीय बन गया। इस प्रकार के आयोजन न केवल बाल–रोगियों के मनोबल को सशक्त बनाते हैं, बल्कि यह समाज को यह संदेश भी देते हैं कि रक्षा का भाव केवल पारिवारिक संबंधों तक सीमित नहीं, बल्कि यह हर जरूरतमंद के प्रति हमारा मानवीय दायित्व है। अस्पताल निदेशक हर्ष अजमेरा ने कहा कि रक्षाबंधन का वास्तविक अर्थ केवल एक धागे में बंधा रिश्ता नहीं, बल्कि एक–दूसरे की देखभाल और सुरक्षा का वचन है। हमारी नर्स बहनों ने इस परंपरा को मानवता की सेवा से जोड़कर अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया है।

भाजपा महिला मोर्चा ने मनाया रक्षाबंधन

हजारीबाग : शनिवार को भाजपा महिला मोर्चा, हजारीबाग ने सांसद सेवा कार्यालय परिसर में रक्षाबंधन का पर्व धूमधाम से मनाया। मोर्चा की बहनों ने हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल सहित कई अन्य भाइयों की कलाई पर पवित्र रक्षासूत्र बांधकर प्रेम और स्नेह का संदेश दिया। प्राचीन भारतीय संस्कृति और परंपरा का पालन करते हुए महिला मोर्चा की बहनों ने पूजा की थाली में पानी का लोटा, राखी, अक्षत, मिठाई और तिलक–चंदन के साथ विधिवत पूजा–अर्चना की। उन्होंने सांसद मनीष जायसवाल, सांसद प्रतिनिधि सत्येंद्र नारायण सिंह, भाजयुमो जिला अध्यक्ष राजकरण पाण्डेय, मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी, कार्यालय प्रभारी विजय वर्मा और कार्यालय के सभी कर्मचारियों के साथ–साथ सांसद के अंगरक्षक और चालक को भी राखी बांधी और उनका मुंह मीठा कराया।

रक्षाबंधन पर बहनों ने बांधी राखी भाइयों की लंबी उम्र की कामना की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : सावन पूर्णिमा पर बड़कागांव में भाई बहनों का पवित्र प्रेम का त्योहार रक्षाबंधन काफी धूमधाम के साथ मनाया गया। बहनों ने भाइयों की कलाइयों पर रक्षा सूत्र राखी बांधकर तथा आरती उतार कर उनकी लंबी उम्र की कामना की। इस दौरान भाइयों ने अपना फर्ज निभाते हुए बहनों को उपहार भेंट किया। रक्षाबंधन को लेकर एक दिन पूर्व शुक्रवार को ही सामग्रियों की खरीदारी पूरी कर ली गई थी। ताकि किसी प्रकार कोई कमी नहीं रहे। शनिवार को अहले सुबह से ही लोग राखी बांधना शुरू कर दिए थे। सावन पूर्णिमा रक्षाबंधन को लेकर लोगों ने मंदिरों में जाकर पूजा पाठ पूजा अर्चना की और अपने परिवार के लिए सुख व समृद्धि की कामना भगवान से की।

बड़कागांव प्रखंड के बड़कागांव, बादम, हरली, विश्रामपुर, गोसाई बलिया, नापोखुर्द, सांढ, सीकरी, चंदौल अंबाजीत, महंगाई कला, कांडतरी, सोनपुरा, जुगरा, चेपाकला, डाड़ीकला, आदर्श गुरु चट्टी, के अलावा प्रखंड के तमाम 84 गांव में रक्षाबंधन मनाया गया। रक्षाबंधन त्योहार में शामिल भाई बहनों में मुख्य रूप से पूजा कुमारी, शालू सिंहा, रूही सिंहा, पीयूसी कुमारी, मनोज गुप्ता, संजय गुप्ता, अंकित कुमार, सोनू, मोनू, देव दीप,, गोलू सिन्हा, माधुरी कुमारी, सूरज कुमार, मधु कुमारी, राजेंद्र कुमार, पार्वती कुमारी, सुरेंद्र कुमार, चिंता कुमारी, द्रौपदी कुमारी, सरवन कुमार शामिल थे।

इटखोरी में सावन पूर्णिमा पर रक्षाबंधन की धूम, बहनों ने भाइयों की लंबी उम्र मांगी

इटखोरी : सावन पूर्णिमा पर इटखोरी प्रखंड में भाई बहनों का पवित्र प्रेम का त्योहार रक्षाबंधन काफी धूमधाम के साथ मनाया गया। बहनों ने भाइयों की कलाइयों पर रक्षा सूत्र राखी बांधकर तथा आरती उतार कर उनकी लंबी उम्र की कामना की। इस दौरान भाइयों ने अपना फर्ज निभाते हुए बहनों को उपहार भेंट किया। रक्षाबंधन को लेकर एक दिन पूर्व शुक्रवार को ही सामग्रियों की खरीदारी पूरी कर ली गई थी। ताकि किसी प्रकार कोई कमी नहीं रहे। शनिवार को अहले सुबह से ही लोग राखी बांधना शुरू कर दिए थे। सावन पूर्णिमा रक्षाबंधन को लेकर लोगों ने मंदिरों में जाकर पूजा पाठ पूजा अर्चना की और अपने परिवार के लिए सुख व समृद्धि की कामना भगवान से की।

रामगढ़ में रक्षाबंधन धूमधाम से मनाया गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : कुजु, मांडू, चितरपुर आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भाई–बहन के अटूट प्रेम का पर्व रक्षा बंधन शनिवार को धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर बहनों ने अपने–अपने भाईयों की आरती उतारते हुए माथे पर तिलक लगाकर कलाई पर राखी बांधी। साथ ही मिठाई खिलाकर बहनों ने भाई के दीर्घायु होने की कामना की। मौके पर भाईयों ने भी अपनी बहनों को उपहार देते हुए उनकी की रक्षा करने का संकल्प लिया। इधर पवित्र सावन माह के अंतिम दिन सुबह से ही पूजा–अर्चना के लिए श्रद्धालु महिला–पुरुष भक्त विभिन्न शिवालयों में पहुंचे। जहां भगवान शिव का दूध व जल से जलाभिषेक करते हुए बेलपत्र व प्रसाद चढ़ाया। इस दौरान ऊं नमः

शिवाय, भोले बाबा की जय, हर हर महादेव सहित अन्य आराध्य देवी–देवताओं के गगनभेदी उदघोष से पूरा क्षेत्र गूंजता रहा। श्रद्धालुओं ने पूजा–अर्चना के दौरान भगवान शिव से अपने परिवार व क्षेत्र की हरियाली–खुशहाली, अमन–चैन की कामना की। रामगढ़ , बंजारी नगर, मुराम कला, मुराम बारी , बिजोलिया , पतरातू बस्ती , जरा बस्ती , लारी , बड़की पोणां विभिन्न क्षेत्रों में भाई–बहनों के प्रेम व स्नेह का त्योहार रक्षाबंधन का पर्व धूमधाम से मनाया गया।

कोयलांचल के क्षेत्रों में रक्षाबंधन की धूम, राखी बांध बहनों ने मांगी भाईयों की लंबी उम्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

भुरकुंडा : भुरकुंडा कोयलांचल, भदानीनगर, बासल, पतरातु, सयाल–उरीमारी सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भाई–बहन के अटूट प्रेम का पर्व रक्षा बंधन शनिवार को धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर बहनों ने अपने–अपने भाईयों की आरती उतारते हुए माथे पर तिलक लगाकर कलाई पर राखी बांधी। साथ ही मिठाई खिलाकर बहनों ने भाई के दीर्घायु होने की कामना की। मौके पर भाईयों ने भी अपनी बहनों को उपहार देते हुए उनकी की रक्षा करने का संकल्प लिया। इधर पवित्र सावन माह के अंतिम दिन सुबह से ही पूजा–अर्चना के लिए श्रद्धालु महिला–पुरुष भक्त विभिन्न शिवालयों में पहुंचे। जहां

भगवान शिव का दूध व जल से जलाभिषेक करते हुए बेलपत्र व प्रसाद चढ़ाया। इस दौरान ऊं नमः शिवाय, भोले बाबा की जय, हर हर महादेव सहित अन्य आराध्य देवी–देवताओं के गगनभेदी उदघोष से पूरा क्षेत्र गूंजता रहा। श्रद्धालुओं ने पूजा–अर्चना के दौरान भगवान शिव से अपने परिवार व क्षेत्र की हरियाली–खुशहाली, अमन–चैन की कामना की। भुरकुंडा, जवाहर नगर, पटेल नगर, सुंदर नगर, सौंदा डी, सेंट्रल सौंदा, चिकोर, लादी, मतकमा, देवरिया, लपंगा, चैनगड़ा, कुर्से, बलकुदरा, भदानीनगर, निम्मी, पाली, सुद्दी, रीवर साईड, सौंदा बस्ती, भदानीनगर, हुरुम्मगढ़ा, पगला आश्रम, हॉस्पीटल कॉलोनी, शिव नगर, बंगला कुंआ सहित विभिन्न क्षेत्रों में भाई–बहनों के प्रेम व स्नेह का त्योहार रक्षाबंधन का पर्व धूमधाम से मनाया गया।

एनटीपीसी मैती में त्रिवेणी सैनिक के 30 कर्मचारियों का तकनीकी प्रशिक्षण संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : पकरी बरवाडीह एनटीपीसी कोल खनन परियोजना के तत्वाधान में त्रिवेणी सैनिक माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड (टीएसएमपीएल) के 30 कर्मचारियों ने दो महीने का तकनीकी कौशल विकास प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। प्रशिक्षण एनटीपीसी मैती में आयोजित किया गया था। जिसका उद्देश्य कर्मचारियों को तकनीकी और व्यावहारिक ज्ञान से सशक्त बनाना था। प्रशिक्षण के समापन पर प्रमाण पत्र वितरण समारोह का आयोजन पकरी बरवाडीह परियोजना के कंट्रोल रूम कॉन्फ्रेंस हॉल में किया गया, जिसमें झारखंड गवर्नमेंट टूल रूम के मैनेजिंग डायरेक्टर महेश कुमार गुप्ता, एनटीपीसी मैती के प्रिंसिपल

इंजीनियर मिथिलेश उपाध्याय और झारखंड गवर्नमेंट टूल रूम के एडमिन हेड आशुतोष मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। टीएसएमपीएल के एलएंडडी हेड डॉ. अमृतांशु प्रसाद ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर महेश कुमार गुप्ता ने प्रशिक्षण में भाग लेने वाले कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि त्रिवेणी सैनिक अपने कर्मचारियों के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है जो सराहनीय है। उन्होंने सीखने की इच्छा को सफलता की कुंजी बताया। मिथिलेश उपाध्याय ने प्रशिक्षण के दौरान कर्मचारियों की अनुशासन और सीखने की लगन की प्रशंसा की। डॉ. अमृतांशु प्रसाद ने अपने संबोधन में अनुशासन और उद्देश्य के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कर्मचारियों को समय के साथ खुद को ढालने और सतत विकास की ओर अग्रसर रहने के लिए प्रेरित किया।

रक्षाबंधन पर हजारीबाग यूथ विंग का तोहफा, बहनों को मिला मुफ्त आवागमन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग यूथ विंग ने एक बार फिर सामाजिक गतिविधियों की मिसाल पेश की है। यह संस्था हर मौसम और त्योहार में अपनी सक्रियता दिखाती है, लेकिन भाई–बहन के अटूट प्रेम के त्योहार रक्षाबंधन पर इनकी पहल दिल छू लेने वाली है। लगातार तीसरे वर्ष संस्था ने हजारीबाग शहरी क्षेत्र में बहनों के आवागमन की सुविधा के लिए, 7 टुक–टुक की निःशुल्क सेवा शुरू की है। यह टुक–टुक बड़ा बाजार जैन मंदिर परिसर से रवाना हुए और दिन भर शहर के विभिन्न इलाकों में बहनों को मुफ्त में आने–जाने की सुविधा प्रदान करेंगे रक्षाबंधन के पावन अवसर पर हजारीबाग यूथ विंग ने यह कार्यक्रम से शहरवासियों का दिल जीत लिया। मातृ–शक्ति के आवागमन को सहज और सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से संस्था ने निःशुल्क सात टोटो सेवा की शुरूआत की। इस सेवा का विधिवत शुभारंभ हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने हरी झंडी दिखाकर किया। यह उनके हाथों से माताओं–बहनों के लिए एक स्नेहिल और सच्चा रक्षाबंधन का तोहफा बन गया। वहीं दूसरी ओर ढोल ताश एवं आतिशबाजी के बीच कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ हुआ। हजारीबाग यूथ विंग ने यह सेवा लगातार तीसरे वर्ष प्रदान की, जो अब एक सामाजिक परंपरा का रूप ले चुकी है। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में टोटो सेवा के माध्यम से रक्षाबंधन के दिन बहनों को घर से मायके और अन्य स्थलों तक सहजता से पहुंचाने की व्यवस्था की गई। सुविधा के लिए पहले से टोटो चालकों के संपर्क नंबर जारी किए गए थे, जिससे बहनों को समय पर और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित हो सके।

झारखंड में धूमधाम से मना विश्व आदिवासी दिवस, संस्कृति और अधिकारों पर रहा विशेष जोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : विश्व आदिवासी दिवस आबादी के अधिकारों को बढ़ावा देने और उनकी सुरक्षा के लिए प्रत्येक वर्ष 9 अगस्त को विश्व के आदिवासी लोगों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है। यह घटना उन उपलब्धियों और योगदानों को भी स्वीकार करती है जो मूलनिवासी लोग पर्यावरण संरक्षण जैसे विश्व के मुद्दों को बेहतर बनाने के लिए करते हैं। अंग्रेजी का नेटिव शब्द मूल निवासियों के लिये प्रयुक्त होता है। अंग्रेजी के ट्राइबल शब्द का अर्थ 'मूलनिवासी' नहीं होता है। ट्राइबल का अर्थ होता है 'जनजातीय'। 9 अगस्त को 'विश्व जनजातीय दिवस' मनाया जाता है। 'विश्व जनजातीय दिवस' अर्थात विश्व की सभी जनजातीयों का

दिवस। जनजाती को आदिवासी भी कहते हैं। आदिवासी अर्थात जो प्रारंभ से यहां रहता आया है। आइए जानते हैं, भारत के आदिवासियों की कुछ रोचक बातें : जनजाति अर्थात आदिवासी।भारत में लगभग 461 जनजातियां हैं। वे सभी आदिवासियों का धर्म हिन्दू ही है। आदिवासी समाज की सभी जातिया हिन्दू धर्म का पालन करती है। करीब 400 पीढ़ियों पूर्व सभी भारतीय वन में ही रहते थे और वे आदिवासी थे, परंतु विकासक्रम के चलते पहले ग्राम बने फिर कस्बे और अंत में नगर। यही से विभाजन होना प्रारंभ हुआ। जो वन में रह गए वे वनवासी, जो गांव में रह गए वे ग्रामवासी और जो नगर में चले गए वे नगरवासी कहलाने लगे। 400 पीढ़ियों के प्रारंभिक काल में ये जातियां थीं- देव, दैत्य, दानव, राक्षस, यक्ष, गंधर्व, भल्ल, वसु, अप्सराएं, पिशाच, सिद्ध, मरुदगण, किन्नर, चारण, भाट, किरात, रीछ, नाग, विद्याधर, दार्द, पक्थ (पख्तू), अहीर, मेघ, मानव, वानर, निषाद, मत्स, अश्मक, कलिंग, यवन, शिना, शूर, पुरु, यदु, तुर्वश, अनु, द्रुह्यु, अलिन, भलान, शिव, विषाणिन, कक्कड़, खोखर, चिन्धा चिन्धड़, समेरा, कोकन, जांगल, शक, पुण्ड्र, ओड्र, मालव, क्षुद्रक, योधेय जोहिया, तक्षक व लोहड़, मद्र, कंबोज, भरत, आदि। कालक्रम के चलते इनके नाम बदलते गए। भारत में कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक गोरे, काले, सांवले, लाल और गेहुँवे रंग के हैं। एक ही परिवार में कोई काला है, तो कोई गोरा, एक ही समाज में कोई काला है, तो कोई गोरा। सभी वर्गों में सभी तरह के रंग के लोग आपको मिल जाएंगे। कश्मीरी ब्राह्मण गोरे हैं, तो दक्षिण ब्राह्मण काले। दक्षिण भारत में अधिकर लोग काले रंग के होते हैं। इस तरह हम भारतीयों के नाक–नक्ष की बात करें तो वह चीन और अफ्रीका के लोगों से बिल्कुल भिन्न है। यदि रंग की बात करें तो भारतीयों का रंग यूरोप अफ्रीका के लोगों से पूर्णतः भिन्न है। अमेरिकी और यूरोप लोगों का गौरा रंग और भारत के लोगों के गौर रंग में बहुत फर्क है। इसी तरह अफ्रीका के काले और भारत के काले रंग में भी बहुत फर्क है। ब्राह्मणों में कितने ही काले और भयंकर काले रंग के मिल जाएंगे और दलितों में कितने ही गोरे रंग के मिल जाएंगे।

संक्षिप्त खबरें

तरंग ग्रुप ने लॉन्च की 'जोहार परिधान' श्रृंखला

हजारीबाग : झारखंड की लोक संस्कृति और परंपराओं को नई पहचान दिलाने की दिशा में कार्यरत हजारीबाग की लोकप्रिय सांस्कृतिक संस्था तरंग ग्रुप ने एक और अनूठा कदम उठाया है। समूह द्वारा सोहराय कला से निर्मित परिधानों की एक नई श्रृंखला जोहार परिधान को हाल ही में झार उत्सव एवं हजारीबाग कलाकार महोत्सव में फैशन शो के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। यह पहल पारंपरिक झारखंडी कला को आधुनिक मंच प्रदान करने के साथ–साथ, स्थानीय कलाकारों के लिए रोजगार के नए द्वार भी खोलने के उद्देश्य से किया जा रहा है। संस्था के निर्देशक अमित कुमार गुप्ता ने बताया कि सोहराय कला झारखंड की एक पारंपरिक दीवार चित्रकला है, जो आमतौर पर त्योहारों के दौरान महिलाओं द्वारा घर की दीवारों पर बनाई जाती है। इसमें प्रकृति, पशु–पक्षी, कृषि और लोकजीवन के चित्रों को जीवंत रंगों के माध्यम से उकेरा जाता है। अब तरंग ग्रुप ने इसी कला को कपड़ों के डिजाइनों में उतार कर न केवल इसे संरक्षित किया है, बल्कि उसे देश और दुनिया के समक्ष प्रस्तुत करने का साहसिक कार्य किया है। संस्कृतिक कार्य निदेशालय झारखंड सरकार एवं जिला प्रशासन हजारीबाग के सहयोग से उनके इस प्रयास को बल मिला। तरंग ग्रुप द्वारा डिजाइन किए गए जोहार परिधान की नई श्रृंखला में पारंपरिक झारखंडी तत्वों को समेटते हुए आधुनिक फैशन की झलक भी दी गई है। यह परिधान श्रृंखला महिलाओं, पुरुषों और युवाओं — सभी वर्गों के लिए तैयार की गई है। परिधानों में सोहराय कला की चित्रकारी हाथों से की गई है, जिससे प्रत्येक परिधान अनूठा और विशिष्ट बनता है। फैशन शो में झलकी झारखंडी आत्मा जोहार परिधान को जब झार उत्सव और हजारीबाग कलाकार महोत्सव के मंच पर मॉडल्स द्वारा प्रस्तुत किया गया, तो दर्शकों ने इसे भरपूर सराहा। झारखंड की मिट्टी, संस्कृति और परंपरा से सजी परिधानों की यह प्रस्तुति कला प्रेमियों और युवाओं के बीच चर्चा का विषय बन गई।

पूर्व विधायक ने बिजैया में स्कूटी शोरूम का किया उद्घाटन

बरही : बरही प्रखंड क्षेत्र के बिजैया मोदी टोला में पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला, अल्पसंख्यक कल्याण समिति अध्यक्ष मो क्यूम, उपप्रमुख देवलाल, पूर्व मुखिया दशरथ यादव अकुजा कंपनी का इलेक्ट्रॉनिक स्कूटी शोरूम का फीता काट उद्घाटन किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक ने कहा कि बढ़ते पेट्रोल व डीजल के दामों से लोगों को छुटकारा दिलाने के लिए इलेक्ट्रिक स्कूटर बाइक आया है। साथ ही इससे पर्यावरण स्वच्छता को भी बल मिलेगा। कहा किया बिजैया में शोरूम की शुरुआत होना बिजैया सहित आसपास के पंचायत वासियों के लिए खुशी का पल है। मो क्यूम ने कहा कि इलेक्ट्रिक गाड़ियों से पर्यावरण प्रदुषित नहीं होगा। पर्यावरण संरक्षण में इलेक्ट्रिक वाहन मददगार साबित होगा। उन्होंने कहा कि पेट्रोल डीजल की गाड़ियों के अपेक्षा इलेक्ट्रिक वाहन लोग ज्यादा पसंद कर रहे हैं। वहीं शोरूम के प्रोपराइटर लोकश प्रसाद पिता विश्वनाथ महतो ने कहा कि इलेक्ट्रिक स्कूटर से दुकान, स्कूल, बाजार आने–जाने के लिए बेहतर विकल्प के रूप में आया है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों को बेहतर सुविधा दी जाएगी तथा हर रेंज में स्कूटी मिलेगी। मौके पर कुणालकतरियार, समाजसेवी पप्पू खान, पूर्व सरपंच बैजनाथ यादव सुरेश यादव, अनिल कुमार यादव, रणजीत कुमार, चंद्रिका प्रसाद, उमेश महतो मुखतार मियां, संतोष प्रसाद सहित कई लोग मौजूद थे।

चौपारण में रक्षा बंधन की धूम, राखी-उपहार और शुभकामनाओं से गूंजा क्षेत्र

चौपारण : प्रखंड समेत आसपास के क्षेत्रों में शनिवार को रक्षा बंधन का पावन पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही बाजारों में रक्षासूत्र और मिठाइयों की खरीदारी को लेकर भीड़ उमड़ पड़ी। बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनकी लंबी

उम्र और खुशहाली की कामना की, वहीं भाइयों ने भी बहनों को उपहार देकर जीवनभर रक्षा का संकल्प दोहराया। मिठाई व सजावटी सामान की दुकानों पर दिनभर विशेष रौनक रही। बच्चे भी रंग–बिरंगी राखियां, चूड़ियां और बिंदी जैसे पारंपरिक सामान खरीदने में उत्साहित दिखे। गांव की सड़कों पर दोपहिया और चारपहिया वाहनों की आवाजाही से दिनभर चहल–पहल बनी रही। पर्व के अवसर पर चौपारण बीडीओ नितेश भास्कर, सीओ संजय यादव, थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी, पूर्व थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश और दीपक सिंह, प्रभारी वनपाल पंकज कुमार, जिप सदस्य रवि शंकर अकेला व राकेश रंजन, भाजपा मंडल अध्यक्ष राजेंद्र चंद्रवंशी, प्रमुख प्रतिनिधि उदय राणा, युवा नेता सह समाजसेवी विकास कुमार यादव, मुखिया संघ अध्यक्ष बिरेन्द्र रजक, कांग्रेस नेता दीपक गुप्ता सहित प्रखंड के जनप्रतिनिधियों व सभी पंचायत मुखियाओं ने पंचायतवासियों को भाई–बहन के इस पावन रिश्ते के पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। सुहावने मौसम ने इस बार रक्षा बंधन की रौनक को और बढ़ा दिया।

बड़कागांव में रिझुनाथ चौधरी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि, 5000 फलदार पौधे बांटे

बड़कागांव : झारखंड अलग राज्य के अग्रणी आंदोलनकारी, रामगढ़ के पूर्व प्रमुख सह बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी के पिता स्वर्गीय रिझुनाथ चौधरी के 11वीं पुण्यतिथि के अवसर पर बड़कागांव विधायक रोशनलाल चौधरी के गुरुचट्टी स्थित आवास में रिझुनाथ चौधरी की पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर रिझुनाथ चौधरी के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। तत्पश्चात विधायक रोशन लाल चौधरी के सौजन्य से बड़कागांव प्रखंड ग्रामीणों के बीच 5000 फलदार पौधे का वितरण किया गया। मौके पर मुखिया संघ अध्यक्ष रंजीत कुमार मेहता ने कहा कि स्वर्गीय रिझुनाथ चौधरी झारखंड के अलग लड़ाई अग्रणी भूमिका निभाने वाले आंदोलनकारी थे। उनके बलिदानों को भुलाया नहीं जा सकता है। जिस प्रकार से उन्होंने झारखंड को अलग करने का लड़ाई लड़ा है इसीलिए उन्हीं के याद में हम लोग पर्यावरण को सुरक्षित करने के लिए पेड़ पौधा का वितरण कर रहे हैं। आजसू के केंद्रीय सदस्य संदीप कुशवाहा ने कहा कि विधायक रोशन लाल चौधरी का यह पहल पर्यावरण संरक्षण के साथ–साथ समाज सेवा के प्रति उनके अमूल्य समर्पण को दर्शाता है।

एक नजर

बेजुबान प्राणियों को राखी बांधकर समाज को दिया अनूठा संदेश

रांची : झारखंड की राजधानी रांची के पिस्का मोड़ निवासी एक नौ वर्षीय बच्ची ने रक्षाबंधन के त्योहार को एक अलग ही अर्थ दे दिया है। इस बच्ची ने बेजुबान प्राणियों को राखी बांध कर उनकी जीवनपर्यंत रक्षा करने का संकल्प लिया है। रांची की नौ वर्षीय बच्ची कायरा मित्रा कुछ सालों से बेजुबान प्राणियों को रक्षासूत्र बांधती आ रही है, लिहाज अन्य वर्षों की तरह इस वर्ष भी उसने रक्षाबंधन के अवसर पर अपने घर में मौजूद कुत्तों को राखी बांधी और समाज में प्यार का अनोखा मिसाल पेश की। दरअसल, कायरा के पिता कमलेश कुमार मिश्रा पेशे से पत्रकार हैं, जबकि उसकी माँ सूचना एवं जनसंपर्क विभाग में सहायक जनसंपर्क अधिकारी हैं। कायरा को बेजुबानों से प्रेम की यह सीख अपने माता-पिता से ही मिली है। उनके घर में इस समय 10 जानवर हैं, जिन्हें कायरा के माता-पिता सड़कों और गली-मोहल्लों से जख्मी अवस्था में उठाकर लाए हैं। सड़कों पर पड़े इन बेजुबानों को घर में लाकर पनाह दी गयी है। कायरा कहती हैं कि रक्षाबंधन पर भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बांध कर हम सभी उनसे रक्षा का बचन लेते हैं। लेकिन इन बेजुबानों की रक्षा कौन करेगा? इसी सोच के साथ उन्होंने हर रक्षाबंधन पर इन बेजुबानों को राखी बांधने और जीवनभर खयाल रखने का संपल्प लिया है। कायरा की मां पूजा मिश्रा यह बताते हुए गर्व महसूस करती हैं कि उनकी बेटी ने एक संवेदनशील सोच को अपनाया है। उन्होंने कहा कि हम सभी को भी इंसानों के साथ-साथ बेजुबान प्राणियों की रक्षा और देखभाल करने का संपल्प लेना चाहिए।

कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की का जनता दरबार आज

रांची : कृषि एवं पशुपालन मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की का जनता दरबार 11 अगस्त को होगा। कांग्रेस भवन में आयोजित जनता दरबार दिन के 11 बजे से शुरू होगा। यह जानकारी प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता सोनाल शांति ने दी। उन्होंने बताया कि जनता दरबार जनता से सीधे जुड़ाव का सिर्फ एक माध्यम ही नहीं बल्कि आम लोगों के दरवाजे पर पहुंचकर उनकी समस्याओं का निराकरण करने का प्रयास है। जिससे जनता का भरोसा सरकार और प्रशासन पर कायम रहे। इससे पहले मंत्री इरफान अंसारी, दीपिका पांडेय सिंह और राधाकृष्ण किशोर का भी जनता दरबार लग चुका है।

होम गार्ड नियुक्ति के विरुद्ध दायर याचिका पर कल हाई कोर्ट में सुनवाई

रांची : झारखंड के चाईबासा जिले में हो रही होम गार्ड बहाली के विरुद्ध दायर याचिका सुनवाई के लिए सूचीबद्ध हो गयी है। झारखंड हाईकोर्ट में झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश महासचिव राजीव कुमार तिवारी की ओर से दायर याचिका पर 12 अगस्त को सुनवाई होगी। हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस राजेश शंकर की बेंच में यह मामला सुनवाई के लिए सूचीबद्ध हुआ है। याचिका में झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन राजीव कुमार तिवारी के अलावा चाईबासा जिले के अध्यक्ष चरण चातर, सरायकेला खरसावां के जिला अध्यक्ष प्रकाश पुर्ति एवं सरायकेला के 3 अभ्यर्थी प्रार्थी हैं। याचिका में झारखंड के सभी उपायुक्त, होमगार्ड डिजी, गृह सचिव, जिला समादेष्टा चाईबासा एवं पुलिस अधीक्षक चाईबासा को पार्टी बनाया गया है।

करो या मरो का नारा ने दी स्वतंत्रता आंदोलन को नयी दिशा : कमलेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : अगस्त क्रांति दिवस और विश्व आदिवासी दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की अध्यक्षता में प्रदेश मुख्यालय कांग्रेस भवन में शनिवार को किया गया।

इस क्रम में अगस्त क्रांति दिवस का भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में भूमिका पर प्रकाश डाला गया और स्वतंत्रता आंदोलन के विभूतियों के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। साथ ही साथ आदिवासी समुदाय को विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं दी गई।

इस अवसर पर कमलेश ने कहा कि करो या मरो का नारा आज ही के दिन दिया गया था जिसने लोगों में ऊर्जा का संचार करते हुए स्वतंत्रता आंदोलन को नयी दशा और दिशा दी थी, एक नया रास्ता दिखाने का काम किया था। उसके बाद आंदोलन ने जोर पकड़ा। स्वतंत्रता आंदोलन की वेदी ने हमारे कई महान विभूतियों की बलि ली, आज का दिन उन विभूतियों को याद करने का दिन है। उन्होंने कहा कि देश की आजादी में स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान की तुलना कभी नहीं की जा सकती। आज ही के दिन महात्मा गांधी ने करो या मरो का नारा देकर आजादी की दिशा में एक निर्णायक आंदोलन तय किया था।

विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कमलेश ने कहा कि आज पूरे विश्व में आदिवासी समुदाय अपने हक अधिकार अस्मिता और पहचान अपनी परंपरा और संस्कृति को बचाने के लिए जो लड़ाई लड़ रहा है वह स्वागत योग्य है। आदिवासी समाज आज एक जागरूक समाज है। सामाजिक परिवेश में आज उनकी अहम भूमिका है। प्रकृति और मनुष्य के बीच की एक अहम कड़ी आदिवासी समुदाय है जिसने जल, जंगल और जमीन की रक्षा का संकल्प सदियों पहले लिया था जिसे वह आज तक निभा रहे हैं। समाज में समुदाय की भूमिका को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ ने 1994 में समुदाय को अपनी विशिष्ट पहचान के साथ रहने और उसकी सुरक्षा के लिए विश्व आदिवासी दिवस की घोषणा की थी।

पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय ने कहा कि भारत छोड़ो आंदोलन ने आजादी में मिल के पत्थर की भूमिका अदा की थी जिसमें समाज के हर तबके जाति, धर्म, युवा, बुजुर्ग महिलाओं ने सर्वस्व बलिदान कर आंदोलन को गति प्रदान की जिसका परिणाम अंग्रेजी हुकूमत की हार और भारत की आजादी के रूप में सामने आया। उन्होंने आदिवासी समुदाय को बधाई देते हुए कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर झारखंड के निर्माण तक आदिवासी समुदाय ने अपनी भूमिका पुरजोर तरीके से अदा की थी। आदिवासी समाज के बिरसा मुंडा सिद्धू कान्हू, चांद भैरव, फूलो झानो सहित कई वीरों ने आजादी के लिए अपना बलिदान दिया।

कार्यक्रम में अनादी ब्रह्म राकेश सिन्हा,विनय सिन्हा दीपू,सोनाल शांति,अभिलाष साहू,गजेंद्र सिंह,जगदीश साहू राजन वर्मा,राज वर्मा,अइनुल हक अंसारी, चंद्र रश्मि पिंगुआ सहित अन्य उपस्थित थे।

ऑल इंडिया पोस्टल-आरएमएस पेंशनर्स एसोसिएशन झारखंड की बैठक संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : शनिवार को रांची जीपीओ में केडी राय व्यथित की अध्यक्षता में ऑल इंडिया पोस्टल/आरएमएस पेंशनर्स एसोसिएशन झारखंड की बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक में आम सहमति से लिए गये निर्णय में पेंशन अधिनियम में मनमानी तरीके से संशोधन किए जाने के खिलाफ एवं आठवें वेतन आयोग के गठन में अप्रत्याशित विलंब को लेकर 24 अगस्त को फोरम ऑफ सिविल पेंशनर्स एसोसिएशन के बैनर तले रांची जीपीओ में 10 बजे से एक दिवसीय कन्वेंशन आयोजित किया जाएगा जिसमें झारखंड के विभिन्न जिलों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। कन्वेंशन के पश्चात एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल को ज्ञापन सौंपेगा। तीसरे फेज में सितम्बर के दूसरे सप्ताह (7 से 14 सितम्बर) में स्थानीय सांसद से मिलकर ज्ञापन दिया जाएगा। चौथे फेज में 20 से 25 सितंबर के बीच इन मुद्दों पर प्रेस कांफ्रेंस की जाएगी। पांचवें और अंतिम चरण में 10 अक्टूबर को दिल्ली में धरना दिया जाएगा और प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और मुख्य न्यायधीश को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

रांची से एसोसिएशन के प्रतिनिधि के रूप में एम जेड खान, त्रिलोकी नाथ साहू, देवचरण साहू, जय नारायण प्रसाद और राम नरेश पांडे दिल्ली धरना में शामिल होंगे।

बैठक में मुख्य रूप से रंग नाथ पाण्डेय, रमेश सिंह, जयनारायण प्रसाद, त्रिवेणी ठाकुर, त्रिलोकी नाथ साहू, हसीना तिग्गा, बी बारा, अमिता तिर्की, मो रफी, सुखदेव राम, रामचंद्र प्रसाद, राजेंद्र महतो, रमेश दुबे, डीएन साहू, इसहाक मिंज, सहदेव प्रसाद, दीपक वर्मा, शिबू पाहन आदि उपस्थित थे। सभा का संचालन एम जेड खान ने किया और धन्यवाद ज्ञापन जयनारायण प्रसाद ने किया।

असम के सीएम को फंसाने की रची गई थी साजिश, जल्द करेंगे खुलासा : बाबूलाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता बाबूलाल मरांडी ने राज्य के एक सीनियर पुलिस अधिकारी पर गंभीर आरोप लगाते हुए बड़ा राजनीतिक बवाल खड़ा कर दिया है। मरांडी ने दावा किया है कि विधानसभा चुनाव के दौरान झारखंड के एक उच्च पदस्थ पुलिस अधिकारी ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा को षड्यंत्रपूर्वक फँसाने की कोशिश की थी।

मरांडी ने सोशल मीडिया पर ट्वीट कर आरोप लगाया कि उस अधिकारी ने किसी को दो बार पैसे देकर दिल्ली और गुवाहाटी भेजा ताकि सरमा को झूठे मामलों में फँसाया जा सके। उन्होंने लिखा कि इस साजिश का प्रमाणों के साथ बहुत जल्द खुलासा किया जाएगा। मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को भी कटघरे में खड़ा करते हुए पूछा-

क्या ये सब नीच काम आपकी जानकारी में हो रहा था या आपकी बिना जानकारी में? उन्होंने मुख्यमंत्री से स्पष्ट जवाब देने की माँग करते हुए कहा कि ऐसे षड्यंत्रकारी अफसरों पर विश्वास करना आपके लिए भी घातक हो सकता है।

उन्होंने आगे यह भी दावा किया कि राज्य सरकार में ही बैठे कुछ लोगों ने पहले भी हेमन्त सोरेन के खिलाफ शिकायतें तैयार कर देशभर में भेजने का काम किया था, जिनमें दस्तावेज और साक्ष्य शामिल थे। बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री को सुझाव देते हुए कहा कि वे अपनी एजेंसियों से इस पूरे प्रकरण की जांच करवाएं और अगर आवश्यक हो तो वे स्वयं उनसे संपर्क कर पूरे तथ्यों को जान सकते हैं। उन्होंने कटाक्ष करते हुए लिखा- हो सकता है ये सब देखकर आपकी आँख खुल जाए और आस्तीन के साँपों को पहचान पाने में दिक्कत न हो।

मरांडी के इस ट्वीट के बाद झारखंड की सियासत में एक बार फिर उबाल आ गया है। भाजपा इस मुद्दे को लेकर सरकार पर हमलावर हो गई है, वहीं सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा की ओर से अब तक कोई औपचारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन इस चुनौतीपूर्ण बयान पर क्या रुख अपनाते हैं और क्या इस कथित षड्यंत्र की जाँच करवाई जाती है या नहीं।

संत जेवियर कॉलेज में विश्व आदिवासी दिवस पर रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : पुरूलिया रोड स्थित संत जेवियर कॉलेज में शनिवार को विश्व आदिवासी दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कॉलेज परिसर आदिवासी संस्कृति, गीत-संगीत और पारंपरिक वेशभूषा की झलक से सराबोर हो गया। इस कार्यक्रम में मुंडारी, कुड़ुख, खडिया, संथाली और हो नृत्य प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में दिशोम गुरू शिबू सोरेन को श्रद्धांजली अर्पित की गई।

केंद्रीय सरना समिति के संतोष ने बताया कि आदिवासी समाज में 12 प्रकार के नृत्य और 13 प्रकार के गीत पीढ़ियों से चले आ रहे हैं। हम शोक में नाच नहीं सकते, लेकिन 13वें प्रकार का गीत गाकर अपनी संस्कृति को जीवित रखते सकते हैं।

इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने पारंपरिक आदिवासी परिधान धारण किए। महिलाओं के सिर पर सफेद गजरा और गुलाब के फूल, पैरों में पायल, हाथों में अशोक की डालियों चमक धमक रहे थे। युवा मांदर की थाप पर खोड़हा मंडली को नचा रहे थे। संत अन्ना की एक छात्रा ने खड़िया भाषा में मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

मांदर की ताल पर छात्राएं कभी बैठकर, तो कभी खड़े होकर नृत्य करती दिखी। हर गीत के साथ छह से सात अलग-अलग लोक नृत्य का रिमिग्स गीत सामने आए। स्टेज पर प्रत्येक खोड़हा समूह ने अपने अंदाज में नृत्य प्रस्तुत किया, जिससे माहौल और भी रंगीन हो गया।

कार्यक्रम के अंत में सभी कलाकारों और अतिथियों ने एक साथ सामूहिक नृत्य कर एकता और सांस्कृतिक गर्व का संदेश दिया। मनरेसा के युवाओं ने उरांव नृत्य प्रस्तुत किया। समाज के युवाओं ने आदिवासी समाज की संस्कृति ने धर्म को संरक्षण को प्रस्तुत किया गया।

संत जेवियर कॉलेज की पाचवें सेमस्टर की छात्राओं ने राज्य से धीरे-धीरे लुप्त हो रही जनजातीय समुदाय पर आदिवासी पदयात्रा प्रस्तुत की। इसमें दस आदिवासी समुदाय को दिखाया गया। इसमें सोरिया जनजाति, बिरहोर समेत अन्य शामिल भाषाओं के साथ जनजातीय पर प्रस्तति की गई।

सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत

रांची : रांची में पुराना विधानसभा के पास एक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गयी। मृतक की शिनाख्त मोहम्मद इश्तेशाम आलम के रूप में हुई है। वाहन को जब्त कर पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। जगरनाथपुर थाना के प्रभारी ने बताया कि शनिवार को बाइक पर सवार होकर मोहम्मद इश्तेशाम आलम अपने घर से कहीं जा रहे थे। इसी क्रम में पुराना विधानसभा के पास मारुती इको की उनकी बाइक से टक्कर हो गयी और वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल अवस्था में उन्हें पास के पारस अस्पताल में ले जाया गया, जहां के डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि वाहन को जब्त कर लिया गया है, लेकिन चालक भागने में सफल रहा है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया गया है।

कांग्रेस भवन में कार्यकर्ताओं को दिखाया गया राहुल गांधी के प्रेस कॉन्फ्रेंस का वीडियो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस का वीडियो जिसमें उन्होंने बीजेपी को 'वोट चोर' करार दिया था। आज रांची स्थित कांग्रेस भवन में चलाया गया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश समेत पार्टी के कई कार्यकर्ता भी मौजूद रहे और सभी ने वीडियो देखा।

प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने इस वीडियो के प्रसारण के संबंध में जानकारी दी और बताया कि यह वीडियो अगले एक हफ्ते तक रोजाना कांग्रेस कार्यालय और राज्यभर के विभिन्न स्थानों पर दिखाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी के कार्यकर्ता इसे दो पालियों में देखेंगे और संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का काम करेंगे।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुबोधकांत सहाय ने महाराष्ट्र में हुई घटना का जिक्र करते हुए कहा कि यह घटना अत्यंत आश्चर्यजनक है। चुनाव आयोग ने एसआईआर पर पहला बयान चौराहे पर बोली जाने वाली भाषा में दिया था कि क्या मुर्दों को भी वोट डालने दिया जाएगा? इतने सारे सबूत होने के बावजूद अब एफिडेविट की मांग की जा रही है। क्या अब एफिडेविट के आधार पर आरोप लगाए जाएंगे? राहुल गांधी ने यह लड़ाई शुरू की है और देश जानता है कि वे बिना प्रमाण के बात नहीं करते। आज सुबह यह सुनने को मिला है कि चुनाव आयोग ने अपनी वेबसाइट से इस संदर्भ में सारी जानकारी हटा दी है।

केशव महतो कमलेश ने आगे कहा कल ही हमने सभी जिला अध्यक्षों को पत्र भेज कर निर्देश दिया कि यह 'वोट चोरी' वाला वीडियो पूरे इलाके में दिखाया जाए। हम इसकी शुरूआत आज आदिवासी दिवस और रक्षाबंधन के पवित्र अवसर पर मुख्यालय से कर रहे हैं।

15 अगस्त तक यह वीडियो कांग्रेस के सभी कार्यकताओं को दोनों शिफ्टों में दिखाया जाएगा। लोगों को यह जानना जरूरी है कि कैसे प्रजातंत्र की आत्मा को खत्म किया जा रहा है। राहुल गांधी ने पुख्ता सबूतों के साथ यह बताया है कि किस तरह से वोटों की चोरी की जा रही है। इस मुद्दे को हम पूरे राज्य में व्यापक प्रचार करेंगे। कांग्रेस अब इसे एक बड़े जन जागरण अभियान के रूप में लेकर चलने की योजना बना रही है, जिससे पार्टी का यह संदेश हर एक नागरिक तक पहुंचे।

संक्षिप्त खबरें

श्रावण पूर्णिमा पर श्री राधा-कृष्ण मंदिर में दिखा भक्ति व उल्लास का संगम

रांची : झारखंड की राजधानी रांची में श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित श्री राधा-कृष्ण मंदिर, पुंदाग में श्रावण पूर्णिमा का पर्व शनिवार को श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही बड़ी संख्या में भक्त मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना में शामिल हुए। पुजारी अरविंद पांडे ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा संपन्न कराई और भव्य श्रृंगार के पश्चात अलौकिक रूप में उन्होंने भगवान के दर्शन कराए। सामूहिक आरती और प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। अनुष्ठान के दौरान मंदिर प्रांगण भक्ति-भाव से गूंज उठा। ट्रस्ट के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने श्रावण पूर्णिमा के धार्मिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह दिन भगवान शिव, रक्षाबंधन और वेदों के ज्ञान से जुड़ा है। इसी दिन ऋषि वेदव्यास का जन्म हुआ था, जिन्होंने वेदों का विभाजन कर मानव कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया। ट्रस्ट के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सद्भाव और अध्यात्म का संदेश फैलाते हैं। युवाओं को संस्कृति से जोड़ते हैं। इस अवसर पर डूंगरमल अग्रवाल, निर्मल जालान, मनोज चौधरी, सज्जन पाड़िया, पूरणमल सर्राफ, शिव भगवान अग्रवाल, मधु जाजोदिया, सुनील पोद्दार सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

अल्बर्ट एक्का चौक में दो दिवसीय श्री कृष्ण जन्मोत्सव मनाया जाएगा

रांची : श्री कृष्ण जन्मोत्सव समिति के तत्वावधान में शनिवार को अल्बर्ट एक्का चौक में दो दिवसीय श्री कृष्ण जन्मोत्सव मनाया जाएगा। यह कार्यक्रम 16 अगस्त से शुरू होगी, जो 17 अगस्त तक चलेगी। समिति के अध्यक्ष मुकेश काबरा ने बताया कि आयोजन स्थल पर नाट्य व झांकी प्रतियोगिता कराई जाएगी। इससे पहले मंच बनाने के पूर्व भूमि पूजन की गई। समिति के आचार्य की उपस्थिति में समिति के पदाधिकारियों के संग संपन्न कराया जाएगा। आयोजन स्थल पर दही हांडी के प्रारूप को सजावट के साथ टांगा जाएगा। 16 अगस्त को अपराहन 3 बजे से (5 वर्ष से 12 वर्ष तक के छोटे बच्चों के लिए) बाल गोपाल प्रतियोगिता शुरू कराई जाएगी। वही 17 अगस्त को शाम 4 बजे दही हांडी- फोड़ो प्रतियोगिता होगी। इसके साथ ही भजन संध्या होगी। नृत्य नाट्य मंचन का भी आयोजन होगा। मीडिया प्रभारी प्रमोद सारस्वत, संजय पोद्दार ने गोबिंदाओं की टीम व बाल गोपाल झांकी प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागी को 15 अगस्त रजिस्ट्रेशन करा लेने के का आग्रह किया है।

आस्था के अधिकार पर भी हो रही है राजनीति : बाबूलाल

रांची : झारखंड में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने देवघर के बाबा वैद्यनाथ मंदिर और सांसद निशिकांत दूबे प्रकरण में अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने राज्य सरकार पर आस्था पर भी राजनीति करने का आरोप लगाया है। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि गोड्डा सांसद नीशिकांत दुबे शनिवार को बाबा वैद्यनाथ मंदिर के गर्भगृह में जबरन प्रवेश करने और धक्का-मुक्की समेत अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज होने के बाद अपनी गिरफ्तारी देने थाने पहुंचे, लेकिन पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार करने से ही मना कर दिया। उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ तो मंदिर में पूजा करने पर भी केस दर्ज किया गया। सोचिए, आस्था के अधिकार पर भी राजनीति हो रही है। बाबूलाल मरांडी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि यह साफ दिखता है कि मामला पूरी तरह राजनीतिक था। केवल सांसद निशिकांत दुबे और सांसद मनोज तिवारी को परेशान करने के लिए ही ऐसा किया गया। भाजपा नेताओं, कार्यकताओं और यहां तक कि परिवारवालों को भी डराने, दबाने और बदनाम करने के लिए लगातार नए केस गढ़ना और पुलिसिया कार्रवाई करना राज्य सरकार का पैटर्न है। लेकिन सच को दबाना नामुमकिन है। भाजपा के लोग सरकार प्रायोजित ऐसे दमनात्मक कार्रवाइयों से डरने वाले नहीं है।

नाग देवता शिव मंदिर में की गई दिव्य गंगा आरती

रांची : राजधानी के रिंग रोड, सुभाष मुंडा चौक (दलादली चौक) समीप नाग देवता मंदिर परिसर में नाग देवता मंदिर ट्रस्ट के तत्वावधान में शनिवार को भव्य गंगा आरती कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दिव्य आरती को बनारस से आए गंगायात्री टीम ने संपन्न कराया। इस अवसर पर नाग देवता मंदिर ट्रस्ट के सचिव सह पूर्व रातू प्रमुख सुरेश मुंडा, कोषाध्यक्ष रामभरोस महतो, दलादली दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष सुधीर महतो, सचिव अभिषेक मिश्रा, कोषाध्यक्ष अजय राय, राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह, रामाशीष शर्मा, अशोक दुबे ने संयुक्त रूप से कहा कि श्रावण मास के समापन के अवसर पर गंगायात्री पीयूष पाठक, आरतीकर्ता कमल नयन मिश्रा, डमरू वादक राजन पांडेय की ओर से गंगा आरती की गई। इसका उद्देश्य जल निकायों की स्वच्छता, निर्मलता और पर्यावरण संरक्षण है। उन्होंने कहा कि गंगा आरती देवी गंगा को समर्पित एक धार्मिक अनुष्ठान है, जो भारतीय संस्कृति में एक महत्वपूर्ण देवी हैं। आरती के माध्यम से भक्त गंगा नदी के प्रति अपने कृतज्ञता और भक्ति व्यक्त करते हैं। गंगा आरती में भक्त गंगा नदी के जल को पवित्र मानते हुए जीवन और समृद्धि के लिए आस्था और श्रद्धा रखते हुए मां गंगा से आशीर्वाद मांगते हैं। गंगा आरती एक आध्यात्मिक अभ्यास भी है, जो भक्तों को परमात्मा के करीब लाता है और उन्हें आध्यात्मिक रूप से शुद्ध करता है। उन्होंने कहा कि गंगा आरती केवल एक धार्मिक अनुष्ठान हीं नहीं, बल्कि यह एक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक अनुभव भी है, जो भक्तों को गंगा नदी के महत्व और पवित्रता का अनुभव करता है। उन्होंने कहा कि वैसे श्रद्धालु जिन्हें वाराणसी की गंगा आरती में शामिल होने का अवसर नहीं मिल पाया है वैसे श्रद्धालु इस आरती में शामिल होकर दिव्य आरती का दर्शन कर पाएंगे। इस दिव्य महाआरती कार्यक्रम में मुख्य रूप से दलादली दुर्गा पूजा समिति के संरक्षक जेपी ओझा,नाग देवता मंदिर ट्रस्ट के उप सचिव बिरसू मुंडा, समाजसेवी चन्नू दुबे,बबन सिंह,, शंभू सिंह , अर्जुन पाठक, लाल बमबम नाथ शहदेव, अनिल सिंह, छोटू चौधरी, प्रदीप कुमार पप्पू, रितेश सिंह, गौतम राय, जितेंद्र तिवारी सहित सैकड़ों की संख्या में महिला,बच्चे और पुरुष श्रद्धालु शामिल हुए।

एक नजर

गुरूजी के निधन से मजदूर शोकग्रस्त : बिके चौधरी

बोकारो : 4 अगस्त को गुरूजी का स्वर्गवास हो जाने की खबर से एक तरफ जहां झारखण्ड हीं नही पूरा राष्ट्र शोकाकुल है वहीं बोकारो स्टील प्लांट मे काम कर रहे इस्पातकमीर्यों और ठेकाकमीर्यों भी इस दु:खद घटना से मर्माहत और शोकग्रस्त है। और इसी सिलसिले मे आज बोकारो स्टील प्लांट के कोक ओवेन एन्ड कोक केमिकल बिभाग के बीच शोक सभा किया गया जिसमे मुख्य रूप से उपस्थित जय झारखंड मजदूर समाज के महामंत्री एवं झारखंड मुक्ति मोर्चा के बरीय नेता बि के चौधरी ने भाग लेते हुए कहा कि जय झारखंड मजदूर समाज का गठन बर्ष 1992 मे हुआ था और आज 33 बर्षों से लगातार गुरूजी युनियन का अध्यक्ष रहें हैं ।निश्चित रूप से मजदूर के साथ साथ युनियन भी शोकग्रस्त है ।आज ब्यकिगत रूप से मैं भी अकेलापन महसूस कर रहा हू ।क्योंकि अगर मजदूरों से सम्बंधित कोई जटिल समस्या आता था तो उनसे सलाह लिया करता था तथा वे युनियन पर अपना छत्रछाया दिये हुए हैं महसूस कर प्रबंधन को समस्या समाधान के लिए मजबूर करता था जिसमे युनियन कामयाब होता था । आज हमलोगों के बीच गुरूजी नही रहें लेकिन उनका आशीर्वाद हमलोगों के साथ सदा रहेगा । अन्त मे दो मिनट का मौन रखकर श्रधांजलि दिया गया ।कार्यक्रम मे मुख्य रूप से संयुक्त महामंत्री अनिल कुमार, आर भी सिंह, बिनोद कुमार, ए के मंडल के साथ साथ सेकड़ों मजदूर उपस्थित थे।

सावन पूर्णिमा पर शिवालयों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

जयनगर : सावन पूर्णिमा के अंतिम दिन शनिवार को प्रखंड के विभिन्न भगवान शिव के मंदिरों में श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़। वहीं भक्तों ने श्रद्धा भक्ति से भगवान शिव के मंदिरों में जलाभिषेक करते हुए नजर आए। बता दे कि हिंदू धर्म के अनुसार सावन पूर्णिमा का दिन अपने आप में एक विशेष महत्व रखता है। इस दिन पितरों का आशीर्वाद मिलता है और पितृदोष भी दूर होता है। वहीं अगर देखा जाए तो धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह भगवान शिव और भगवान विष्णु के विशेष कृपा प्राप्त करने का होता है गंगा, यमुना, गोदावरी, नर्मदा, या किसी भी पवित्र जलाशय में स्नान करने से पिछले जन्मों का पाप भी नष्ट होते हैं। सावन पूर्णिमा के अंतिम दिन में सभी श्रद्धालुओं ने भगवान शिव से सुख समृद्धि और दांपत्य जीवन को बनाए रखने का कामना किया।

बोकारो में भीषण सड़क हादसा, दो युवकों की हुई मौके

बोकारो: चास मुफस्सिल थाना क्षेत्र में चंदनकियारी रोड पर पकौड़ी मोड़ के पास आज एक भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार, तीन युवक अजित हांसदा, अमित हांसदा और सनीचर हेम्ब्रम विश्व आदिवासी दिवस में भाग लेने के लिए बाइक (जे एच 09 एफ –5647) से आईटीआई मोड़ की ओर जा रहे थे। इसी दौरान एसीसी सीमेंट से लदे ट्रक (जे एच 09 बीएफ–7165) से उनकी बाइक की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबर्दस्त थी कि अजित हांसदा और अमित हांसदा की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि सनीचर हेम्ब्रम गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को तत्काल बोकारो सदर अस्पताल ले जाया गया, जहाँ से स्थिति गंभीर होने के कारण धनबाद रेफर कर दिया गया। तीनों युवक चंदनकियारी के बनगढ़िया गांव के निवासी थे। हादसे के बाद लोगों में आक्रोश भी देखने को मिला ।

तिलैया थाना में बहनों का स्नेह, राखी बांधकर पुलिसकर्मियों के समर्पण को दिया सम्मान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : बिशुनपुर रोड स्थित हॉली चाइल्ड स्कूल की छात्राओं ने रक्षाबंधन को लेकर शनिवार को प्रिंसिपल प्रियंका ओझा एवं शिक्षिका सीमा सिंह व साध्वी पांड़ेय की अगुवाई में तिलैया थाना के प्रभारी विनय कुमार तथा समस्त थाना पुलिसकर्मियों को राखी बांधी। छात्राओं ने कहा कि पुलिसकर्मी हर त्योहार पर अपने परिवार से दूर रहकर 24 घंटे हमारी सुरक्षा में तैनात रहते हैं। ऐसे में हमारा फर्ज बनता है कि हम अपने भाइयों को राखी बांधकर उन्हें खुश रखें` थाना प्रभारी विनय कुमार ने बताया कि उन्हें इस बार अपनी बहन के घर राखी बंधवाने जाने का मौका नहीं मिला था। इस अवसर पर छोटी बहनों द्वारा राखी बंधवाने से उन्हें बहुत खुशी हुई। उन्होंने छात्राओं को आश्वासन दिया कि वे किसी भी समस्या में बिना संकोच के पुलिस को फोन कर सकती हैं। उन्होंने बताया कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए हर थाने में महिला हेल्प डेस्क स्थापित की गई है। पुलिसकर्मियों ने भी थाना क्षेत्र के सभी बच्चों और बहनों की सुरक्षा का वादा किया। उन्होंने सभी छात्राओं को थाने का संपर्क नंबर भी दिया और किसी भी परेशानी पर तुरंत सूचना देने को कहा। स्कूल की प्रिंसिपल प्रियंका ओझा ने बताया की होली, दिवाली या रक्षाबंधन जैसे त्योहारों पर भी थाने में छुट्टी नहीं होती। पुलिसकर्मी साल भर हमारी सुरक्षा में लगे रहते हैं। इसी कारण स्कूल द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। मौके पर थाना प्रभारी सहित एस.आई सुबोध सिंह , ए.एस.आई सतबीर सिंह, थाना मुंशी बिरजू रजक, रीडर प्रदीप साव,पैंथर विनोद सिंह, जवान रमेश यादव और स्कूल के बच्चे मौजूद थे।

रक्षाबंधन के पावन अवसर पर हर बहन ने बांधी अपने भाई के कलाई में रखी

झुमरी तिलैया : सावन की अंतिम दिन पूर्णिमा में बड़े ही हर्षौल्लास के साथ मनाया रक्षाबंधन का त्यौहार। हर बहन अपने भाई के कलाई में राखी बांधकर सुख समृद्धि, स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना की। हिंदू धर्म के अनुसार रक्षाबंधन का त्यौहार अपने आप में एक विशेष महत्व रखता है। रक्षाबंधन का अर्थ है सुरक्षा का बंधनश्यह त्यौहार भाई-बहन के प्रेम और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। विगत कई वर्षों के बाद इस बार सावन पूर्णिमा में किसी प्रकार का कोई भद्र व पंचक की बाधा नहीं रही जिसमें हर बहन अपने भाई के कलाई में दिन भर राखी बंदी और सुख समृद्धि की कामना की। यह त्यौहार संस्कृत के दो शब्दोंश्रक्षाश्और श्बंधनश्से मिलकर बना है रक्षा का अर्थ है सुरक्षा और बंधन का अर्थ है बांधना इस प्रकार रक्षाबंधन का अर्थ है सुरक्षा का बंधन यह त्यौहार भाई-बहन के बीच के प्रेम सम्मान और कर्तव्य के बंधन को दशार्ता है। बता दे कि यह उत्सव केवल रक्त संबंधी भाई- बहनों तक ही सीमित नहीं है बल्कि चचेरे, भाई-बहन, भाभी, बुआ, भतीजा, और अन्य रिश्तों से भी मनाया जाता है। इस प्रकार से 9 अगस्त 2025 दिन शनिवार को सावन की अंतिम पूर्णिया में रक्षाबंधन का त्यौहार बड़े ही हर्षौल्लास के साथ मनाया गया।

ब्रह्माकुमारीज बोकारो में भव्य रक्षाबंधन उत्सव आध्यात्मिक संदेश के साथ बंधे प्रेम के धागे

बोकारो : रक्षा बंधन के पावन अवसर पर आज ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय, बोकारो में एक भव्य एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बोकारो इस्पात नगर के अनेक गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शोभा तब और बढ़ गई जब आदरणीया कुसुम दीदी तथा माउंट आबू, मधुबन से पधारी सुमन दीदी ने रक्षाबंधन की पवित्र विधि निभाते हुए उपस्थित अतिथियों की कलाई पर राखी बाँधी और उन्हें स्नेह, शुभकामनाओं एवं आत्मिक शक्ति का आशीर्वाद प्रदान किया। अपने प्रेरक उद्बोधन में बहनों ने रक्षा बंधन के सच्चे आध्यात्मिक महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह केवल एक धागा नहीं, बल्कि विश्वास, सुरक्षा, स्नेह और आत्मिक बंधन का प्रतीक है। उन्होंने सभी को आंतरिक शक्ति, सकारात्मक संकल्प और नैतिक मूल्यों को जीवन में अपनाने का संदेश दिया। मौके पर बी.के. तिवारी – प्रभारी निदेशक सेल, राज बनर्जी – ईडी (एच आर) सेल, सुरेश रंगानी – ईडी (फाइनेंस)सेल, डॉ विभूति भूषण करुणामई – सीएमओ, (बीजीएच) सेल, लक्ष्मी दास – सीजीएम, (डायरेक्टर इंचार्ज), ए. के. सिंह – जीएम, टी ए (भूमि और राज्य) एवं समस्त ब्रह्माकुमारी के सदस्य शामिल रहे।

दिव्याज्योति धर्म जन कल्याण संस्थान ने रक्षाबंधन पर सरकारी कर्मचारियों को बांधी राखी

बोकारो : दिव्याज्योति धर्म जन कल्याण संस्थान द्वारा बोकारो शहर में रक्षाबंधन के अवसर पर एक विशेष जनसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में संस्था की महिलाओं ने बोकारो के सेवा व सुरक्षा में समर्पित सरकारी प्रशासनिक कर्मचारियों को राखी बांधी और मिठाई खिलाकर उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर संस्था के संस्थापक सहित कार्यसमिति के सदस्य भी उपस्थित रहे। संस्थान की ओर से यह पहल समाज के उन योद्धाओं के प्रति आभार एवं सुरक्षा के प्रतीक के रूप में राखी बांधने की भावनात्मक परंपरा को आगे बढ़ाने का प्रयास है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों ने इस की सराहना की और संस्था के मानव सेवा कार्यों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। संस्था द्वारा यह आयोजन समाज में भाईचारे, आपसी सहयोग और सुरक्षा के मूल्यों को मजबूत करने हेतु किया गया। समुदायिक कल्याण और सामाजिक सहभागिता के ऐसे प्रयास बोकारो शहर में प्रेम, सद्भाव तथा सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में प्रेरक भूमिका निभा रहे हैं।

एमजीएम स्कूल के विद्यार्थियों ने वृक्ष को बांधी राखियां, पर्यावरण को स्वच्छ बनाने का लिया संकल्प

बोकारो : एमजीएम हायर सेकेंड्री स्कूल सेक्टर चार एफ में इको क्लब की ओर से रक्षाबंधन उत्सव पर वृक्ष वंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राचार्य फादर डा.जोशी वर्गीस ने कहा कि वनों के कटाव, प्राकृतिक संसाधनों के दोहन आदि से पूरे विश्व के वातावरण में परिवर्तन हो रहा है। इसके कारण पारिस्थितिकी तंत्र व जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। पृथ्वी गर्म हो रही है। मौसम में बदलाव जारी है। अचानक बहुत तेज गर्मी या ज्यादा बारिश होने लगती है। कहा कि वनों से हमें फल, फूल, इमारती लकड़ी, औषधी के अलावा अन्य उपयोग उत्पाद की प्राप्ति होती है। वन में वन्य जीव रहते हैं। वृक्ष की जड़ें मिट्टी का कटाव रोकती हैं। वृक्ष की पत्तियां हमें जीवनदायिनी आक्सीजन देती हैं।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन को देश का सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न मिले : वीरेंद्र पांडेय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : झारखंड मुक्ति मोर्चा कोडरमा जिला समिति के तत्वाधान में सरना स्थल लख्खीबागी के प्रांगण में दिवंगत शिबू सोरेन की याद में एक शोक सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान सर्वसम्मति से यह मांग उठी है की दिवंगत शिबू सोरेन को सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न दिया जाए तथा उनकी याद में कोडरमा जिला मुख्यालय के पास स्वर्गीय शिबू सोरेन की प्रतिमा स्थापित किया जाए। कार्यक्रम के दौरान पार्टी के नेता, कार्यकर्ता ने दिशोम गुरु का जीवनी पर प्रकाश डाला तथा बारी-बारी से उनके तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दिया गया। श्रद्धांजलि सभा की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष वीरेंद्र पांडेय तथा संचालन जिला सचिव पवन माइकल कुजूर ने किया। सभी लोगों ने शिबू सोरेन के बताए हुए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया। मौके पर केंद्रीय समिति सदस्य बैजनाथ मेहता, संजय पांडेय, गंगा प्रसाद यादव, रामेश्वर मुर्मू, इस्लाम अंसारी, जिला प्रवक्ता वीरेंद्र कुमार मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष अशोक कुमार, नंदकिशोर मेहता, रविंद्र शांडिल्य, संजय साजन, गोविंद बिहारी, अनिल बरनवाल, रफीक अंसारी, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष मोहम्मद सद्दाम, छोटू यादव, विश्वनाथ राय, अशरफ अंसारी, अशोक सिंह, गणेश राय, चंद्रदेव यादव, संतोष यादव, प्रदीप चौधरी, धर्मेंद्र कुमार, दीपक सोनी, किशोर पेंटर, दीपक चंद्रवंशी, राहुल वर्मा समेत सैकड़ो की संख्या में लोग मौजूद रहे।

बोकारो में हर्षोल्लास से मनाया गया रक्षाबंधन, बहनों ने भाइयों को बांधी राखी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन के प्यार, विश्वास और सुरक्षा के प्रतीक के रूप में पूरे देश में हर्षोल्लास से मनाया गया। बोकारो में भी बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनकी लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना की, जबकि भाइयों ने जीवनभर रक्षा का वचन दिया। इस बार पंचांग के अनुसार रक्षाबंधन का शुभ मुहूर्त 8 अगस्त दोपहर 2:12 बजे से 9 अगस्त दोपहर 1:21 बजे तक रहा और राखी के दिन भद्रा दोष नहीं था, जिससे उत्सव पूर्ण श्रद्धा के साथ मनाया गया। बहनों ने सजी राखी की थाली में रोली, कुमकुम, अक्षत, दीपक व मिठाई रखकर भाइयों को तिलक किया, राखी बांधी और मिठाई खिलाकर उनसे अपनी रक्षा और सम्मान की कामना की। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इंद्राणी ने असुर देवता से संग्राम में इंद्र की रक्षा के लिए रक्षा-सूत्र बांधा था। महाभारत प्रसंग के अनुसार, द्रौपदी द्वारा श्रीकृष्ण की घायल उंगली में साड़ी की पट्टी बांधना भी रक्षाबंधन की भावना से जुड़ा है। रक्षाबंधन का पर्व केवल भाई-बहन तक सीमित नहीं, बल्कि भावनात्मक रूप से अन्य संबंधों में भी मनाया जाता है। यह पर्व रिश्तों में आत्मीयता व विश्वास को मजबूत करता है और समाज में प्रेम, सद्भाव व सम्मान का संदेश देता है।

झुमरीतिलैया जैन मंदिर में 16 दिवसीय शांति विधान और भगवान श्रेयांशनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरीतिलैया : जैन समाज के द्वारा बड़ा जैन मंदिर में 16 दिवसीय शांति विधान एवं देवाधिदेव 1008 श्रेयांश नाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव बड़े धूमधाम श्रद्धा भक्ति पूर्वक आज संपन्न हुआ एवं रक्षाबंधन महापर्व बड़े ही धूमधाम से मनाया गया भगवान की अलौकिक दिव्य प्रतिमा पर मस्तक अभिषेक और विश्व शांति धारा श्रद्धालु भक्तों के द्वारा किया गया आज के दिन जैन धर्म के तीर्थंकर भगवान श्रेयांश नाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक लाडू चढ़ाया गया इसे चढ़ाने का सौभाग्य समाजसेवी मीरा छाबड़ा परिवार को मिला जैन धर्म के अनुसार आज के दिन ही 700 मुनियों पर विष्णु कुमार मुनिराज के द्वारा उपसर्ग दूर किया गया था इस विश्व शांति महा यज्ञ विधान का ध्वजारोहण जय कुमार त्रिशला गंगवाल परिवार के द्वारा किया गया। अखंड दीपक की स्थापना ललित नीलम सेठी परिवार ने किया 16 दिवस की शांति विधान की रूपरेखा विधि विधान से पूजा पंडित अभिषेक शास्त्री के द्वारा किया गया 16 दिवस शांति विधान संपन्न होने पर समाज के पंडित अभिषेक शास्त्री को तिलक माला साफा पहनाकर सम्मानित किया गया समाज के मंत्री नरेंद्र झाझरी एवं कोषाध्यक्ष सुरेंद्र काला ने कहा कि इस विश्व शांति महा विधान आयोजन पर कहा की यज्ञ पूजा विधान से लोगों के जीवन में धर्म संस्कृति की वृद्धि होती है संकट दूर होते हैं दुख दर्द में कमी आती है वातावरण धर्म मय एवं शुद्ध हो जाता है समाज के सभी लोगों के सहयोग से यह 16 दिवसीय विधान संपन्न हुआ मार्गदर्शन एवं प्रेरणा समाज के उप मंत्री राज छाबड़ा सुरेश झांझरी ने दिया विधान में संगीत मय पूजा सुबोध आशा गंगवाल के द्वारा किया गया 16 दिवसीय शांति विधान अनुष्ठान में विशेष सहयोग मनोज गंगवाल, संजय ठोल्या, संजय गंगवाल, सौरभ पापड़ी वाल, जय कुमार सेठी, अजय सेठी, ईशान कासलीवाल, राजीव छाबड़ा नीलम सेठी, आशा गंगवाल, किरण ठोल्या, ममता सेठी, सरिता काला ने मीडिया प्रभारी नवीन जैन राजकुमार जैन अजमेरा ने दिया।

संक्षिप्त खबरें

महिला समिति बोकारो का 61वां स्थापना दिवस पर कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बोकारो : महिला समिति, बोकारो का (61) इकसठवां स्थापना दिवस कार्यक्रम सफलतापूर्वक बीएसएल के मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास स्थित मेन ऑडिटोरियम में धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत परम्परागत तरीके से दीप प्रज्वलन तथा गणेश वंदना के साथ शुरूकर अतिथियों का स्वागत पौधों तथा पुष्प गुच्छों से किया गया। बी एस एल के निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी के साथ अधिशाषी निदेशक,मुख्य चिकित्सा अधिकारी, समिति की अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मुख्य महाप्रबंधक, सीनियर ऑफिसर्स, मेम्बर्स, टीचर्स, छात्र छात्राएं तथा अभिभावक ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। महिला समिति, बोकारो की अध्यक्ष अनीता तिवारी ने अपने स्वागत भाषण में सभी को बधाई दी तथा दर्शकों के साथ समिति द्वारा किए जा रहे नेक कार्यों को साझा किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी ने सभी प्रतिभागियों और समिति की सदस्याओं को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का संचालन तथा उसकी रूपरेखा सांस्कृतिक सचिव श्वेता कुमार के द्वारा किया गया जिन्होंने 'समिति गान' से कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम के दौरान सचिव ऋचा प्रियदर्शिनी के द्वारा स्वरबद्ध तरीके से वर्तमान अध्यक्ष अनीता तिवारी के कार्यकाल में हुई गतिविधियों की 'झलकियां' दिखाई गई। समिति द्वारा संचालित दो विद्यालय बालमंदिर तथा सौरभ शिशु मंदिर की छात्राओं ने असमिया तथा महाराष्ट्र के खूबसूरत नृत्य प्रस्तुत किए। सुरभि मसाला केंद्र की वर्कर्स ने सावन के नृत्य व गान तथा स्वावलंबन उद्योग केंद्र की वर्कर्स ने नृत्य नाटिका तथा गीत की प्रस्तुति दी। मुख्य अतिथि द्वारा 'बेस्ट वर्कर्स' अवॉर्ड दिया गया तथा महिला समिति की उपाध्यक्षगण द्वारा समिति के जन्मदिन पर केक काटा गया। कार्यक्रम का समापन सचिव ऋचा जी के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ। समिति की स्थापना दिवस को सफल बनाने में कोषाध्यक्ष अभिरुचि प्रिया,उपाध्यक्ष अंजलि तिवारी, उप सचिव रूपांशी श्रीवास्तव, सुरभि प्रभारी अनिशा झा, सिलाई प्रभारी प्रीति राजेश, विद्यालय प्रभारी नीतू सुनीत व आशा राज, समिति सदस्या कल्पना वर्मा, समिता मोहंती तथा यामिनी ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

द.पू. रेलवे मेंस कांग्रेस की अंतरिम केंद्रीय समिति गठित, पीसीपीओ को सौंपा गया पत्र

बोकारो : बीते 16 जुलाई को बोकारो में हुई रेलवे इंस्टिट्यूट के चुनाव में जीत के बाद दक्षिण पूर्व रेलवे मेंस कांग्रेस की एक विशेष कार्यकारिणी बैठक 1 अगस्त 2025 को दक्षिण पूर्व रेलवे, गार्डन रीच, कोलकाता स्थित रेलवे इंस्टिट्यूट में आयोजित की गई । बैठक की अध्यक्षता मो. मुशताक ने की । इस बैठक में विभिन्न शाखाओं/ डिवीजनों से आए सक्रिय सदस्यों, निर्वाचित प्रतिनिधियों, कार्यसमिति सदस्यों एवं महासभा के सदस्यों ने भाग लिया ।यह बैठक संगठन के वर्तमान केंद्रीय पदाधिकारियों के असंवैधानिक कार्यों के विरोध में बुलाई गई थी एवं सर्वसम्मति से संगठनात्मक, न्यायिक, प्रशासनिक एवं श्रमिक हितों से जुड़े विषयों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने के लिए अंतरिम केंद्रीय समिति के बैठक में श्री लाल बाबू को अध्यक्ष, नित्यालाल कुमार को महासचिव, (चक्रधरपुर मंडल) से आर. के. पांडेय को कार्यकारी अध्यक्ष, (मुख्यालय कोलकाता)से गोरख नाथ यादव को कार्यकारी महासचिव, (आद्रा मंडल) से अमर सिंह को संयुक्त महासचिव एवं (रांची मंडल) से श्री पी.डी. तिवारी को द.पू. रेलवे मेंस कांग्रेस के कोषाध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारी दी गई । इस मौके पर द.पू. रेलवे मेंस कांग्रेस के महासचिव नित्यलाल कुमार ने कहा की दक्षिण पूर्व रेलवे मेंस कांग्रेस अपने मूल उद्देश्यों — श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा, लोकतांत्रिक प्रक्रिया की बहाली और संगठनात्मक पारदर्शिता के प्रति प्रतिबद्ध है और भविष्य में भी इन सिद्धांतों का पालन करती रहेगी । इस निर्णय की औपचारिक सूचना दक्षिण पूर्व रेलवे के प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी (पी सी पी ओ) को लिखित पत्र के माध्यम से दी गई, जो दिनांक 8 अगस्त 2025 को प्रस्तुत किया गया । बैठक में शामिल सभी सदस्यों ने इस गठन को संगठन के संविधान के अनुरूप मानते हुए सर्वसम्मति से पारित किया और इसे संगठन की एक आवश्यक और समयानुकूल पहल बताया।

विश्व आदिवासी दिवस पर सेंगेल अभियान ने लिया एकता और विजय का संकल्प

बोकारो : शनिवार को चास प्रखंड के अन्तर्गत कनारी पंचायत के बरूआटांड़ जाहेरगाढ़ में आदिवासी सेंगेल अभियान के तहत संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा घोषित विश्व आदिवासी दिवस को एकता और विजय(जुमिदो आर जितकार लगित –एकता और विजय के लिए)के लिए संकल्प दिवस के रूप में मनाया और शपथ लिया गया। सेंगेल बोकारो जिला अध्यक्ष सह बोकारो जोनल हेड सुखदेव मुर्मू ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने 9 अगस्त 1982 प्रथम बार आदिवासी सवाल पर चर्चा कि थी इसके बाद 1994 से प्रत्येक वर्ष 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस मनाने का फैसला लिया गया। 13 सितंबर 2007 को विश्व आदिवासी आधिकार घोषणा पत्र जारी किया गया, ताकि विश्व के 90 देशों में रह रहे करीब 47 करोड़ (विश्व आबादी का 6.2 प्रतिशत) आदिवासीयों का सांस्कृतिक संरक्षण एवं संवर्धन हो सके। संयुक्त राष्ट्र ने 2022 से 2032 की अवधि को आदिवासी भाषा दशक घोषित किया है। जो सिर्फ भाषा के संरक्षण एवं संवर्द्धन पर केंद्रित होगा। झारखंड राज्य अलग हुए 25 वर्ष के बाद भी पलायन, विस्थापन, औद्योगिकरण और धर्मांतरण से लगातार आदिवासीयों जनसंख्या घटती जा रही है। उनकी भाषा संस्कृति पर विलुप्त होने की कगार पर खड़ी है जबकि झारखंड प्रदेश का मुख्यमंत्री आदिवासी ही है। आगे उन्होंने संबोधन पर जोर देते हुए अपने सात मांगों के साथ कहा कि बोकारो स्टील प्लांट स्थापित होने के साथ 64 मौजा 84 गांव जो माराफारी नाम से जाना जाता था आज यह नाम विलुप्त होने की कगार पर है। जबकि यह माराफारी आदिवासी संताली भाषा साहित्य से जुड़ा हुआ नाम है।

एक नजर

बस और मोटरसाइकिल में टक्कर, तीन घायल

ईचागढ़ : चांडिल थाना क्षेत्र के एनएच–33 स्थित मुखिया होटल के सामने मुरी से टाटा जा रही बस और मोटरसाइकिल की टक्कर में तीन लोग घायल हो गए। घायल कुटल कुम्हार, वैशाखी कुमारी और पांच वर्षीय दिनेश कुमार सभी चांडिल के कुम्हार पाड़ा के निवासी हैं। घटना की सूचना मिलते ही चांडिल थाना प्रभारी दिलसन बिरुवा मौके पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल भेजवाया। पुलिस ने बस और मोटरसाइकिल दोनों को जब्त कर लिया है। जानकारी के अनुसार मोटरसाइकिल चांडिल कुम्हार पाड़ा से चौका की ओर जा रही थी जबकि बस विपरीत दिशा से जमशेदपुर जा रही थी। इसी दौरान यह हादसा हुआ।

भाई-बहनों के प्यार का त्यौहार रक्षा बंधन धूमधाम से मनाया गया

पटमदा : श्रावण पूर्णिमा के अवसर पर पटमदा और बोड़ाम प्रखंड क्षेत्र में उल्लास के साथ भाई बहनों के। प्यार का त्यौहार उल्लास के साथ मनाया गया। कटिन निवासी अमित केडिया को बहन प्रगति केडिया ने वाटिका ग्रीन सिटी में राखी बांधा। वही लावा में बहन काव्यांजलि और मोकक्षिता ने भाई काव्यांश और अपने दादू जनार्दन तिवारी के कलाई पर राखी बांधकर तिलक लगाकर आरती उतारकर मुंह मीठा करवाया। वही दोनों बहनों को उपहार भी मिला। इधर क्षेत्र की सभी बहनों ने अपने भाई के उज्वल भविष्य और दीघार्यु और अपनी हर मुश्किल में रक्षा के भैया की कलाई में राखी बांधी।

कांग्रेस जनों ने दिशोम गुरु जी को दी श्रद्धांजलि

सिल्ली : सिल्ली 9 अगस्त को सिल्ली प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष कार्तिक चन्द्र महतो के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यालय सिल्ली में शोकसभा आयोजित कर दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी को श्रद्धांजलि दी गई। कांग्रेस पदाधिकारीगणों एवं कार्यकताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर दो मिनट का मौन रख कर उनकी आत्मा की शांति के लिए की प्रार्थना की गई। इस मौके पर मुख्य रूप से रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस उपाध्यक्ष नगेंद्र नाथ गोस्वामी, जिला सचिव नागेश्वर महतो, सिल्ली प्रखंड कांग्रेस उपाध्यक्ष निशाकर महतो, मनीराम दास, महासचिव सैय्यद कमर आलम, भागीरथ महतो, मो कलाम, प्रकाश मुंडा, श्रीप्रसाद बड़ाईक, रोहित मुंडा, सिल्ली पश्चिमी मंडल अध्यक्ष गुहीराम महतो, विधानसभा युवा कांग्रेस प्रत्याशी विकास रजक, घासीराम पातर इत्यादि कांग्रेसजन उपस्थित थे।

ओरमांझी में 60 लाख मछली जीरा का किया गया वितरित

अनगड़ा : खिजरी के लोक प्रिय विधायक राजेश कच्छप के अनुशंसा पर जिला मत्स्य पालन विभाग द्वारा अनगड़ा, ओरमांझी क्षेत्र के मत्स्य किसानों के बीच 60 लाख मछली जीरा (मछली के बीज) वितरित किए गए। जिला कृषि तथा मत्स्य, पशुपालन, भूमि संरक्षण विभाग रांची का विधायक प्रतिनिधि सचिन नायक ने किसानों को मछली जीरा वितरण कर इसे तालाबों में छोड़ने का निर्देश दिया। सचिन नायक ने कहा की यह पहल उच्च गुणवत्ता वाले मछली जीरा प्रदान कर मत्स्य पालन को प्रोत्साहित करने, स्थानीय जल संसाधनों का बेहतर उपयोग करने और किसानों की आर्थिक समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे हम अपना जीविका चला सकते हैं।

पूर्व सीएम रघुवर दास ने बहनों संग मनाया रक्षाबंधन, महिलाओं की सुरक्षा का किया आह्वान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : भाई-बहन के अटूट प्रेम व स्नेह का पावन त्यौहार रक्षाबंधन शनिवार को शहर में पूरे श्रद्धाभाव से मनाया गया। रक्षाबंधन पर राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री एवं ओडिशा के पूर्व राज्यपाल रघुवर दास ने जमशेदपुर के एग्रिको स्थित आवास पर अपनी बहनों के साथ शहर के विभिन्न क्षेत्र की सैकड़ों बहनों एवं ब्रह्माकुमारी बहनों से राखी बंधवाई। इस दौरान बहनों ने उनकी कलाई पर राखी बांधी और तिलक लगाकर उनकी आरती उतारी और मुंह मीठा कर उनके स्वस्थ और दीघार्यु जीवन की कामना की। पूर्व सीएम रघुवर दास ने सभी बहनों को स्नेहपूर्वक उपहार भेंट किया और उनकी रक्षा का संकल्प लेकर सभी के स्वस्थ और खुशहाल जीवन की कामना की। इस दौरान शहर के विभिन्न क्षेत्रों की सैकड़ों महिलाओं ने पूर्व मुख्यमंत्री को राखी बांधकर अपनी रक्षा का वचन लिया। इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास और सुरक्षा के संकल्प का प्रतीक है। आज हमने अपनी बहनों एवं क्षेत्र की बहनों के साथ रक्षाबंधन का उत्सव मनाया। उन्होंने झारखंड की बहनों को रक्षाबंधन के पावन पर्व की शुभकामनाएं दी। कहा कि प्राचीन काल से रक्षा सूत्र का विशेष महत्व रहा है। जब हमारे वीर योद्धा धर्म और राष्ट्र की रक्षा के लिए युद्धभूमि में जाते थे, तब घर की महिलाएं उन्हें रक्षा सूत्र बांधकर उनकी विजय और सुरक्षा का आशीर्वाद देती थीं। श्री दास ने कहा कि आज के समय में समाज में कई विकृतियां आ गयी हैं, महिलाओं पर अत्याचार, अपराध और व्यभिचार की घटनाओं को समाप्त करने के लिए हमें एकजुट होना होगा। नारी शक्ति का सम्मान करना हर भाई का परम कर्तव्य है, क्योंकि नारी के आशीर्वाद से ही जीवन में सफलता, समृद्धि और प्रगति प्राप्त होती है। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने सभी भाइयों से आह्वान किया कि रक्षाबंधन के दिन सभी संकल्प लें कि नारी शक्ति की गरिमा और सुरक्षा की रक्षा में सदैव अग्रणी रहेंगे, उन्हें सम्मान देंगे और उनके आशीर्वाद से अपने-अपने कार्यक्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करेंगे।

डीसी ने विश्व आदिवासी दिवस एवं रक्षाबंधन की दी शुभकामनाएं

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : उपायुक्त सिमडेगा श्रीमती कंचन सिंह ने जिला वासियों को विश्व आदिवासी दिवस एवं रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन का यह पावन पर्व भाई-बहन के रिश्ते में प्रेम, विश्वास और स्नेह की डोर को और मजबूत करे तथा समाज में एकता, सौहार्द और आपसी भाईचारे का संदेश पूरे जिले में फैलाए।

रक्षाबंधन पर टेसुटोली में ट्रांसफार्मर का हुआ उद्घाटन, ग्रामीणों में हर्ष

सिमडेगा : प्रखंड के ठेसुटोली में पिछले एक महीनों से 25केवीए ट्रांसफार्मर खराब थी। आज पूर्व सांसद प्रतिनिधि रवि गुप्ता के प्रयास से ठेसुतोली को 25केवीए ट्रांसफार्मर उपलब्ध हुआ। ट्रांसफार्मर का उदघाटन गांव के पहान धीरू बैगा द्वारा कराया गया,पहान द्वारा धूप अगरबत्ती जलाकर नारियल फोड़ कर ट्रांसफार्मर का उदघाटन किया गया, रक्षाबंधन त्यौहार के दिन ट्रांसफार्मर लग जाने एवं बिजली बहाल होने से ग्रामीण काफी खुश नजर आए एवं बिजली विभाग के साथ-साथ भारतीय जनता पार्टी का भी धन्यवाद कहा। मौके पर पूर्व सांसद प्रतिनिधि रवि गुप्ता ने कहा कि भाजपा के शासनकाल में 24 घंटे के अंदर खराब पड़े ट्रांसफार्मर को बदल दिए जाते थे पर गठबंधन सरकार में जनता महीनों अंधेरे में रहने को विवस है। मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रणव कुमार मंडल महामंत्री बुलेश्वर प्रसाद भाजयुमो जिला मीडिया प्रभारी गौतम कुमार मंडल कोषाध्यक्ष सुरेश प्रसाद ओबीसी मोर्चा मंडल अध्यक्ष विकास कुमार मनोज कुमार शुभम कुमार रवि प्रसाद दीपक प्रसाद गजेंद्र प्रसाद महेंद्र प्रसाद सूरज प्रसाद राधेश्याम प्रसाद मौजूद थे।

नारी उत्थान मंच ने आरपीएफ जवानों के साथ हर्षोल्लास से मनाया रक्षाबंधन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : रक्षाबंधन के पावन पर्व पर चंद्रमारनी सरिया नारी उत्थान मंच ने एक बार फिर सामाजिक एकता और प्रेम का संदेश दिया। मंच की सचिव किरण वर्मा के नेतृत्व में मंच की सदस्यों ने आरपीएफ कार्यालय पहुंचकर इंस्पेक्टर विश्वनाथ कुमार सहित अन्य आरपीएफ जवानों की कलाई पर राखी बांधी। इस अवसर पर सभी ने एक-दूसरे के सुख-दुख में साथ देने का वचन लिया। कार्यक्रम में नारी उत्थान मंच की सदस्यों ने जवानों का तिलक लगाकर और मिठाई खिलाकर रक्षाबंधन का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया। किरण वर्मा ने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन का पर्व नहीं, बल्कि यह समाज में आपसी प्रेम, सम्मान और सुरक्षा का प्रतीक है। उन्होंने आरपीएफ जवानों की निस्वार्थ सेवा की सराहना की और कहा कि यह राखी का बंधन जवानों के मनोबल को और मजबूत करेगा। इंस्पेक्टर विश्वनाथ कुमार ने नारी उत्थान मंच के इस प्रयास की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह आयोजन जवानों के लिए परिवार से दूर रहते हुए भी अपनत्व का एहसास दिलाता है। उन्होंने मंच की सदस्यों को आश्वासन दिया कि आरपीएफ समाज की सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर रहेगा।यह आयोजन सरिया में रक्षाबंधन के पर्व को एक नया आयाम देता है, जो न केवल परंपराओं को जीवंत रखता है, बल्कि समाज में नारी शक्ति और सुरक्षा बलों के बीच एक मजबूत रिश्ते को भी दशार्ता है। मौके पर नेहा जैन,जनक दुलारी वर्मा,सुनीता गुप्ता समेत कई महिलाएं मौजूद थीं।

रक्षाबंधन पर राजदह धाम में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

सरिया : रक्षाबंधन के पावन अवसर पर झारखंड के पवित्र तीर्थ स्थल राजदह धाम में हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। श्रद्धालुओं ने उत्तर वाहिनी बराकर नदी में आस्था की डुबकी लगाकर पूजा-अर्चना की और इस पवित्र पर्व को उत्साह के साथ मनाया। सुबह से ही मंदिर परिसर और नदी घाटों पर भक्तों का तांता लगा रहा, जहां लोग मन्नतें मांगने और रक्षा सूत्र बांधने के लिए पहुंचे। पुलिस प्रशासन ने भीड़ को संभालने के लिए व्यापक इंतजाम किए। क्षेत्र को विभिन्न जोन और सेक्टर में बांटकर सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद किया गया, इसके अलावा, स्थानीय समिति के सदस्य भी व्यवस्था को सुचारू रखने में सक्रिय दिखे। उन्होंने घाटों पर श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए आवश्यक प्रबंध किए, जिससे स्नान और पूजा-अर्चना का कार्य निर्बाध रूप से संपन्न हुआ। स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं ने इस आयोजन को लेकर उत्साह व्यक्त किया। कई भक्तों ने मां गंगा को फल दान किए और मन्नत पूरी होने पर बच्चों का मुंडन संस्कार भी करवाया। हालांकि, भारी भीड़ के कारण कुछ स्थानों पर यातायात व्यवस्था प्रभावित हुई, लेकिन पुलिस और समिति के समन्वित प्रयासों से स्थिति नियंत्रण में रही।

संस्कृति ही हमारी ताकत, नई पीढ़ी तक भाषा और परंपरा पहुंचाना हम सबकी जिम्मेदारी : जोसिमा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : संत जेवियर कॉलेज सिमडेगा में शनिवार को विश्व आदिवासी दिवस समारोह का आयोजन धूमधाम से किया गया। यह कार्यक्रम एआईसीयूएफ के तत्वावधान में आयोजित हुआ। जिसमें आदिवासी नृत्य और नाटक प्रतियोगिता भी हुई। प्रतियोगिता में जिले के कई स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला परिषद सदस्य जोसिमा खाखा और मुख्य वक्ता के रूप में जिला परिषद सदस्य अजय एक्का उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद गुरुजी स्व. शिबू सोरेन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। मौके पर जोसिमा खाखा ने कहा कि आज हम गर्व और आत्मसम्मान के साथ विश्व आदिवासी दिवस मना रहे हैं। यह सिर्फ एक दिन नहीं, बल्कि हमारे अस्तित्व, हमारी संस्कृति और हमारे अधिकारों का प्रतीक है। हमारी भाषा, पहनावा, नृत्य, गीत, त्योहार और परंपरा केवल रीति-रिवाज नहीं, बल्कि हमारी पहचान हैं।

रक्षा बंधन भाई बहन के अटूट प्रेम और सामाजिक एकता का प्रतीक है : अमृत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : भारत आदिवासी पार्टी के जिला अध्यक्ष अमृत चिराग तिर्की ने सिमडेगा जिला वासियों को रक्षा बंधन के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। अपने संदेश में उन्होंने कहा रक्षा बंधन भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास और एक दूसरे की रक्षा के संकल्प का प्रतीक है। यह पर्व न केवल पारिवारिक रिश्तों को मजबूत करता है, बल्कि समाज में आपसी भाईचारे, सहयोग और एकता की भावना को भी प्रोत्साहित करता है। इस अवसर पर हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिए कि हम अपने जिले में प्रेम, सौहार्द और सुरक्षा का वातावरण बनाए रखेंगे। उन्होंने आगे कहा भारत आदिवासी पार्टी सदैव बहनों के सम्मान, अधिकार और सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। मैं कामना करता हूँ कि यह पर्व सभी के जीवन में खुशहाली, समृद्धि और नई ऊर्जा लेकर आए।

हर घर तिरंगा अभियान को लेकर भाजपा की जिला कार्यशाला संपन्न, 10 से 14 अगस्त तक निकलेगी तिरंगा यात्रा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : हर घर तिरंगा अभियान की सफलता एवं चर्चा करने के उद्देश्य से भाजपा जमशेदपुर महानगर की जिला स्तरीय कार्यशाला बुधवार को मानगो स्थित राजस्थान भवन में संपन्न हुई। महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा की अध्यक्षता में आयोजित कार्यशाला में झारखंड भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद, जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू, प्रदेश प्रवक्ता अमरप्रीत सिंह काले मुख्यरूप से शामिल हुए। कार्यशाला में भाजपा कार्यकताओं को अभियान की रूपरेखा और आगामी गतिविधियों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गयी। इससे पहले, पार्टी के पितृपुरुष डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं भारत माता की तस्वीर के समक्ष द्वीप प्रज्वलित कर एवं पुष्प अर्पित कर कार्यशाला का विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए झारखंड प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर भाजपा इस बार स्वतंत्रता दिवस पर व्यापक स्तर पर हर घर तिरंगा अभियान चलाएगी। अभियान के तहत 10 से 14 अगस्त तक प्रत्येक मंडल स्तर पर जनप्रतिनिधि की मौजदूगी में भाजपा कार्यकर्ता तिरंगा यात्रा निकालेंगे। उन्होंने आगे बताया कि 12 से 14 अगस्त तक स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े स्मारकों और आंदोलन से जुड़े महत्वपूर्ण स्थानों पर स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। इसके साथ ही युद्ध वीरों और शहीदों के परिवारों को सम्मानित किया जाएगा। 13 से 15 अगस्त तक भाजपा कार्यकर्ता और आम नागरिक अपने घर, व्यावसायिक प्रतिष्ठान और सार्वजनिक स्थलों पर तिरंगा फहराएंगे। 15 अगस्त की शाम को राष्ट्रीय ध्वज को सम्मानपूर्वक उतारा जाएगा। उन्होंने सभी कार्यकताओं से आह्वान करते हुए कहा कि वे समाज के प्रत्येक वर्ग, विशेषकर युवा पीढ़ी, महिलाओं, व्यापारी वर्ग और आम नागरिकों को इस अभियान से जोड़ें। जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान के साथ 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस भी मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि आजादी से पूर्व पाकिस्तान से भारत लौट रहे हिंदुओं के साथ हुए अत्याचारों को नहीं भुलाया जा सकता। युवा पीढ़ी को इन घटनाओं से अवगत कराने के लिए कार्यकर्ता मौन जुलूस निकालेंगे। प्रदेश प्रवक्ता अमरप्रीत सिंह काले ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान देशभक्ति, राष्ट्रगौरव और नागरिक सहभागिता का प्रतीक है। भाजपा ने हमेशा देश की एकता और सांस्कृतिक विरासत को सशक्त करने का कार्य किया है। यह अभियान लोगों में राष्ट्रीय भावना को और अधिक सुदृढ़ करेगा। वहीं, जिलाध्यक्ष सुधांशु ओझा ने स्वागत संबोधन करते हुए कहा कि राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत अभियान के अंतर्गत मंडल स्तर पर भाजपा कार्यकर्ता तिरंगा यात्रा निकालेंगे। इसके लिए आगामी 7 से 8 अगस्त तक विभिन्न मंडलों में अभियान की सफलता को लेकर कार्यशाला आयोजित किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

चांडिल के पास दो मालगाड़ियों की टक्कर कई डिब्बे पटरी से उतरे

ईचागढ़ : आद्रा रेल मंडल के चांडिल जंक्शन स्टेशन के पास शनिवार तड़के एक बड़ा रेल हादसा हो गया। सुबह करीब 4 बजे टाटानगर से पुरुलिया की ओर जा रही आयरन लदी मालगाड़ी चांडिल स्टेशन पार करने के बाद पटरी से उतर गई। इसके डिब्बे विपरीत दिशा से आ रही दूसरी मालगाड़ी से टकरा गए जिससे दूसरी ट्रेन के भी कई डिब्बे पटरी से उतर गए। हादसा पितकी रेलवे गेट और स्टेशन के बीच हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि रेलवे ट्रैक को काफी नुकसान पहुंचा और परिचालन ठप हो गया। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे अधिकारी और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। हादसे का कारण अभी स्पष्ट नहीं है लेकिन प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि यदि उस समय कोई यात्री ट्रेन वहां से गुजर रही होती तो बड़ी जानमाल की हानि हो सकती थी। फिलहाल उक्त मार्ग पर रेल यातायात रोक दिया गया है।

जोड़सा सबर टोला में वन महोत्सव सह रक्षाबंधन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पटमदा : पटमदा प्रखंड अंतर्गत जोड़सा सबर टोला में शनिवार को टैगोर सोसायटी फॉर रूरल डेवलपमेंट के सहयोग से वन रक्षक समिति जोड़सा की ओर से वन महोत्सव सह रक्षाबंधन कार्यक्रम आयोजित की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रखंड प्रमुख बालिका सोरेन व विशिष्ट अतिथियों में पटमदा थाना प्रभारी करम पाल भगत, बुजुर्ग सुखदेव माझी, माधव सिंह व बंक सबर शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने द्वीप प्रज्वलित व भगवान बिरसा मुंडा, कवि गुरु रविन्द्र नाथ ठाकुर व दिशोम गुरु शिबू सोरेन के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए किया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे सबर बहनों ने पटमदा थाना प्रभारी समेत अन्य सभी भाइयों के कलाई में राखी बांधकर दीघार्यु होने की कामना की। वही भाइयों ने भी बहनों के हर सुख दु:ख में साथ में खड़ा रहने का आशीर्वाद दिए। इस दौरान सबर बहनों ने जंगल में मौजूद साल वृक्षो पर राखी बांधकर जंगल को बचाने का संकल्प लिया। इस दौरान सबर बच्चों के बीच वस्त्र वितरण भी किया गया। मौके पर टैगोर सोसाइटी के नंदलाल बक्सी, भीष्मनाथ महतो, पंचानन दास, रूपा बक्सी, कालीपद संतरा, आनंदमय महतो, तापस केडिया, अरुण कुमार, श्यामपद सिंह, नवीन सिंह, देवेंद्र कुंभकार, शशांक शेखर प्रमाणिक, उमा शंकर कुंभकार, अक्षय कुंभकार आदि उपस्थित थे।

एसबीयू में दीक्षारंभ 2025 के साथ शुरू हुआ शैक्षणिक सत्र

अनगड़ा : सरल बिरला विश्वविद्यालय में नए शैक्षणिक सत्र की शुरूआत 'दीक्षारंभ 2025' के साथ की गयी। इस अवसर पर विवि में नए विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कुलसचिव प्रो एस बी डांडिन ने उन्हें जिज्ञासा और ग्रुप डिस्कशन की उपयोगिता बताते हुए ज्ञानार्जन पर जोर दिया। विवि के माननीय कुलपति प्रो सी जगनाथन ने छात्र-छात्राओं को अनुशासन, कठिन परिश्रम और ईमानदारी की महत्ता बतायी। उन्होंने विद्यार्थियों से तकनीक और ज्ञान के समन्वय से पढ़ाई करने की अपील की। माननीय महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक ने विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण पर जोर देते हुए उनको वित्तीय अनुशासन का पालन करने की सलाह दी। उन्होंने सरला बिरला विश्वविद्यालय के साथ दुनिया के शीर्षस्थ विश्वविद्यालयों के बीच हुए एमओयू का भी जिक्र किया। इस अवसर पर डॉ आर एम झा, सुभोजित मंत्री, अजय कुमार, कोमल गुप्ता ने अपने-अपने विभागों के विषय में विस्तार से जानकारी दी। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट डीन हरिबाबू शुक्ला ने विवि के प्लेसमेंट पर प्रकाश डाला। कंट्रोलर ऑफ एग्जामिनेशन राहुल वत्स ने विवि के परीक्षा पैटर्न और सी.एस. महथा ने विवि के विभिन्न क्लब की जानकारी दी। श्री करन प्रताप ने डीएसडब्ल्यू और डॉ. पी. के. होता ने विवि के पुस्तकालय के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर एसबीयू के शिक्षक और शिक्षकेत्तर कर्मचारी भी उपस्थित रहे। एसबीयू के माननीय प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान और माननीय राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने विवि में दाखिल लेनेवाले नए विद्यार्थियों को शुभकामना संदेश प्रेषित किया है।

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर वीर बिरसा मुंडा को किया गया माल्यार्पण

अनगड़ा : विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर अनगड़ा अंचल के समीप स्थित बिरसा मुण्डा पार्क में स्थापित वीर शहीद बिरसा मुण्डा की आदमकद प्रतिमा पर प्रखण्ड कांग्रेस कमिटी द्वारा माल्यार्पण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रखण्ड के कई गणमान्य व्यक्ति, स्थानीय लोग और कांग्रेस कमिटी के सदस्य उपस्थित थे, जिन्होंने बिरसा मुण्डा को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके बलिदान को याद किया। प्रखण्ड कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष एतवा उरांव ने अपने संबोधन में कहा कि बिरसा मुण्डा न केवल आदिवासियों के सच्चे योद्धा थे, बल्कि वे एक ऐसे प्रेरणादायी व्यक्तित्व थे जिन्होंने अपने समय में सामाजिक और आर्थिक शोषण के खिलाफ आवाज उठाई। मुखिया सीमा देवी ने कही की उन्होंने आदिवासी समाज के उत्थान और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए अपने जीवन को समर्पित कर दिया। बिरसा मुण्डा ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ 'उलगुलान' (क्रांति) का आह्वान किया, जो आदिवासी समुदाय के लिए स्वतंत्रता और सम्मान की लड़ाई का प्रतीक बन गया। मौके पर मंडल अध्यक्ष पश्चिमी रेजाक अंसारी पूर्वी योगेन्दर बेदिया महिला अध्यक्ष सरिता देवी प्रखण्ड उपाध्यक्ष जोन तिग्गा विधायक प्रतिनिधि खेल कूद एव युवा कार्य विभाग आशिष मुण्डा ऊर्जा विभाग छोटेलाल महतो मत्स्य विभाग संजय नायक महिला बाल विकास सामाजिक सुरक्षा विभाग सुनिता देवी खनन विभाग सफिक आंसरी पूर्व विधायक प्रतिनिधि शिक्षा विभाग साकिर अंसारी अनगड़ा थाना र.कसचिन लकड़ा मुखिया प्रतिनिधि मधु मुण्डा वरिष्ट कांग्रेस नेता बिहारी मुण्डा, सुखराम उरांव, सोहन करमाली, अंकित मुण्डा, अलाम अंसारी, कृष्णा महली सहित पुसनाथ मुण्डा , सीमा कुमारी इत्यादी ।

समाज में शांति बनाए रखने में धर्म की महत्वपूर्ण भूमिका

कृष्णमोहन झा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने हिंदू धर्म को हमेशा मानव धर्म के रूप में परिभाषित किया है। जब वे अपने विद्वतापूर्ण व्याख्यानों में धर्म की सूक्ष्म विवेचना करते हैं तो उसमें कर्त्तव्य पालन का भाव प्रमुखता से उभर कर सामने आता है। संघ प्रमुख मोहन भागवत के अनुसार धर्म का अर्थ केवल ईश्वर की उपासना नहीं है बल्कि यह व्यक्ति के जीवन में अलग अलग रूपों में सामने आता है और उसके अनुरूप आचरण करने के लिए प्रेरित करता है। संघ प्रमुख ने नागपुर में धर्म जागरण न्यास के नवनिर्मित कार्यालय के उदघाटन समारोह में मुख्य अतिथि की आसंदी से दिए गए अपने सारगर्भित उद्बोधन में भी धर्म की अवधारणा को व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि मातृत्व धर्म, पितृ धर्म, मित्र धर्म, पुत्र धर्म, राजधर्म, प्रजा धर्म ये सभी धर्म हैं। जो इन्हें निष्ठा पूर्वक निभाता है वहीं सच्चा धार्मिक है। भागवत ने कहा कि धर्म का कार्य समाज के लिए होता है। धर्म ठीक रहने से शांति सद्भाव का वातावरण बना रहता है समाज में कलह और विषमता नहीं होती है। भागवत ने जोर देकर कहा कि धर्म का पालन करने वाला व्यक्ति जीवन में सही मार्ग पर चलता है। धर्म के मार्ग पर चलने से व्यक्ति को संकट के समय साहस और रास्ता खोजने का संकल्प मिलता है। भागवत ने कहा कि यह सुनिश्चित करना समाज का दायित्व है कि लोग धर्म के मार्ग से न कभी विचलित न हों। भागवत ने अपनी इस बात को विशेष रूप से रेखांकित किया कि यदि आपका धर्म के प्रति समर्पण दृढ़ है,आपकी तो आप कभी साहस नहीं खोएंगे। संघ प्रमुख ने कहा कि आज दुनिया को ऐसे धर्म की आवश्यकता है जो विविधताओं को अपनाने में समर्थ हो। उन्होंने इस संदर्भ में हिंदू धर्म का उल्लेख करते हुए कहा कि हिंदू धर्म हमें अपनापन और विविधताओं को अपनाना सिखाता है। हिंदू धर्म को सच्चे अर्थों में मानव धर्म है जिसे सबसे पहले हिन्दुओं ने समझा और अपने आचरण में उतारा। भागवत ने कहा कि धर्म का कार्य हमेशा पवित्र होता है। हम भारत के लोग जिसे धर्म कहते हैं वह सत्य है। आप उसको मानो या न मानो लेकिन उसका अस्तित्व है। इस संदर्भ में भागवत गुरुत्वाकर्षण का उदाहरण देते हुए कहा कि आप उसको मानो या न मानो वह काम करेगा।उसको मानकर आप चलेंगे तो आप अच्छी तरह चल सकेंगे लेकिन अगर आप यह तय कर लेंगे कि उसे नहीं मानना तो हो सकता है कि आपको ठोकर लग जाए।

मोहन भागवत ने कहा कि दुनिया के लोग कहते हैं कि हम अलग हैं। हमें एक होने के लिए एक सा होना पड़ेगा। हम कहते हैं कि हम विविध हैं लेकिन एक दूसरे से अलग नहीं हैं। सत्य यही है कि हम अलग दिख सकते हैं परन्तु एक हैं। संघ प्रमुख ने इस बात को रेखांकित किया कि हमारा धर्म अपनापन सिखाता है और विविधताओं को अपने अंदर समाहित करने की अनुमति देता है। संघ प्रमुख ने कहा कि सबका मार्ग अलग-अलग हो सकता है लेकिन गंतव्य एक ही है इसलिए अपने रास्ते पर तो चलें परन्तु दूसरे के रास्ते को जबरदस्ती बदलने का प्रयास नहीं करना चाहिए। संघ प्रमुख ने इतिहास के पन्नों में दर्ज उन प्रेरक घटनाओं का उल्लेख भी किया जब लोगों ने धर्म रक्षा के लिए हंसते-हंसते बलिदान दे दिया लेकिन अपने धर्म के मार्ग पर अडिग रहे। इसी संदर्भ में भागवत ने छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित फिल्म छांवा का विशेष रूप से उल्लेख किया।

(लेखक राजनैतिक विश्लेषक है)

सूडोकु नवताल- 7517

★★★★★ कठिनतम

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7516 का हल

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
7	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4

विश्व शेर दिवस : 'जंगल के राजा' का भविष्य और हमारा कर्तव्य

डॉ. निवेदिता शर्मा

विश्व शेर दिवस, जो प्रतिवर्ष 10 अगस्त को मनाया जाता है, केवल वन्यजीव प्रेमियों का एक उत्सव मात्र नहीं है, बल्कि यह एक गंभीर स्मरण है कि धरती पर जीवन की विविधता को बनाए रखने में प्रत्येक प्रजाति की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है। जब हम शेर की बात करते हैं, तो हमारे मानसपटल पर सबसे पहले उभरती है उसकी शान, उसका गौरव और उसकी अदम्य शक्ति, जिसे सदियों से 'जंगल का राजा' कहा जाता रहा है। किंतु इस उपाधि के पीछे का वास्तविक अर्थ तभी सार्थक हो सकता है, जब हम यह सुनिश्चित करें कि यह राजा अपने प्राकृतिक क्षेत्र में सुरक्षित और समृद्ध बना रहे। भारत के संदर्भ में यह चर्चा और भी प्रासंगिक हो जाती है, क्योंकि यहां एशियाई शेर की एकमात्र आबादी गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में पाई जाती है, जो पूरी दुनिया में अद्वितीय है।

एशियाई शेर एक समय पूरे एशिया, मध्य-पूर्व और भूमध्यसागरीय क्षेत्र में फैले हुए थे। किंतु मानव विस्तार, शिकार और आवासीय क्षरण ने इनके विस्तार को लगातार सीमित किया, और 20वीं सदी की शुरूआत तक यह प्रजाति केवल काठियावाड़ के गिर जंगलों तक सिमट गई। किंतु आज उनकी संख्या बढ़ने के समाचार उत्साहवर्धक कहे जा सकते हैं, वर्ष 2020 में 674 की तुलना में मई 2025 में इनकी अनुमानित संख्या 891 तक पहुंच गई है, जो लगभग 32 प्रतिशत की वृद्धि है। यह उपलब्धि निस्संदेह गुजरात सरकार, वन विभाग, 'प्रोजेक्ट लायन' और स्थानीय समुदायों के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है। लेकिन यह भी सच है कि किसी भी प्रजाति के संरक्षण की यात्रा में केवल संख्या वृद्धि ही सफलता का एकमात्र पैमाना नहीं हो सकता, उनके लिए स्थायी और सुरक्षित आवास, मानव-वन्यजीव संघर्ष का समाधान और जीन-पूल की विविधता का संरक्षण भी उतना ही आवश्यक है।

गुजरात में शेर केवल गिर राष्ट्रीय उद्यान तक सीमित नहीं हैं। पिछले कुछ वर्षों में उनका प्राकृतिक विस्तार बढ़कर सौराष्ट्र के 11 जिलों में लगभग 35,000 वर्ग किलोमीटर में फैल चुका है। यह क्षेत्रीय प्रसार दोहरा संदेश देता है कि गिर का पारंपरिक आवास अब शेरों की बढ़ती संख्या को समेटने में सक्षम नहीं रहा। वहीं, आज यह भी बता रहा है कि शेर प्राकृतिक रूप से नए इलाकों को अपनाने में सक्षम है, बशर्ते वहां पर्याप्त शिकार और पानी की उपलब्धता हो। इसी संदर्भ में बरदा वन्यजीव अभयारण्य का महत्व बढ़ जाता है, जो पोरबंदर और देवभूमि द्वारका जिलों में 192.31 वर्ग किलोमीटर में फैला है और अब एशियाई शेरों का दूसरा घर बनकर उभर रहा है। 2023 में शेरों के प्राकृतिक प्रवास के बाद यहां की संख्या 17 तक पहुंच गई, जिनमें 6 वयस्क और 11 शावक शामिल हैं। यह विकास केवल एक पारिस्थितिक घटना नहीं है, बल्कि यह प्रमाण है कि यदि हम उपयुक्त परिस्थितियां उपलब्ध कराएं, तो शेर स्वयं अपने अस्तित्व के लिए नए रास्ते तलाश सकते हैं।

वास्तव में बरदा का महत्व केवल शेर संरक्षण तक सीमित नहीं है। यह क्षेत्र एक समृद्ध जैव-विविधता हॉटस्पॉट है, जहां विभिन्न वनस्पतियां, पक्षी और अन्य वन्यजीव प्रजातियां पाई जाती हैं। इसका द्वारका-पोरबंदर-सोमनाथ पर्यटन सर्किट के निकट होना, इसे न केवल संरक्षण के दृष्टिकोण से बल्कि पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिहाज से भी एक अवसर बनाता है। लगभग 248 हेक्टेयर क्षेत्र में प्रस्तावित सफारी पार्क इसी दिशा में एक कदम है, जिससे न केवल वन्यजीव संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा बल्कि नियंत्रित और जिम्मेदार पर्यटन से स्थानीय समुदायों को भी आर्थिक लाभ होगा। राज्य सरकार द्वारा भूमि आवंटन और लगभग 180 करोड़ रुपये के संरक्षण कार्यों की शुरूआत इस बात का संकेत है कि नीति-निर्माण अब संरक्षण को विकास के साथ जोड़ने की कोशिश कर रहा है।

फिर भी, शेर संरक्षण की राह चुनौतियों से मुक्त नहीं है। सबसे बड़ी चुनौती है मानव-वन्यजीव संघर्ष। जैसे-जैसे शेरों का विस्तार कृषि क्षेत्रों और मानव बस्तियों के निकट हो रहा है, वैसे-वैसे मवेशियों के शिकार, लोगों की सुरक्षा और फसल क्षति जैसे मुद्दे बढ़ रहे हैं। इसका समाधान केवल क्षतिपूर्ति योजनाओं या वन विभाग के त्वरित हस्तक्षेप से संभव नहीं है; इसके लिए दीर्घकालिक सामुदायिक सहभागिता और सह-अस्तित्व की रणनीतियां जरूरी हैं। ग्रामीण समुदायों को यह महसूस कराना कि शेर केवल खतरा नहीं, बल्कि उनकी सांस्कृतिक और आर्थिक पहचान का हिस्सा हैं, एक कठिन लेकिन आवश्यक कार्य है। गुजरात में कई गांवों ने इसे अपनी परंपरा और गर्व के रूप में अपनाया है, लेकिन यह भावनात्मक जुड़ाव सभी क्षेत्रों में समान रूप से विकसित करना होगा। एक और गंभीर मुद्दा है जीन-पूल की सीमित विविधता। चूंकि पूरी एशियाई शेर आबादी एक ही भौगोलिक क्षेत्र में केंद्रित है, इसलिए किसी भी महामारी, प्राकृतिक आपदा या बड़े पैमाने पर आवासीय क्षति से पूरी प्रजाति को खतरा हो सकता है। विशेषज्ञ लंबे समय से सुझाव दे रहे हैं कि शेरों की एक दूसरी स्थायी आबादी किसी अन्य राज्य या भौगोलिक क्षेत्र में बसाई जाए, ताकि जोखिम का बंटवारा हो सके। इस दिशा में कई योजनाएं बनीं, लेकिन राजनीतिक, प्रशासनिक और स्थानीय प्रतिरोध के कारण वे अब तक मूर्त रूप नहीं ले पाईं। बरदा का विकास इस समस्या का आंशिक समाधान हो सकता है, लेकिन व्यापक दृष्टिकोण से हमें राज्य की सीमाओं से बाहर भी सोचने की आवश्यकता है।

जलवायु परिवर्तन भी शेर संरक्षण के भविष्य में एक अनदेखा लेकिन बड़ा कारक है। बदलते मौसम पैटर्न, पानी के स्रोतों पर दबाव और चरागाहों की गुणवत्ता में गिरावट दीर्घकाल में शेरों के शिकार आधार को प्रभावित कर सकती है। यदि हिरण, नीलगाय और अन्य शिकार प्रजातियों की संख्या घटेगी, तो शेरों के लिए पर्याप्त भोजन उपलब्ध कराना कठिन हो जाएगा। इसलिए, शेर संरक्षण को केवल 'शेर बचाओ' कार्यक्रम तक सीमित रखने के बजाय, इसे एक समग्र पारिस्थितिक प्रबंधन के रूप में देखना होगा, जिसमें शिकार प्रजातियों का संरक्षण, जल स्रोतों का पुनर्जीवन और घासभूमियों का पुनर्निर्माण शामिल हो।

यहां यह उल्लेखित है कि वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एशियाई शेर भारत के वन्यजीव कूटनीति का भी प्रतीक हैं। जैसे अफ्रीकी हाथी या पांडा चीन के वन्यजीव विरासत के प्रतीक हैं, वैसे ही एशियाई शेर भारत की वैश्विक छवि में गर्व का स्थान रखते हैं। भारत का यह दायित्व है कि वह इस प्रजाति के संरक्षण में न केवल घरेलू स्तर पर, बल्कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से भी योगदान दे। संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य (एसडीजीस) में भूमि पर जीवन और जैव विविधता संरक्षण के लक्ष्य स्पष्ट हैं, और शेर संरक्षण उनमें सीधा योगदान देता है। साथ ही आर्थिक दृष्टि से भी शेर पर्यटन गुजरात के लिए एक स्थायी आय स्रोत है। गिर राष्ट्रीय उद्यान हर वर्ष लाखों पर्यटकों को आकर्षित करता है, और इसके साथ जुड़े होटल, गाइड, परिवहन और स्थानीय हस्तशिल्प उद्योग हजारों लोगों को रोजगार देते हैं। यदि बरदा और अन्य क्षेत्रों का संरक्षण-आधारित विकास किया जाए, तो यह मॉडल पूरे देश में अपनाया जा सकता है।

कहना होगा कि आज जब हम विश्व शेर दिवस मना रहे हैं, तो यह अवसर है प्राकृतिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक परिदृश्य का जीवंत प्रतीक के लिए। शेर की दहाड़ में केवल शक्ति का स्वर नहीं, बल्कि प्रकृति की उस जटिल श्रृंखला की प्रतिध्वनि है, जिसका हिस्सा हम भी हैं। यदि यह दहाड़ कभी थम गई, तो इसका अर्थ होगा कि हमने अपने पारिस्थितिक संतुलन का एक महत्वपूर्ण स्तंभ खो दिया है। इसलिए, शेर संरक्षण को केवल वन विभाग या सरकारी योजनाओं की जिम्मेदारी न मानकर, इसे लोक के स्वभाव का अंग बनाना बनाना होगा। विद्यालयों में बच्चों को शेर और उनके आवास के बारे में शिक्षित करना, स्थानीय समुदायों को संरक्षण के लाभ समझाना, और शहरी समाज को भी वन्यजीव-हितैषी जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना उतना ही जरूरी है जितना कि वैज्ञानिक शोध या वित्तीय निवेश।

अंततः यही कहा जाए तो उचित होगा कि एशियाई शेर का भविष्य हमारे सामूहिक निर्णयों पर निर्भर करेगा। क्या हम उसे केवल एक स्मृति, एक चित्र या एक प्रतीक में सिमटने देंगे या यह सुनिश्चित करेंगे कि आने वाली पीढ़ियां भी उसकी दहाड़ को सुन सकें? विश्व शेर दिवस का वास्तविक संदेश यही है कि आओ; हम खुद से यह संकल्प लें कि 'जंगल का राजा' हमेशा अपने साम्राज्य में सुरक्षित और स्वतंत्र रहेगा और उसके साथ-साथ हमारी धरती की जैव-विविधता भी हम सभी के बीच सदैव अपने विस्तार को आगे बढ़ाती रहेगी ।

(लेखिका, जैव विविधता की अध्येता एवं सामाजिक कार्यकर्ता हैं)

रक्षा उत्पादन में भारत की आत्मनिर्भरता का नया अध्याय शुरू

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

इस वर्ष भारत का वार्षिक रक्षा उत्पादन 1,50,590 करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुँच गया है। इस तरह भारत के रक्षा औद्योगिक इतिहास में नया अध्याय लिख गया है। यह केवल एक रिकॉर्ड तोड़ संख्या नहीं, बल्कि उस परिवर्तन का प्रतीक है जिसकी नींव पिछले एक दशक में रखी गई और जिसे अब ठोस परिणाम के रूप में देखा जा सकता है। वास्तव में यह राष्ट्रीय सुरक्षा, औद्योगिक आत्मनिर्भरता और रणनीतिक सामर्थ्य के क्षेत्र में भारत के दीर्घकालिक प्रयासों की परिणति है। पिछले वर्ष के 1.27 लाख करोड़ रुपये के उत्पादन की तुलना में यह 18 प्रतिशत की सशक्त वृद्धि है, जबकि 2019-20 के 79,071 करोड़ रुपये की तुलना में लगभग 90 प्रतिशत की छलांग है, जो यह दर्शाती है कि भारत ने रक्षा निर्माण में आत्मनिर्भरता की दिशा में कितनी तेजी से प्रगति की। यह तथ?य है कि 2019-20 के 79,071 करोड़ रुपये की तुलना में 90 प्रतिशत की विस्मयकारी छलांग है। इन आँकड़ों के पीछे पिछले दशक में अपनाई गई नीतियों, सुधारों और निवेशों की पूरी श्रृंखला है, जिसने भारत को रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से अग्रसर किया है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर रक्षा उत्पादन विभाग, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (डिफेन्स पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग्स), अन्य सार्वजनिक निमार्ताओं और निजी उद्योग के सभी हितधारकों की भूमिका की सराहना की है। उन्होंने इसे भारत के मजबूत होते रक्षा औद्योगिक आधार का स्पष्ट संकेत बताया है। वस्तुतः यह कथन केवल औपचारिक प्रशंसा नहीं है, बल्कि एक नीतिगत घोषणा भी है कि भारत का रक्षा उद्योग अब एक ऐसे स्तर पर पहुँच चुका है जहाँ वह न केवल घरेलू आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम है, बल्कि निर्यात में भी वैश्विक प्रतिस्पर्धा कर सकता है।

अब जरा उत्पादन में सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों की भूमिकाओं पर नजर डालें तो तस्वीर और स्पष्ट होती है। डिफेन्स पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग्स (डीपीएसयू) और अन्य सार्वजनिक उपक्रम कुल उत्पादन का लगभग 77 प्रतिशत हिस्सा रखते हैं, जबकि निजी क्षेत्र का योगदान 23 प्रतिशत तक पहुँच चुका है। यह आँकड़ा एफवाई 2023-24 में 21 प्रतिशत था, जो दर्शाता है कि निजी उद्योग की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। यह वृद्धि केवल प्रतिशत में नहीं, बल्कि वास्तविक उत्पादन में भी दिखती है; एफवाई 2024-25 में निजी क्षेत्र के उत्पादन में 28 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि सार्वजनिक क्षेत्र में यह 16 प्रतिशत रही। इसका अर्थ है कि निजी उद्योग न केवल रक्षा विनिर्माण में अधिक निवेश कर रहा है, बल्कि उत्पादन क्षमता और गुणवत्ता में भी तेजी से प्रगति कर रहा है।

यदि हम थोड़ा पीछे जाएँ तो स्थिति इतनी आशाजनक नहीं थी। 2014-15 में भारत का कुल रक्षा उत्पादन लगभग 77,000 करोड़ रुपये के आसपास था। उस समय देश की रक्षा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात से पूरा होता था। रूस, फ्रांस, अमेरिका, और इजराइल जैसे देशों से हथियार, मिसाइल, विमान और नौसैनिक उपकरण बड़ी मात्रा में खरीदे जाते थे। घरेलू निर्माण मुख्यतः कुछ सीमित हथियार प्रणालियों और उपकरणों तक ही सीमित था और उनमें भी उच्च तकनीकी घटक विदेशों से आयात किए जाते थे। किंतु हम देखते हैं कि वर्ष 2016 के बाद से इस क्षेत्र में परिदृश्य बदलना शुरू हुआ। 'मेक इन इण्डिया' पहल के तहत रक्षा क्षेत्र को प्राथमिकता दी गई और निजी उद्योग को इसमें प्रवेश देने के लिए नीतिगत दरवाजे खोले गए। 2017-18 में कुल उत्पादन 84,000 करोड़ रुपये के आसपास पहुँच गया, लेकिन सबसे बड़ा मोड़ 2020 में आया, जब 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' के अंतर्गत रक्षा क्षेत्र को आयात प्रतिस्थापन के स्पष्ट लक्ष्य दिए गए। रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया (डीएपी-2020) और रक्षा उत्पादन एवं निर्यात संवर्धन नीति (डीपीईपीपी-2020) ने उद्योग को दिशा और स्थिरता दी।

इन नीतियों के तहत 'नकारात्मक आयात सूची' जारी की गई, जिसमें दर्ज सैकड़ों उपकरणों और हथियारों को भविष्य में केवल भारत में ही निर्मित करने का प्रावधान किया गया। यह कदम न केवल विदेशी निर्भरता कम करने की दिशा में था, बल्कि घरेलू उद्योग को स्थायी बाजार सुनिश्चित करने वाला भी साबित हुआ। साथ ही, श्रजन पोर्टल के माध्यम से विदेशी उपकरणों के स्वदेशी विकल्प विकसित करने के प्रयास तेज हुए।

आज जब हम 2024-25 के आँकड़ों को देखते हैं तो स्पष्ट होता है कि ये नीतिगत कदम परिणाम दे रहे हैं। रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम और अन्य सार्वजनिक निमार्ता कुल उत्पादन का लगभग 77 प्रतिशत हिस्सा रखते हैं, जबकि निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी 23 प्रतिशत तक पहुँच गई है, जो 2023-24 में 21 प्रतिशत थी। यह परिवर्तन मामूली नहीं है, क्योंकि निजी क्षेत्र की उत्पादन वृद्धि 28 प्रतिशत रही है, जबकि सार्वजनिक क्षेत्र में यह 16 प्रतिशत रही।

आज देखने में आ रहा है कि सार्वजनिक क्षेत्र में एचएएल, बीईएल, बीडीएल, एमडीएल, जीआरएसई जैसी कंपनियाँ अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। हिन्दुस्तान ऐरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने तो बहुत कम समय में बड़ा काम करके दिखा दिया है, उसने तेजस हल्के लड़ाकू विमान, ध्रुव हेलिकॉप्टर और रुद्र अटैक हेलिकॉप्टर का निर्माण किया है। इसी तरह से भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) ने राडार, संचार उपकरण और आकाश वायु रक्षा प्रणाली में अपनी क्षमता साबित की है। निजी क्षेत्र में टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स, लार्सन एंड टुब्रो, महिंद्रा डिफेंस और अदानी डिफेंस जैसी कंपनियाँ अब मिसाइल लांचर, आर्मर्ड व्हीकल, नौसैनिक जहाज और एयरोस्पेस कंपोनेंट्स का निर्माण कर रही हैं।

यही कारण है कि आज रक्षा निर्यात के मोर्चे पर भी भारत ने उल्लेखनीय प्रगति की है। 2014-15 में यह आँकड़ा मुश्किल से 1,500 करोड़ रुपये के आसपास था। 2016-17 में यह 1,522 करोड़ रुपये से बढ़कर 4,682 करोड़ रुपये हुआ। 2018-19 में यह 10,745 करोड़ रुपये और 2022-23 में 15,920 करोड़ रुपये तक पहुँचा। 2023-24 में यह 21,083 करोड़ रुपये और अब 2024-25 में 23,622 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर है। यह वृद्धि न केवल आयात पर निर्भरता घटाती है, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत को एक रक्षा उपकरण आपूर्तिकर्ता के रूप में स्थापित करती है।

एक एक उत्साह से भर देनेवाला आंकड़ा है; भारत अब 90 से अधिक देशों को रक्षा उत्पाद निर्यात कर रहा है। इनमें एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और यूरोप के कई देश शामिल हैं। ब्रह्मोस मिसाइल का फिलीपींस को निर्यात, रक्षा कूटनीति का एक सफल उदाहरण है। आने वाले वर्षों में सरकार का लक्ष्य 2029 तक रक्षा निर्यात को 50,000 करोड़ रुपये तक पहुँचाना है। इसके लिए हथियार प्रदर्शनियों, द्विपक्षीय रक्षा समझौतों, सस्ते वित्तपोषण और रक्षा अटैशे नेटवर्क का विस्तार किया जा रहा है। हालाँकि, इन सफलताओं के बावजूद चुनौतियाँ कम नहीं हैं। उन्नत इंजन तकनीक, जेट इंजन, अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम और कुछ विशेष सामग्री के लिए अभी भी विदेशी आपूर्ति श्रृंखला पर निर्भरता बनी हुई है। अनुसंधान एवं विकास में निजी क्षेत्र का योगदान अपेक्षाकृत कम है, जबकि दीर्घकालिक प्रतिस्पर्धा के लिए यही वह क्षेत्र है जो निर्णायक साबित होता है।

इसके अलावा, परियोजनाओं के समय पर पूरा होने, लागत नियंत्रण और अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों पर खरा उतरने की चुनौतियाँ भी हैं।किंतु यदि मौजूदा नीतिगत गति और औद्योगिक निवेश की प्रवृत्ति बनी रही, तो 2029 तक भारत का वार्षिक रक्षा उत्पादन 3 लाख करोड़ रुपये और रक्षा निर्यात 50,000 करोड़ रुपये के पार पहुँच सकता है। उस स्थिति में भारत न केवल आत्मनिर्भर होगा, बल्कि मित्र देशों के लिए भी भरोसेमंद रक्षा आपूर्ति स्रोत बनेगा।

येन बद्धो बलि राजा, दानवेन्द्रो महाबलरू

हृदयनारायण दीक्षित

भारत उत्सवधर्मा राष्ट्र है। यहां प्रतिदिन उत्सव है। प्रतिदिन उल्लास और हर समय आनंद की वर्षा। अभी बहुत समय नहीं हुआ, नाग पूजा का पर्व नागपंचमी बड़े उल्लास के साथ मनाया गया। हनुमान जयंती के अवसर पर श्रद्धालु हिंदू घर से निकल पड़ते हैं। सामाजिक आयोजन में हिस्सा लेते हैं। सावन में शिवार्चन और रुद्राभिषेक चलते हैं। इसके पहले रामनवमी के उत्सवों की श्रृंखला लंबे समय तक चली है।

भारत के सभी उत्सवों में कोई न कोई संदेश अवश्य रहता है। पूर्वजों ने पर्व और उत्सवों की रचना पूरे मनोयोग से की है। लोकमंगल को पर्व का ध्येय बनाना था। पिछले महीने वायुमंडल तप रहा था। अब रिमझिम वर्षा हो रही है। घर से निकले वर्षा होने लगी। सब कुछ भीग गया। तन भीगा, मन भीगा। वन उपवन भी वर्षा के साथ झूम रहे हैं। भारत प्राचीन देश है। विशाल भूखण्ड है। क्षेत्रीय विविधताएं हैं। अनेक बोलियां हैं। अनेक भाषाएं हैं। इसलिए उत्सव और पर्व मनाने का ध्येय एक होने के बावजूद आयोजनों में विविधता है। आनंद के इस अतिरेक को लगातार बांटने और राष्ट्रजीवन की पंक्ति में गरीब वर्ग को भी सामूहिकता के रस रंग में झूमते हुए नृत्य करने का अवसर मिलना चाहिए।

हमारा प्राचीन साहित्य वर्षा, सावन और उत्सवों के उल्लेख से भरा पूरा है। सिनेमा में भी सावन और वर्षा के गीतों की बहार है। वर्षा में आनंद मगन होने के लिए किसी खास तैयारी की आवश्यकता नहीं होती। यहां कोई आरक्षण नहीं है। वर्षा गरीब अमीर में भेद नहीं करती है। सावन किसान के लिए भी नृत्य मगन होने का अवसर है। शहर से दूर ग्रामीण अंचल में भी सावन आता है और पूर्वजों द्वारा गढ़े गए उत्सवों के बीच हम सबको पुलकित करता है। ऐसे ही तमाम उत्सवों में से एक उत्सव है रक्षाबंधन।

भारत रत्न पी. वी. काणे ने 'धर्मशास्त्र का इतिहास' खंड चार (पृष्ठ 53) में लिखा है, 'श्रावण की पूर्णिमा को अपराह्न में एक कृत्य होता है, जिसे रक्षाबंधन कहते हैं। श्रावण की पूर्णिमा को सूर्योदय के पूर्व उठकर देवों, ऋषियों और पितरों का तर्पण करने के उपरांत अक्षत, तिल, धागों से युक्त रक्षा बनाकर धारण करना चाहिए।'

रक्षाबंधन प्राचीन पर्व है। क्षेत्रीयता के प्रभाव में पर्व के मनाए जाने का तरीके अलग-अलग हैं। उत्तर भारत के बड़े हिस्सों में बहनें अपने भाइयों को रक्षासूत्र बांधती हैं। मिठाई खिलाती हैं। भाई-बहन के मध्य प्राकृतिक आत्मीयता होती है। भाई इस अवसर पर बहन को हमेशा रक्षक बने रहने का आश्वासन देता है। पश्चिमी भारत विशेषतया कोंकण और मालाबार में सभी वर्गों के लोग समुद्र तट पर जाते हैं। समुद्र को पुष्प और नारियल अर्पित करते हैं। पी. वी. काणे ने बताया है कि, 'सावन की पूर्णिमा को समुद्र में तूफान कम आते हैं, इसीलिए समुद्र देवता को नारियल चढ़ाया जाता है, कि वे व्यापारी जहाज को सुविधा दे सकें।'

साधारणतया उत्सवों में राजा नहीं जाते थे, लेकिन रक्षाबंधन के दिन राजा एक भवन में बैठता था और पुरोहित मंत्र पढ़ते थे। पी. वी. काणे ने बताया है, 'राजा के लिए महल में एक वगार्कार भूमि स्थल पर जल पात्र रखा जाना चाहिए। उसे मंत्रियों के साथ आसन ग्रहण करना चाहिए। लगातार गीतों और आशीर्वचनों का तांता लगा रहना चाहिए। विद्वानों और ज्ञानियों को सम्मान देने के बाद राजपुरोहित को बुलाना चाहिए और यह मंत्र पढ़ते हुए राजा के हाथों में रक्षा सूत्र बांधना चाहिए-येन बद्धो बलि राजा, दानवेन्द्रो महाबलरू। तेन त्वाम्‌ प्रतिबद्धनामि रक्षे माचल माचल-अर्थात मैं आपको यह रक्षा सूत्र बांधता हूं, जिसमें दानवों के राजा बलि बांधे गए थे। हे रक्षासूत्र हमारी रक्षा के लिए यहां से न हटो।' रक्षासूत्र के लिए यह मंत्र सर्वत्र पढ़ा जाता है।

पूर्वजों ने समाज के चिंतन में उत्सवों का रस घोल दिया है। रक्षासूत्र केवल राजा के लिए ही महत्वपूर्ण नहीं था। साधारण जन भी अपने किसी परिजन से या गांव के किसी वरिष्ठ जन से रक्षासूत्र बंधवाते थे। भविष्योत्तर पुराण में लिखा है कि, 'इंद्राणी ने इंद्र के दाहिने हाथ में रक्षासूत्र बांधा था। इससे इंद्र की शक्ति बढ़ गई और उन्होंने असुरों को पराजित कर दिया। रक्षासूत्र आदर्श परंपरा है। रक्षा प्रत्येक जीव की आकांक्षा है। कुछ जीवधारी रक्षा के लिए ही समूह बनाकर चलते हैं। कुछ जीवधारी अपने ऊपर हमला करने वाले से अकेले ही लड़ते हैं। मनुष्य सामाजिक प्राणी है। नियम तोड़ने वालों के विरुद्ध और नियम मानने की पक्षधरता वाले समाज प्रगतिशील होते हैं। आत्मरक्षा मनुष्य सहित सभी प्राणियों की जिजीविषा है। राष्ट्र रक्षा के लिए अर्पित रहना उत्कृष्ट जीवन मूल्य है। भारत में यह परंपरा और राष्ट्र रक्षा का विचार ऋग्वेद के रचनाकाल के समय ही प्रकट हो गया था। इसी विचार परंपरा में रक्षासूत्र की बात चली होगी। रक्षासूत्र कोई कवच नहीं है। यह साधारण धागा नहीं है। हमारे देश में सभी मांगलिक अवसरों पर रक्षासूत्र की परंपरा है। मंदिरों में पुरोहित रक्षासूत्र बांधते हैं। विवाह आदि अवसरों पर भी रक्षासूत्र का चलन है। प्रगाढ़ भावना से बांधे गए रक्षासूत्र हमारे अंतःकरण में सकारात्मक रासायनिक परिवर्तन लाते हैं।

राष्ट्र की रक्षा राजा का प्रथम कर्तव्य है। पुरोहित रक्षासूत्र बांधकर उसे प्राथमिक कर्तव्य का स्मरण कराता था। यहां पुरोहित का अर्थ सामान्य प्रवचनकर्ता या कथावाचक नहीं है। पुरोहित का अर्थ है 'पुर का हितैषी'। पुरोहितों की परंपरा के विस्तार से राष्ट्रजीवन को लाभ हुआ। फिर यही परंपरा बहनों द्वारा भाई को रक्षासूत्र बांधने के रूप में भी व्यापक हो गई। रक्षा सूत्र का मूल आधार प्रेम और कर्तव्य है। बहनों द्वारा भाइयों को रक्षासूत्र बांधना ठीक है। शिष्य द्वारा आचार्य को और छात्र द्वारा अध्यापक को रक्षासूत्र बांधने का क्रम चलना चाहिए।

दैनिक पंचांग

10 अगस्त 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति	
सूर्य	कर्क में
चंद्र	कुंभ में
मंगल	कन्या में
बुध	कर्क में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	मिथुन में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
सिंह	06.08 बजे से
कन्या	08.19 बजे से
तुला	10.30 बजे से
वृश्चिक	12.45 ब.से
धन	15.01 बजे से
मकर	17.06 बजे से
कुंभ	18.52 बजे से
मीन	20.25 बजे से
मेष	21.56 बजे से
वृष	23.36 बजे से
मिथुन	01.34 बजे से
कर्क	03.47 बजे से

रविवार 2025 वर्ष का 222 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण)
पक्ष कृष्ण
तिथि प्रतिपदा 12.11 बजे को समाप्त।
नक्षत्र धनिष्ठा 13.53 बजे को समाप्त।
योग शोभन 00.02 बजे रात्र को समाप्त।
करण कौलव 12.11 बजे तदनन्तर तैतिल 23.25 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 16.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर $15^\circ 33'$
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872432
जूलियन दिन 2460897.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446 **महीना** सफर
तारीख 15 **विशेष** गायत्री जपम।

दिन का चौघड़िया				
उद्वेग	05.56	से	07.23	बजे तक
चर	07.23	से	08.51	बजे तक
लाभ	08.51	से	10.18	बजे तक
अमृत	10.18	से	11.46	बजे तक
काल	11.46	से	01.14	बजे तक
शुभ	01.14	से	02.41	बजे तक
रोग	02.41	से	04.09	बजे तक
उद्वेग	04.09	से	05.36	बजे तक

रात का चौघड़िया				
शुभ	05.36	से	07.09	बजे तक
अमृत	07.09	से	08.41	बजे तक
चर	08.41	से	10.14	बजे तक
रोग	10.14	से	11.46	बजे तक
काल	11.46	से	01.19	बजे तक
लाभ	01.19	से	02.51	बजे तक
उद्वेग	02.51	से	04.24	बजे तक
शुभ	04.24	से	05.53	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

मंदिर की दानपेटी तोड़कर चोरों ने की चोरी

साहिबगंज: मिर्जाचौकी थाना रोड स्थित राजेश्वर शिव मंदिर में बीती रात अज्ञात चोरों ने मंदिर की दानपेटी का ताला तोड़कर उसमें जमा दान के पैसे की चोरी कर ली है। मंदिर समिति की ओर से बताया गया कि उक्त दानपेटी में पूरे सावन माह में भक्तों की ओर से दिए गए दान की राशि थी जो हजारों में होगी। मंदिर समिति की ओर से मिजाचौकी थाना को चोरी की घटना की सूचना दिया गया। मंदिर के सामने मुख्य सड़क पर सीसीटीवी कैमरा लगा हुआ है। पुलिस सीसीटीवी कैमरा के फुटेज खंगाल कर घटना के उद्वेदन का प्रयास कर रही है।

सांप काटने से महिला हुई मूर्छित, सदर अस्पताल में भर्ती

साहिबगंज: जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के अंबाडीहा निवासी महिला मनोरमा देवी उम्र 60 वर्ष पति गुदड़ मंडल शनिवार को शोभनपुर डेरा के बहियार से खाना पकाने के लिए लकड़ी लाने के लिए गई हुई थी कि तभी बाएं पैर में जहरीले सांप ने काट लिया जिसके बाद महिला मूर्छित हो गई। उधर महिला के पैर में सांप काट लेने की जानकारी जैसे ही उनके परिजनों को मिली वे उसे फौरन बेहतर इलाज हेतु सदर अस्पताल लेकर आए। जहां सदर अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. ऋतुराज व डॉ. मुकेश कुमार के देखरेख में उसका इलाज किया गया। उधर सदर अस्पताल में इलाज के बाद महिला खतरे से बाहर है और उसकी स्थिति सामान्य बनी हुई है।

सावन के पूर्णिमा पर निकाली गई जलयात्रा

बरही : सावन के पवित्र माह के पूर्णीमा के शुभ अवसर पर बरही प्रखंड क्षेत्र के दुलमाहा,मलकोको पंचायत के सीमावर्ती क्षेत्र करमा बुंडू के ठाकुर टोला शिवमन्दिर परिसर से भव्य जलयात्रा निकाली गई।यह जलयात्रा शिव मंदिर परिसर से सभी श्रद्धालु भगवा वस्त्र पहन गाजे बाजे के साथ जय भोलेनाथ,जय शिवशंकर की मधूर नारे के साथ निकली जो बराकर डैम पहूंची जहां पूजा अर्चना के बाद जलभर पुनः शिवमन्दिर में भोलेनाथ के शिवलिंग पर जलाभिषेक किया।इस जलयात्रा में सैकड़ों महिला पुरुष बच्चे शामिल हुए। जलयात्रा समाप्ति के बाद मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद सभी बहनें घर जाकर अपने अपने भाईयों को कलाई में राखी बांधी तथा उनके लम्बी उम्र की कामना की वहीं भाईयों ने अपनी बहनों को हर मुसीबत में मदद करने का बचन दिया। मौके पर राजदेव ठाकुर, गणेश, बंशी, तुलसी, प्रमोद, संदीप, उपेंद्र, सुरेंद्र, खेदन, सोना, संतोष, मुंशी ठाकुर, जागेश्वर पंडित, सुरेंद्र, सुनील, संतोष पंडित, परमेश्वर यादव, सुखदेव , सिकेंद्र, विकाश यादव, बेबी देवी, अनीशा, सरिता, संगीता, कुसुम, अनिता सहित सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए।

शिबू सोरेन का निधन से एक युग का अंत : अशोक

बोकारो : चंदनकियारी प्रखंड के पर्वतपुर स्थित ग्रामीण हटिया परिसर में पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन का शोक सभा का आयोजन किया गया। मौके पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड बीस सूत्री सदस्य सह हटिया कमिटी के अध्यक्ष अशोक दशौंधी ने किया। कहा कि स्व शिबू सोरेन के निधन से एक युग का समापन हो गया। उनके निधन से जो राजनैतिक क्षति हुई है उसका भरपाई संभव नहीं है । कहा कि उनका जीवन संघर्ष से भरा हुआ था।

साहिबगंज में गंगा का बढ़ता जलस्तर, मोहल्लों में घुसा बाढ़ का पानी, राहत के इंतजार में लोग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : साहिबगंज और आसपास के क्षेत्रों में गंगा के जलस्तर में तेजी से वृद्धि होने के कारण बाढ़ का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। बीते 24 घंटों में जलस्तर में लगभग एक मीटर से अधिक की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है, जिससे शहर के कई निचले इलाकों में बाढ़ का पानी घुस चुका है। भरतिया कॉलोनी, हबीबपुर, चानन, कबूतर खोपी, रसूलपुर दहला के निचले इलाके, जैसे मोहल्लों में पानी भर जाने से आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। प्रभावित क्षेत्रों के लोग अब सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन करने को मजबूर हो रहे हैं। जिला परिषद उपाध्यक्ष सुनील यादव ने बाढ़ प्रभावित इलाकों का जायजा लिया और प्रभावित लोगों से बातचीत की।

नाव और राहत सामग्री तक की सुविधा नहीं

स्थानीय लोगों के अनुसार न तो प्रशासन की ओर से अब तक कोई नाव उपलब्ध करायी गयी है और न ही राहत सामग्री की व्यवस्था की गयी है। कई इलाकों में बाढ़ का पानी घरों में घुस चुका है। इससे खाना पकाने तक की सुविधा नहीं है। इसके अलावा मवेशियों के लिए चारे की भारी किल्लत है। बाढ़ प्रभावित भोला चौधरी, सखीचंद पासवान और मोहन रिखयासन जैसे ग्रामीणों ने बताया कि प्रशासनिक सहायता के अभाव में लोग काफी परेशान हैं। कई गांवों में सड़क मार्ग पूरी तरह बाधित है, जिससे बाहर आना-जाना बेहद कठिन हो गया है। साहिबगंज प्रखंड के विभिन्न बाढ़ प्रभावित गांवों का जिला परिषद उपाध्यक्ष सुनील यादव ने दौरा किया। उन्होंने सबसे पहले किशन प्रसाद गांव पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। इसके बाद उन्होंने मुसहरी टोला, लाल बथानी, मखमलपुर पंचायत सहित कई क्षेत्रों का दौरा किया। ग्रामीणों ने बताया कि किशन प्रसाद से लाल बथानी को जोड़ने वाली एकमात्र सड़क बाढ़ के पानी में डूब चुकी है। ग्रामीणों ने पुल निर्माण की मांग की, ताकि भविष्य में आवागमन की समस्या से निजात मिल सके।

बाढ़ प्रभावितों तक जल्द पहुंचे राहत सामग्री-जिला

मुसहरी गांव के लोगों ने नाव की अनुपलब्धता और प्रशासनिक सहायता के अभाव की शिकायत की। जिला परिषद उपाध्यक्ष ने आश्वासन दिया कि वे इन सभी समस्याओं को जिला प्रशासन तक पहुंचाएंगे और अपनी ओर से भी हर संभव सहयोग देंगे। उन्होंने कहा कि कई गांवों में लोग चूल्हा तक नहीं जला पा रहे हैं और रहने की भी गंभीर समस्या है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि राहत सामग्री जल्द से जल्द बाढ़ प्रभावितों तक पहुंचाई जाए।

गंगा नदी में नहाने के दौरान नौ वर्षीय किशोर की डूबने से मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : मुफ्फसिल थाना क्षेत्र अंतर्गत गंगा नदी में डूबने से एक किशोर का मौत हो गया। मिली जानकारी के अनुसार रामपुर दियारा (शोभनपुर) पंचायत हर प्रसाद के निवासी मो. रफीक का 9 वर्ष पुत्र मो. मुरसलीन सुबह 10:30 के करीब नहाने के लिए डीबीएल पुल के पास गंगा नदी के बाढ़ के पानी में गया था, वहीं नहाने के दौरान वह गंगा नदी के गहरे पानी में चले जाने से डूब गया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही सदर सी.ओ. बासुकीनाथ टुडू व थाना प्रभारी अनीश कुमार पांडे दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंच कर नदी से शव को निकलवा कर अपने कब्जे में ले लिया। जहां मृतक किशोर की मां नुसरत बीवी ने मुफ्फसिल थाना में लिखित आवेदन देते हुए कहा की मेरे बेटा का मौत गहरे पानी में डूबने से हुआ है। गंगा नदी से निकालने में ज्यादा वक्त लग जाने के कारण मृत्यु हो गया। मुझे किसी भी व्यक्ति पर किसी भी प्रकार का शक संदेह नहीं है और ना ही मैं अपने बेटे का पोस्टमार्टम करवाना चाहती हूं। पुलिस ने कागजी प्रक्रिया करने के उपरांत शव को परिजनों को सौंप दिया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

राधानगर में अपहृत दो नाबालिग किशोरियों का मेडिकल जांच, पुलिस ने की बरामदगी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : राधानगर थाना क्षेत्र की रहने वाली दो अलग अलग परिवारों की नाबालिग किशोरियों का बीते दिनों शादी की नीयत से अपहरण कर लिया गया था। जहां इस मामले को लेकर दोनों ही नाबालिग किशोरियों के परिजनों ने अपहरण समेत दुष्कर्म करने का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया था। उधर पुलिस ने दोनों ही नाबालिग किशोरियों के परिजनों के द्वारा दिए गए लिखित आवेदन पत्र के आधार पर केस दर्ज करते हुए दोनों नाबालिग किशोरियों को राजमहल व पश्चिम बंगाल से बरामद करने में सफलता प्राप्त की थी। जहां बरामद दोनों नाबालिग किशोरियों का शनिवार को सदर अस्पताल में मेडिकल जांच करवाने के लिए पुलिस अपने साथ लेकर आई हुई थी। उधर सदर अस्पताल में कागजी प्रकिया पूरी करने के बाद ड्यूटी पर तैनात महिला चिकित्सक ने फौरन बारी बारी से दोनों नाबालिग किशोरियों का मेडिकल जांच किया। जहां मामले को लेकर एसआई गंगा प्रसाद यादव ने बताया कि थाना कांड संख्या 296/25 दिनांक 5 अगस्त 2025 एवं 309/25 दिनांक 7 अगस्त 2025 के तहत केस दर्ज होने के बाद दोनों नाबालिग किशोरियों का मेडिकल जांच करवाने के बाद पुलिस आगे की कार्यवाही करने में जुटी हुई है।

हर्षोल्लास से मनाया गया रक्षाबंधन का पर्व बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : रक्षाबंधन भाई बहन के अटूट प्रेम का प्रतीक है। रक्षाबंधन को लेकर मन में अक्सर यही सवाल सबसे पहले आता है कि रक्षाबंधन का पर्व कैसे शुरू हुआ था? आखिर रक्षाबंधन क्यों मनाया जाता है? इसके पीछे पौराणिक कथा है जिसका जिक्र धार्मिक ग्रंथो में भी किया गया है। रक्षाबंधन का त्यौहार द्वापर युग से चला आ रहा है। विष्णु भगवान के आठवें अवतार कृष्ण और सुभद्रा द्वारा इस पर्व की शुरूआत करने की कथा सामने आती है। रक्षाबंधन का त्यौहार श्रावण मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। बहन भाई के प्यार का प्रतीक रक्षाबंधन के दिन बहनें अपने भाई की दाईं कलाई पर रक्षा सूत्र यानी राखी बांधकर उनकी लंबी उम्र और रक्षा की कामना करती हैं। भाई

भी अपनी बहनों को उपहार स्वरूप कोई कीमती वस्तु देते हैं और सदैव उनकी रक्षा का संकल्प लेते हैं। वही साहिबगंज जिला अंतर्गत शहर सहित, बाकुडी, राजमहल, तालझारी, बरहरवा, उधवा, मंडरो, बरहेट, सहित अन्य जगहों पर शनिवार सुबह से ही बहनों ने राखी और पूजन सामग्री की थालियां सजाना शुरू कर दिया। थालियों में रोली, कुमकुम, अक्षत, दीपक और आकर्षक राखियां रखी गईं। निर्धारित मुहूर्त में बहनों ने भाइयों को तिलक लगाया। उनके दाहिने हाथ पर राखी बांधी और आरती उतारी। मिठाई खिलाकर उन्होंने भाइयों की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान भाइयों ने बदले में बहनों को रक्षा का संकल्प दिया। साथ ही दक्षिणा और मनपसंद उपहार भी भेंट किए। बाजारों में भी रक्षाबंधन का रंग जमकर बिखरा। मिठाई, उपहार और सजावटी वस्तुओं की दुकानों पर सुबह से ही खरीदारों की भीड़ उमड़ पड़ी। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी इस पर्व की रौनक में डूबे नजर आए। जगह-जगह परिवारों के बीच मिलन का दौर चलता रहा। शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी घर-घर रक्षाबंधन का उत्साह देखने को मिला।

पौधारोपण कर लिया गया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोरियो : प्रखंड में सुमंगल केशव दिव्य ट्रस्ट बोरियो नमस्ते रोड की ओर से पर्यावरण संरक्षण हेतु मोरंग नदी पुल के पास शनिवार को वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ट्रस्ट की बुजुर्ग महिला सुचित्रा भगत ने किया। ट्रस्ट की ओर से पीपल, बट, आंवला, बेल, एवं सन्नी वृक्षारोपण किया गया। ट्रस्ट के द्वारा बताया गया कि आगे भी हजारों पेड़ लगाया जाएगा जिससे कि पर्यावरण में सुधार हो सके और आगे कहा उन्होंने कहा कि धरती और पर्यावरण को बचाने के लिए अधिक से अधिक हर मानव का कर्तव्य है की एक पेड़ जरूर से जरूर लगाए जिससे कि आने वाली पीढ़ी और धरती को बचाया जा सके। मौके पर ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी चंदन भगत, घनश्याम सिंह, निर्मल दे, राजू मंडल, राज कुमार आदि उपस्थित थे।

विश्व आदिवासी दिवस : बड़ा गढ़ग्राम में संस्कृति संघर्ष और योगदान को मिला सम्मान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : प्रखंड क्षेत्र के बटाईल पंचायत अंतर्गत बड़ा गढ़ग्राम में शनिवार को विश्व आदिवासी दिवस पर भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जहां यह कार्यक्रम आदिवासी समाज की परंपराओं, संस्कृति और योगदान को सम्मान देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। उधर इस मौके पर पूरे गांव में उत्साह का माहौल था और बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण इस आयोजन में शामिल हुए। जहां कार्यक्रम की शुरूआत पारंपरिक रीति रिवाज और स्वागत गीत से हुई। उधर मंच संचालन के दौरान आदिवासी समाज के गौरवशाली इतिहास, संघर्ष और योगदान का

उल्लेख किया गया। जहां मुख्य अतिथि कांग्रेस जिलाध्यक्ष सह पाकुड़ विधायक प्रतिनिधि बरकत खान एवं प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडू रहे, जिन्होंने आदिवासी समाज के अधिकार, संघर्ष और विकास पर अपने विचार रखे। इस समारोह में गंगा बास्की, बाजुन बास्की, बैडक बास्की एवं लुखीमुनि हेंब्रम को शॉल एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। वही कई अन्य वक्ताओं ने कहा कि आदिवासी समाज भारत की सांस्कृतिक धरोहर का अभिन्न हिस्सा है और उनकी परंपराएं पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक एकता के उदाहरण हैं। वही मुख्य अतिथि बरकत खान ने आदिवासी समाज की मेहनत, ईमानदारी और एकजुटता को प्रेरणादायक बताया। वहीं रंजीत टुडू ने कहा कि यह दिवस अपनी जड़ों को पहचानने और नई पीढ़ी को उससे जोड़ने का अवसर है। इस मौके पर मो. सफातुलह, अश्वनी आनंद, नेहाल अख्तर, शरिक रब्बानी, समुद्री बास्की, जीसू किस्कू, शंभु रजक समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे। उधर इस आयोजन ने यह संदेश दिया कि आदिवासी समाज का सम्मान और संरक्षण पूरे वर्ष होना चाहिए, न कि केवल विशेष दिवस पर ही इसका सम्मान होना चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

जराकी पंचायत भवन में विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम से मनाया गया

अमड़ापाड़ा : जिले के अमड़ापाड़ा प्रखण्ड में शनिवार को झारखण्ड विकास परिषद् अमड़ापाड़ा के द्वारा जराकी पंचायत भवन में विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया। ज्ञात हो कि विश्व आदिवासी दिवस संस्था द्वारा हर साल 9 अगस्त को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य आदिवासी समुदाय के अधिकारों की रक्षा करना, परम्परागत भेष-भूषा रहन सहन को सम्मान देना है और उनके द्वारा किये गए कार्यों व योगदान को जन जन तक पहुँचाना समाज में उनके महत्व के प्रति जागरूकता फैलाना है। हमारे आदिवासी समुदाय न केवल प्रकृति के करीब रहते हैं, बल्कि हमारी विरासत, लोककथाओं और पारंपरिक ज्ञान को भी पीढ़ी दर पीढ़ी संजोकर रखते हैं। हर साल 9 अगस्त को पूरी दुनिया में विश्व आदिवासी दिवस मनाया जाता है। मौके पर सर्वप्रथम संस्था कर्मी द्वारा परियोजना क्षेत्र के सभी ग्राम प्रधान, वार्ड सदस्या, मुखिया किसान समूह के सदस्य और ग्रामीणोंन का ढोल, नगाड़ा व वाध्य यन्त्र और गीत के साथ स्वागत किया गया। ग्राम प्रधान, वार्ड सदस्या, मुखिया किसान समूह की उपस्थिति में कार्यक्रम का शुभ उद्घाटन दीप प्रज्वालिप्त कर किया गया। आदिवासी दिवस पर संस्था के राजीव रंजन ने आदिवासी दिवस के महत्व व उद्देश्य के बारे में बताया गया कि आदिवासी पूरे विश्व में रहते है उसी प्रकार हमारे देश में लगभग 700 आदिवासी जनजातियां पाई जाती है जिसमें सबसे अधिक भील जनजाती, दूसरी गोंड और तीसरी संथाल पाई जाती है और उसी प्रकार झारखण्ड में सबसे अधिक संथाल जनजाती, दूसरी उरांव और तीसरी मुंडा पाई जाती है। वहीं दामु ने कहा कि हर वर्ष संयुक्त राष्ट 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस की शुरूआत की गई। आदिवासी समाज ही जल जंगल जमीन की रक्षा करने में अहम योगदान निभा रहें हैं। उदालबानी के ग्राम प्रधान ने कहा कि आदिवासी दिवस हम सभी आदिवासीयों को एकत्रित होने व संस्कृति को बचाने के बात करते है। उसके बाद आये सभी सम्मानित आगंतुकों को शाल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान किशोर-किशोरी और संस्था के अजय, जसिंता मिंज, फूलमनी, सुहागनी, मार्टिन, प्रेम, साईमान, किरानी दामु और संस्था के अन्य कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

साहिबगंज के छात्र-छात्राओं ने रैली निकाल कर मनाया विश्व आदिवासी दिवस

साहिबगंज: साहिबगंज कॉलेज में विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया। इस उपलक्ष पर आदिवासी समाज के द्वारा महाविद्यालय आदिवासी हॉस्टल एवं आदिवासी गर्ल हॉस्टल के सभी छात्र-छात्राओं ने रैली निकालकर नगर क्षेत्र में भ्रमण करते हुए पुनः आदिवासी हॉस्टल में जाकर समापन हुआ। वही बताते चले की आदिवासी संस्कृति विरासत की रक्षा करने को लेकर हम आदिवासी समाज के छात्र-छात्राओं वाद्य हैं और शपथ लेते हुए आदिवासी परंपरा को आगे भी चलने और संभालने का बारे में वक्ताब्दी कुछ हिंदी में और कुछ अपने आदिवासी भाषाओं में लोगों को जागरूक किया। पुलिस प्रशासन रैली में अपने दल बल के साथ निगरानी कर रहे थे।

उरेज गांव में विश्व आदिवासी दिवस मनाई गई, संस्कृति का संरक्षण करने पर दिया जोर

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड के सुदूर ग्रामीण क्षेत्र आंगों पंचायत स्थित सामुदायिक भवन में अंतर्राष्ट्रीय आदिवासी दिवस मनाई गई। जिसकी अध्यक्षता पूर्व प्रमुख प्रतिनिधि सह समाजसेवी कोलेश्वर गंझु एवं संचालन शिक्षक महावीर गंझु ने किया। अंतर्राष्ट्रीय आदिवासी दिवस पर कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस दौरान 1 मिनट का मौन धारण कर बिरसा मुंडा, नीलांबर पीतांबर व पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में आदिवासियों की संस्कृति की संरक्षण को लेकर विशेष जोर दिया गया। मौके पर कोलेश्वर गंझु ने कहा कि इतिहास गवाह है कि दुनिया में सबसे पहले आदिवासी ही आए थे और धरती को संवारने का काम किया था। आंगो पंचायत में 95 प्रतिशत लोग आदिवासी जनजाति के लोग निवास करते हैं। पुरे पंचायत में पांचवी अनुसूचित कानून लागू होना चाहिए। जिसे लेकर शीघ्र उपायुक्त से मुलाकात कर मांग रखेंगे।यूएन में1982 में बैठक हुई थी जिसमें आदिवासियों को विश्व पटल पर लाने का प्रयास किया गया था। तत्पश्चात 1994 से यह अंतर्राष्ट्रीय आदिवासी दिवस के रूप में मनाने जाने लगा। वहीं पंचायत की मुखिया नीलम मिंज एवं पूर्व उप मुखिया रमन गंझु ने कहा कि हमारे देश की आजादी में बिरसा मुंडा ,सिधु कान्हू ,चांद भैरव के अलावा हजारों आदिवासियों ने जान की कुबार्नी दी थी। हमें अपने आदिवासी संस्कृति को बचाना है। आदिवासी संस्कृति से हीं पूरे झारखंड की पहचान है। इनके अलावा विमल टूडू, एतवा गंझु ,हेमंत खालखो , सोनू मुंडा ,रविंद्र गंझु, एवं मैनेजर गंझु के अलावे आदिवासी समाज के कई प्रबुद्ध लोगों ने भी सभा को संबोधित किया एवं आदिवासी समाज की संस्कृति की संरक्षण पर जोर दिया। मौके पर उपस्थित लोगों में मुख्य रूप से पूर्व प्रमुख राजमुनि देवी, जिप सदस्य प्रतिनिधि दीपक करमाली, मुखिया प्रतिनिधि महेंद्र मांझी, मणिलाल मुंडा, जागेश्वर गंझु, नागेश्वर गंझु, तमिल गंझु, सुलेखा देवी ,शांति देवी के अलावा अन्य उपस्थित थे।

मरीजों की शिकायतों पर पूर्व सदर विधानसभा प्रत्याशी ने लिया संज्ञान

हजारीबाग : पूर्व सदर विधानसभा प्रत्याशी और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुन्ना सिंह ने मरीजों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए अपने निजी मीडिया प्रतिनिधि विक्की कुमार धान को शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा ताकि वहां की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया जा सके। शनिवार को विक्की कुमार धान ने अस्पताल के वार्डों का दौरा कर भर्ती मरीजों से बातचीत की और उनकी समस्याओं को समझा। जायजे के दौरान सबसे चिंताजनक मामला था एक मरीज जिसका सांप ने काट लिया था और जिसकी हालत गंभीर बनी हुई थी। मरीज सुबह से उपचार की प्रतीक्षा कर रहा था, लेकिन अस्पताल में स्टाफ की कमी के कारण इलाज में देरी हो रही थी। अस्पताल प्रबंधक उस समय मौजूद नहीं थे। विक्की ने इस गंभीर स्थिति की जानकारी अस्पताल अधीक्षक अनुकरण पूर्ति को दूरभाष पर दी और शीघ्र उचित इलाज शुरू करने का आग्रह किया। संवाद के तुरंत बाद अस्पताल प्रशासन ने आवश्यक कदम उठाए और मरीज का इलाज तुरंत शुरू कर दिया गया। विक्की कुमार ने बताया कि डॉक्टरों और स्टाफ की समय पर उपस्थिति आवश्यक है ताकि ऐसे गंभीर मरीजों को विलंब न हो। उन्होंने कहा कि यह जायजा पूर्व प्रत्याशी मुन्ना सिंह के निदेर्शानुसार लिया गया है और अस्पताल की कमियों को सुधारने के लिए उचित कार्रवाई की जाएगी। जबकि पूर्व प्रत्याशी मुन्ना सिंह ने भी आश्वासन दिया है कि मरीजों की समस्याओं को गंभीरता से लिया जाएगा और अस्पताल प्रशासन से निरंतर सुधार की मांग की जाएगी ताकि सभी मरीजों को बेहतर सुविधा और उपचार मिल सके।

सोम ग्रुप ऑफ कंपनी द्वारा हेल्थ कैम्प ने 40 से अधिक गांवों के लोगों को किया लाभान्वित

रायसेन। समाज कल्याण एवं ग्रामीण स्वास्थ्यसेवाओं के लिए अपनी सतत प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हुए सोम ग्रुप ऑफ कंपनीज़ ने मध्य प्रदेश के रायसेन ज़िले में स्थित सेहतगंज गांव में नि:शुल्क मेडिकल कैम्प का आयोजन किया। कंपनी की इस पहल ने एक ही दिन में 400 से अधिक ग्रामीणों को लाभान्वित करते हुए ज़रूरतमंद समुदायों को मेडिकल सपोर्ट प्रदान किया। 40 से अधिक गांवों के मरीज़ नि:शुल्क चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठाने के लिए कैम्प में पहुंचे, जो क्षेत्र में सुलभ स्वास्थ्यसेवाओं की तुरंत आवश्यकता एवं दूरगामी प्रभावों को दर्शाता है। सोम हाई स्कूल में आयोजित इस कैंप का संचालन आशा मोहन फाउन्डेशन हॉस्पिटल के सहयोग से किया गया, जिसका उद्देश्य गांववासियों को सुलभ, नि:शुल्क मेडिकल कन्सलटेशन एवं ज़रूरी उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराना था। मेडिकल टीम ने स्वास्थ्य जांच, डायग्नॉस्टिक, दवा वितरण एवं ऑन-साईट कन्सलटेशन सहित सभी ज़रूरी सुविधाएं प्रदान की और सुनिश्चित किया कि सभी मरीज़ों को समय पर गुणवत्तापूर्ण देखभाल मिले। भोपाल से जाने-माने डॉक्टरों की टीम ने लोगों को अपनी सेवाएं प्रदान कीं। इनमें डॉ टीना गुप्ता

(गायनेकोलोजिस्ट एवं ऑब्स्टेट्रिशियन), डॉ वसंत त्रिवेदी (आर्थोपेडिक सर्जन), डॉ संजीव गुप्ता (सीनियर कन्सलटेन्ट- डिपार्टमेन्ट ऑफ सीटीवीएस), डॉ पीयूष गोयंका (इंटरवेंशनल कार्डियोलोजिस्ट), डॉ नितेश उपाध्याय (पीडिएट्रिशियन, डीएनबी- पीडिएट्रिक्स) और डॉ निशांत कुमार शुक्ला (न्युरोवैस्कुलर एण्ड न्युरोएंडोवैस्कुलर सर्जन) शामिल थे। हर विशेषज्ञ ने विभिन्न आयुवर्गों एवं विभिन्न चिकित्सा क्षेत्रों में लोगों की ज़रूरतों को पूरा किया। कैम्प को स्थानीय लोगों से ज़बरदस्त प्रतिक्रिया मिली। पुरूषों, महिलाओं, बुज़ुर्गों ने बढ़-चढ़कर कैम्प में हिस्सा लिया, जिन्हें अक्सर नियमित स्वास्थ्य सुविधाएं भी नहीं मिल पातीं। चिकित्सा सुविधाओं के अलावा कैम्प ने लोगों को जल्दी निदान, निवारक चिकित्सा के बारे में जागरुक भी बनाया, ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह की जागरुकता बेहद महत्वपूर्ण होती है।

वॉर्नर ब्रदर्स डिस्कवरी ने की नई ओरिजिनल डॉक्यू-सीरीज़ एक था राजा विद अकुल त्रिपाठी की घोषणा

मुंबई, एजेंसी। वॉर्नर ब्रदर्स डिस्कवरी एक नयी इंडियन ओरिजिनल डॉक्यू-सीरीज़ 'एक था राजा विद अकुल त्रिपाठी' लॉन्च करने जा रहा है, जो रात 9 बजे डिस्कवरी चैनल और डिस्कवरी+ पर विशेष रूप से प्रसारित होगी। यह शो दिलचस्प कहानी कहने के अंदाज़ को समृद्ध ऐतिहासिक किस्सों के साथ जोड़ता है और भारत के मशहूर और गुमनाम राजाओं-रानियों की बहादुरी और हिम्मत को फिर से ज़िंदा करता है। इसमें गोरिल्ला युद्ध रणनीति बनाने वाले योद्धाओं, नौसेना के जांबाज़ सिपाहियों और साम्राज्य बनाने वालों की कहानियाँ शामिल हैं। यह आठ एपिसोड की सीरीज़ दर्शकों को समय और ज्योग्राफिकल बाउंडरीज़ के पार ले जाती है। गढ़वाल (उत्तराखंड) और मालवा (पश्चिम मध्य प्रदेश) से लेकर राजपुताना (राजस्थान), दक्कन (महाराष्ट्र और तेलंगाना), कर्नाटक और कश्मीर तक — हर कहानी एक ऐसे शासक की झलक दिखाती है, जिसकी बहादुरी ने इतिहास की दिशा बदल दी। भारत और साउथ एशियन डायस्पोरा के दर्शकों तक इसे पहुँचाने के लिए यह सीरीज़ सात भाषाओं — अंग्रेज़ी, हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ और बांग्ला — में उपलब्ध होगी।

तनाएरा ने प्रमाणिकता और विरासत को बढ़ावा देने के लिए उठाया एक और कदम

इस राष्ट्रीय हैण्डलूम दिवस पर अपने प्रोडक्ट्स में लाई जीआई- टैगिंग

ब्राण्ड कारीगरों को सशक्त बनाते हुए भारत की समृद्ध टेक्सटाईल धरोहर को संरक्षित बनाने के प्रयास जारी रखे हुए है

मुंबई एजेंसी। देश राष्टीय हैण्डलूम दिवस के आयोजन की तैयारियां में जुटा है, इस बीच टाटा की प्रोडक्ट तनाएरा ने अपने प्रोडक्ट्स पर जीआई टैगिंग की शुरूआत कर देश की बेजोड़ टेक्सटाईल धरोहर को सुरक्षित रखने की प्रतिबद्धता को और मजबूत बना लिया है। इस पहल के साथ तनाएरा देश के कुछ पहले साड़ी ब्राण्ड्स में शामिल हो गई है, जो बनारसी, चंदेरी और माहेश्वरी जैसे मुख्य क्लस्टर्स में जीआई-सर्टिफाईड हैण्डलूम साड़ियां लेकर आती है। यह पहल लूम पर काम करने वाले कारीगरों के लिए ब्राण्ड की प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जो कई पीढ़ियों से अपनी कारीगरी को नया आयाम देते आए हैं, और फैब्रिक के हर पीस में परम्परा बुनते हैं। यह कदम प्रमाणिकता एवं नैतिक कारीगरी के लिए तनाएरा के समर्पण की पुष्टि करता है, जिसका उद्देश्य उन उपभोक्ताओं एवं समुदायों के साथ गहरे रिश्ते बनाना है जो भारत की समृद्ध बुनाई

की परम्परा को जीवंत बनाए रखे हुए हैं। तनाएरा शुरूआत से ही प्रमाणिकता को महत्व देती आई है। सिल्क के लिए हैण्डलूम मार्क से लेकर ज़री सर्टिफिकेशन तक इनका हर प्रोडक्ट इसी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। अब जीआई टेगिंग की पेशकश ब्राण्ड के प्रति उपभोक्ताओं के भरोसे को और मजबूत बनाएगी, ब्राण्ड का उद्देश्य देश के सर्वश्रेष्ठ कारीगरी को एक ही छत के नीचे लाना है।

इस पहल के तहत तनाएरा जीआई सर्टिफिकेशन को सुगम बनाने के लिए वेंडर पार्टनर्स एवं कारीगर समूहों के साथ मिलकर काम करेगी, उन्हें दस्तावेजों के लिए ज़रूरी सहयोग, कानूनी मार्गदर्शन एवं हर ज़रूरी सहायता प्रदान करेगी। आज परिधानों में डिज़ाइन की बात करें तो हाथ की कारीगरी का महत्व कम हो रहा है, इसके बजाए मशीनां के काम पर ज़ोर बढ़ा है, ऐसे में तनाएरा का यह प्रयास हाथ की कारीगरी की खूबसूरती, भव्यता एवं परम्परा को बनाए रखने, इसे संरक्षित रखने के ब्राण्ड के इरादे को दर्शाता है। तनाएरा हैण्डलूम रीटेल के लिए सर्टिफाईड एवं पारदर्शी दृष्टिकोण अपनाती है। हैण्डलूम मार्क, सिल्क मार्क, ज़री सर्टिफिकेशन, खादी सर्टिफिकेट और पश्मिना सर्टिफिकेशन जैसे प्रयास ब्राण्ड के इसी दृष्टिकोण को दर्शाते हैं। अब जीआई टैगिंग के साथ, ब्राण्ड के सर्टिफिकेशन्स सुनिश्चित करते हैं कि ब्राण्ड का हर प्रोडक्ट उन कारीगरों से आया है जो सदियों से इस कारीगरी की धरोहर को संरक्षित बनाए रखे हुए हैं।

स्नैपचैट, डब्ल्यूपीपी मीडिया और लुमेन ने 'एटेंशन एडवांटेज रिसर्च लॉन्च की, भारत में डिजिटल विज्ञापनों के भविष्य को कर रहे हैं परिभाषित

मुंबई, एजेंसी। भारत की जनरल जेड कम्युनिटी के सबसे पसंदीदा प्लेटफॉर्म स्नैपचैट ने वैश्विक मीडिया एजेंसी डब्ल्यूपीपी मीडिया और अटेंशन-मेजरमेंट लीडर लुमेन के साथ मिलकर 'एटेंशन एडवांटेज, भारत का सबसे बड़ा मल्टी-प्लेटफॉर्म अटेंशन स्टडी लॉन्च किया। यह रिसर्च डिजिटल विज्ञापन के मूल्यांकन का

एक नया मापदंड, नया मॉडल और नया दृष्टिकोण पेश करती है, खासकर जनरल जेड को प्रभावी ढंग से टारगेट करने के लिए। यह ऐतिहासिक अध्ययन साबित करता है कि 'असली ध्यान' यानी किसी व्यक्ति की नज़र वास्तव में विज्ञापन पर हो ब्रांड प्रभाव और व्यापार वृद्धि का शक्तिशाली संकेतक है।
यह अध्ययन ऐसे समय पर आया है जब भारत की 377 मिलियन की जनरल जेड आबादी का खर्च करने की सामूहिक शक्ति 2035 तक 2 ट्रिलियन तक पहुंचने का अनुमान है। लेकिन यह पीढ़ी उन विज्ञापनों को नकार देती है जो उनका ध्यान आकर्षित नहीं करते। 'एटेंशन एडवांटेज' अध्ययन यही समझने के लिए किया गया कि वास्तव में क्या काम करता है।

सिल्वर कंज़्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने 1,400 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए डीआरएचपी दाखिल किया

मुंबई, एजेंसी। राजकोट मुख्यालय वाली सिल्वर कंज़्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने 1,400 करोड़ रुपये के प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के समक्ष ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल किया है। इस पेशकश में 1,000 करोड़ रुपये तक का नया इश्यू और 400 करोड़ रुपये तक का ऑफ़र फ़ॉर सेल शामिल है। सिल्वर कंज़्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड विद्युत उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं जैसे पंप और मोटर, सोलर पंप और कंट्रोलर, पंखे, लाइटिंग, अन्य विद्युत उपभोक्ता उत्पाद और कृषि उपकरणों का बड़े पैमाने पर निर्माण करती है। वित्त वर्ष 2023 से वित्त वर्ष 2025 के बीच 95.17त्न की सीएजीआर के साथ परिचालन राजस्व के आधार पर, यह भारत में विद्युत उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं और कृषि उपकरणों की सबसे तेज़ी से बढ़ती निर्माता कंपनी है। सिल्वर कंज़्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने गुजरात के राजकोट में 1,38,821 वर्ग मीटर में फैला भारत का सबसे बड़ा सिंगल-लोकेशन और वर्टिकली इंटीग्रेटेड विद्युत उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं और कृषि उपकरणों का संयंत्र स्थापित किया है। 31 मार्च 2025 तक, कंपनी की स्थापित क्षमता पंप और मोटरों के लिए 24,00,000 यूनिट, पंखों के लिए 72,00,000 यूनिट, लाइटिंग उत्पादों के लिए 2,19,00,000 यूनिट और कृषि उपकरणों के लिए 72,000 यूनिट है। 31 मार्च 2025 तक आवासीय और सोलर पंप सेगमेंट में निर्माण क्षमता के मामले में कंपनी देश की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक है। निर्माण सुविधा में उन्नत इंफ्रास्ट्रक्चर, प्रमुख प्रक्रियाओं के लिए रोबोटिक ऑटोमेशन और कस्टमाइज्ड मशीनें हैं। यह बैकवर्ड इंटीग्रेटेड है, जिससे बाहरी निर्भरता कम होती है, उच्च गुणवत्ता का उत्पादन सुनिश्चित होता है और बड़े पैमाने पर कारोबारी संचालन संभव होते हैं। सिल्वर कंज़्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड एक दोहरे व्यवसाय मॉडल का संचालन करता है सिल्वर और बेदिया ब्रांड के तहत अपने ब्रांड की बिक्री, और भारत में प्रमुख मूल उपकरण निर्माताओं के लिए उत्पादों का डिज़ाइन, निर्माण और आपूर्ति। मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स लिमिटेड, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लिमिटेड, जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड और चॉइस कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड बुक रनिंग लीड मैनेजर्स (बीआरएलएम) हैं और ट्राइलीगल लीगल काउंसल है।

एमराल्ड फाइनेंस का एमराल्ड

'एमराल्ड ईडब्ल्यूए ऐप गूगल प्ले स्टोर पर लॉन्च हुआ

मुंबई, एजेंसी। एमराल्ड फाइनेंस लिमिटेड (बीएसई- एमराल्ड), जो भारत में अपने प्रमुख अर्ली वेज एक्सेस सहित वित्तीय उत्पादों और सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करने वाली एक गतिशील कंपनी है, ने अपने कर्मचारी-केंद्रित मोबाइल एप्लिकेशन एमराल्ड ईडब्ल्यूए के आधिकारिक लॉन्च की घोषणा की है, जो अब गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है। केवल उन कंपनियों के कर्मचारियों के लिए उपलब्ध जो एमराल्ड के साथ पंजीकृत हैं, एमराल्ड ईडब्ल्यूए ऐप अर्जित वेतन तक डिजिटल और सुविधाजनक पहुंच प्रदान करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह लॉन्च आधुनिक कार्यबल को जिम्मेदार और तकनीक-सक्षम वित्तीय समाधान प्रदान करने की एमराल्ड की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है, जो अल्पकालिक नकदी आवश्यकताओं को तत्काल और सुरक्षित तरीके से पूरा करता है। यह ऐप एमराल्ड के स्वामित्व वाले क्लू-ड्रिवन प्लेटफॉर्म द्वारा संचालित है, जो नियोक्ताओं की पेरोल प्रणालियों और समय ट्रैकिंग सॉफ़्टवेयर के साथ सहज रूप से एकीकृत होता है। इस रियल-टाइम एकीकरण की मदद से कर्मचारी अपनी अर्जित तनख्वाह का 40त्न तक किसी भी समय पे साइकिल के दौरान निकाल सकते हैं—वह भी एक पूर्णतः स्वचालित प्रणाली के माध्यम से। पुनर्भुगतान सीधे वेतन दिवस पर उनके वेतन से काट लिया जाता है, जिससे शुरुआत से ही शून्य डिफॉल्ट और कोई एनपीए नहीं रहा है। कंपनी प्रति लेनदेन 1.5त्न से 2त्न तक की मामूली प्रोसेसिंग फीस के माध्यम से राजस्व अर्जित करती है। यह संरचना उच्च परिचालन दक्षता और एक मजबूत जोखिम न्यूनीकरण मॉडल के चलते लगभग 24त्न की आंतरिक प्रतिफल दर निरंतर उत्पन्न करती रही है।

एमराल्ड ईडब्ल्यूए कार्यक्रम पर टिप्पणी करते हुए, एमराल्ड फाइनेंस लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री संजय अग्रवाल ने कहा- हमें एमराल्ड ईडब्ल्यूएऐप लॉन्च करने पर गर्व है, जो हमारे डिजिटल परिवर्तन के सफर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह प्लेटफ़ॉर्म हमारे साझेदार कॉरपोरेट्स के कर्मचारियों को उनकी अर्जित वेतन तक तुरंत और लचीली पहुंच प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है—जिससे महंगे क्रेडिट पर निर्भरता समाप्त होती है और वित्तीय भलाई को बढ़ावा मिलता है।

व्यावसायिक दृष्टिकोण से यह ऐप न केवल उपयोगकर्ता सहभागिता और सेवा वितरण को बेहतर बनाता है, बल्कि उच्च लेनदेन मात्रा और गहन क्लाइंट एकीकरण के माध्यम से हमारे आवर्ती राजस्व मॉडल को भी मजबूत करता है। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ते हैं, यह मोबाइल-फर्स्ट दृष्टिकोण वेतन से जुड़ी अतिरिक्त वित्तीय सेवाएं—जैसे कि पर्सनल लोन, गिफ्ट वाउचर, और इनवॉइस डिस्काउंटिंग—प्रस्तुत करने के लिए एक मजबूत आधार बनेगा, जिससे नए विकास के अवसर खुलेंगे।

एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी ने 2025 के लिए 200 से अधिक अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों का स्वागत कर वैश्विक उपस्थिति मजबूत की

तिरुचिरापल्ली/दिल्ली एनसीआर, एजेंसी। उच्च शिक्षा के लिए एक वैश्विक केंद्र बनने के भारत के विज़न के अनुरूप एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एसआरएमआईएसटी) ने 2025 अकादमिक सत्र के लिए अपने रामापुरम और तिरुचिरापल्ली कैंपस में 200 से अधिक अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों का स्वागत किया है। अपने परिवार के साथ ये विद्यार्थी श्री लंका, म्यांमार, नेपाल, थाईलैंड, सिंगापुर, कुवैत और सऊदी अरब जैसे देशों से यात्रा कर यहां पहुंचे और गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा एवं वैश्विक भविष्य के लिए इस संस्थान को अपने स्थल के रूप में चुना।

इन विद्यार्थियों को संस्थान में शामिल करने के प्रतीक के रूप में एसआरएमआईएसटी ने भारत की समृद्ध विरासत का अनुभव लेने में उनकी मदद के लिए एक विशेष हेरिटेज विजिट का आयोजन किया। विद्यार्थियों को स्वागत का एहसास कराने, इस देश की परंपराओं से उनका परिचय कराने और शुरुआत से ही समुदाय से जुड़ाव महसूस कराने के लिए यह पहल डिजाइन की गई थी।

इस पहल के बारे में एसआरएम ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के निदेशक डॉक्टर कतिरवन कन्नन ने कहा, हमें हमारे कैंपस में एशिया और पश्चिम एशिया से विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए गर्व की अनुभूति हो रही है। इन युवा विद्यार्थियों ने अपने भविष्य के लिए एसआरएम इंस्टीट्यूट को आधार सोपान के रूप में चुना। हमारा लक्ष्य ना केवल उत्कृष्ट शिक्षा उपलब्ध कराना, बल्कि एक ऐसा सहायक एवं समावेशी वातावरण तैयार करना है जहां विभिन्न संस्कृतियों से आए विद्यार्थी फल फूल सकें।

इन अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों ने विभिन्न स्नातक कार्यक्रमों जैसे कंप्यूटर साइंस, एआई एवं मशीन लर्निंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग एवं बायोटेक्नोलॉजी के साथ ही स्नातकोत्तर कार्यक्रमों जैसे बायोटेक्नोलॉजी, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में नामांकन कराया है।

शेरा एनर्जी ने क्यू1 एफवाय26 में समेकित पीबीटी में 52 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की

मुंबई, एजेंसी। शेरा एनर्जी लिमिटेड जो गैर-लौह धातुओं से बने वाइंडिंग वायर और स्ट्रिप्स की अग्रणी निर्माता कंपनियों में से एक है, ने क्यू1 एफवाय26 के लिए अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए, शेरा एनर्जी लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर श्री नदीम शेख ने कहा- हमने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही को मजबूत गति के साथ पूरा किया है, जो वित्तीय वृद्धि और रणनीतिक प्रगति ङ्क दोनों से परिपूर्ण रही।
हमारा समेकित प्रदर्शन प्रमुख क्षेत्रों में स्वस्थ मांग और हमारे एकीकृत व्यावसायिक मॉडल की निरंतर मजबूती को दर्शाता है। इस तिमाही की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक रही हमारी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, शेरा ज़ाम्बिया लिमिटेड के माध्यम से ज़ाम्बिया में कॉपर कैथोड निर्माण सुविधा का अधिग्रहण। यह कदम हमारी बैकवर्ड इंटीग्रेशन क्षमताओं को मजबूत करता है, जिससे हमें उच्च-शुद्धता वाले तांबे की स्थायी आपूर्ति सुनिश्चित होती है, जो हमारे उत्पादों के लिए एक महत्वपूर्ण कच्चा माल है। इससे हमारे लागत ढांचे में सुधार होगा, मार्जिन विस्तार को बल मिलेगा और आपूर्ति श्रृंखला की दीर्घकालिक मजबूती सुनिश्चित होगी। एनएसई द्वारा हमारे प्रेफरेंशियल इक्विटी शेयर्स को मंजूरी मिलना भी निवेशकों के विश्वास को दर्शाता है और हमारे भविष्य के विस्तार के लिए पूंजी आधार को और मजबूत करता है। हमारी विकास रणनीति वैश्विक और घरेलू बाजारों की बदलती ज़रूरतों के साथ अच्छी तरह से जुड़ी हुई है। वैश्विक वाइंडिंग वायर बाजार के 2024 में 14.88 बिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर 2030 तक 23.02 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जो ऑटोमोटिव, औद्योगिक मशीनरी, इलेक्ट्रॉनिक्स और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों से बढ़ती मांग के कारण है। उच्च गुणवत्ता वाले वाइंडिंग वायर और गैर-लौह धातु उत्पादों के अग्रणी निर्माताओं में से एक के रूप में, शेरा एनर्जी इस अवसर का पूरा लाभ उठाने के लिए अच्छी तरह से तैयार है। इसके अलावा, इलेक्ट्रिक वाहनों, ऊर्जा संक्रमण और बुनियादी ढांचे के विकास से प्रेरित तांबे की बढ़ती मांग हमारे हालिया रणनीतिक पहलों की प्रासंगिकता को और बढ़ाती है। आगे देखते हुए, हम अपने संचालन को बढ़ाने, वैश्विक उपस्थिति का विस्तार करने और अपने पोर्टफोलियो में नवाचारपूर्ण, वैल्यू-एडेड उत्पादों को प्रदान करने पर केंद्रित हैं।

मेकमायट्रिप ने लॉन्च किया बहुभाषी जनरेटिव एआई ट्रिप प्लानिंग असिस्टेंट - यात्रा बुकिंग को बनाया संवादात्मक और समावेशी

एजेंटिक एआई फ्रेमवर्क पर आधारित यह सिस्टम रियल-टाइम में लाखों ट्रैवल फैसलों को देगा ताकत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की सबसे बड़ी ऑनलाइन ट्रैवल कंपनी, मेकमायट्रिप ने ट्रैवल प्लानिंग को सरल, संवाद-आधारित और सभी के लिए सुलभ बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। कंपनी ने जनरेटिव एआई-इनेबल्ड ट्रिप प्लानिंग असिस्टेंट लॉन्च किया है, जो यात्रा की खोज से लेकर बुकिंग, यात्रा के दौरान और उसके बाद तक हर चरण में यूजर्स की मदद करेगा। यूजर्स को उनके पूरे सफर में बातचीत के माध्यम से सहायता मिलेगी, जिसमें डेस्टिनेशन की तलाश, खरीदारी, यात्रा के दौरान, और बिक्री के बाद के परिदृश्य शामिल हैं। नया जेनएआई ट्रिप प्लानिंग असिस्टेंट पुराने एआई एजेंट मायरा का बेहतर वर्जन है, जो अब आवाज और टेक्स्ट के ज़रिए यात्रियों से बात कर सकता है। इससे उन लोगों को भी मदद मिलेगी जो अब तक अंग्रेजी भाषा में असहज होने की वजह से ऑनलाइन ट्रैवल बुकिंग से वंचित

थे। मायरा का बीटा वर्जन अभी अंग्रेजी और हिंदी में लाइव है। आने वाले समय में इसे कई अन्य भारतीय भाषाओं में भी लॉन्च किया जाएगा। फिलहाल यह वर्जन शुरुआती यूजर्स के फीडबैक के आधार पर बेहतर संवाद अनुभव के लिए परखा जा रहा है।

इस असिस्टेंट की मदद से यूजर्स आसानी से हिंदी या अंग्रेजी में यात्रा से जुड़े कठिन सवाल भी पूछ सकते हैं, जैसे अगस्त में मैं अपने बच्चों के साथ छुट्टियां मनाने के लिए कहाँ जा सकता हूं या मुझे उदयपुर में 3-स्टार होटल 3500 रुपये के बजट में चाहिए। या मैं दक्षिण भारत में मदुरै, रामेश्वरम, कोवलम, कोडाइकनाल घूमना चाहता हूँ। लेकिन फ्लाइट से नहीं जाना चाहता, कोई अच्छा रूट बताइए। आपको वास्तविक समय में उपलब्धता, कीमतों और प्रासंगिकता के आधार पर अपने सभी सवालों के व्यक्तिगत जवाब मिलेंगे। अधिकांश ग्लोबल एआई प्लेटफ़ॉर्म केवल सुझाव देकर रुक जाते हैं, जबकि मायरा यूजर को प्रेरणा से बुकिंग तक के पूरे सफर में एक ही संवाद में ले जाती है ङ्क जहां उपयोगकर्ता केवल बातचीत के जरिए ही ट्रैवल प्लानिंग से लेकर पक्की बुकिंग तक पहुंच सकता है। जेनएआई ट्रिप प्लानिंग असिस्टेंट, मायरा, सभी प्रमुख यात्रा श्रेणियों—फ्लाइट, एकोमोडेशन, हॉलिडेज़, ग्राउंड ट्रांसपोर्ट, वीजा और फॉरेक्स के लिए विशेष एआई एजेंट्स के नेटवर्क पर बनाया गया है। यह टेक्स्ट, वॉइस, इमेज और वीडियो जैसे मल्टीमॉडल इनपुट्स को सपोर्ट करता है।

सीएम के खिलाफ बोलने से चिराग को बीजेपी ने रोका

केंद्रीय मंत्री लगातार नीतीश कुमार पर बोल रहे थे हमला, पार्टी बोलीः एकजुटता को पहुंच सकता नुकसान

पटना। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर लगातार सवाल उठा रहे थे। इसे लेकर बीजेपी ने उन्हें नसीहत है। सूत्रों की माने तो पार्टी ने कहा है कि एनडीए के घटक दलों के बीच आपसी हमलों से गठबंधन की एकजुटता को नुकसान पहुंचता है। इसलिए मुख्यमंत्री पर किसी भी तरह की बयानबाजी से बचना चाहिए। बीते कुछ दिनों में चिराग पासवान ने सार्वजनिक मंचों और मीडिया इंटरव्यू में बिहार सरकार की नीतियों, कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े किए थे। इन बयानों में नीतीश कुमार को सीधे तौर पर कटघरे में खड़ा किया गया था। चुनावी माहौल में नहीं देना चाहते विपक्ष को कोई हथियार बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं का मानना है कि चुनावी माहौल में इस तरह के बयान विपक्ष को राजनीतिक हथियार दे सकते हैं और एनडीए के भीतर अविश्वास का माहौल बना सकते हैं। बीजेपी नेतृत्व ने चिराग को यह भी याद दिलाया है कि 2025 विधानसभा चुनाव में एनडीए की सबसे बड़ी ताकत उसकी एकजुटता है। ऐसे में घटक दलों के बीच सार्वजनिक बयानबाजी से परहेज करना जरूरी है ताकि विपक्षी महागठबंधन को किसी तरह का मौका न मिले। यह पहली बार नहीं है जब चिराग पासवान के तेवर से एनडीए के भीतर हलचल मची है। 2020 विधानसभा चुनाव में भी उन्होंने जेडीयू के खिलाफ प्रत्याशी उतारकर राजनीतिक समीकरण हिला दिए थे। हालांकि तब वह औपचारिक रूप से एनडीए का हिस्सा नहीं थे। इस बार स्थिति अलग है क्योंकि एलजेपी रामविलास सीधे तौर पर एनडीए में शामिल है और केंद्र सरकार में भी हिस्सेदार हैं। बीजेपी की यह नसीहत साफ संकेत देती है कि पार्टी गठबंधन के भीतर चुनावी वर्ष में फोकस एकजुटता बनाए रखने और साझा एजेंडे पर काम करने पर है ताकि विपक्ष के खिलाफ एक मजबूत मोर्चा पेश किया जा सके। राजद प्रवक्ता एजाज अहमद ने कहा कि बीजेपी ने 2020 के चुनाव में भी चिराग का पॉलिटिकल यूज किया। 2025 में भी यही कर रही। चिराग से नीतीश सरकार के खिलाफ बयानबाजी कराई जाती है फिर कभी निर्देश दिया जाता है। नीतीश कुमार और बीजेपी एक साथ नूराकुश्ती खेलते रहते हैं। राजनीति साफ दिख रही है। आगे कहा कि बीजेपी नीतीश कुमार के चेहरे को चुनाव तक बनाकर रखना चाहती है। फिर चुनाव के बाद बदलना चाहती है। इस नूराकुश्ती के खेल में चिराग पासवान बीजेपी के इंस्ट्रूमेंट के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। बीजेपी ने उनको क्या निर्देश दिया है, नहीं दिया है ये नहीं पता, लेकिन वो अपने ही अलायंस के लोगों को कमजोर कर रहे। चिराग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि कल नालंदा के बिहारशरीफ में अपराधियों द्वारा 16 वर्षीय हिमांशु पासवान एवं 20 वर्षीय अनु कुमार की गोली मारकर निर्मम हत्या कर दी गई। ये घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। यह जघन्य घटना न केवल मानवता को झकझोरती है, बल्कि यह भी दशार्ती है कि बिहार में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। चिराग ने बिहार में बढ़ते अपराध और ढीली कानून-व्यवस्था पर शर्म व्यक्त की और कहा था कि मुझे दुख है कि मैं ऐसी सरकार का समर्थन कर रहा हूं। उन्होंने प्रशासन और पुलिस पर आरोप लगाया कि

रक्षाबंधन पर बिहार सरकार की सौगात

पटना। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर बिहार सरकार ने माताओं और बहनों को एक बड़ी सौगात देने का एलान किया है। मुख्यमंत्री की प्रेरणा से बिहार राज्य पथ परिवहन निगम (बीएसआरटीसी) की सभी बसों में महिलाओं और छात्राओं को नौ और 10 अगस्त को मुफ्त यात्रा की सुविधा दी जाएगी। इस पहल का उद्देश्य त्योहार के मौके पर महिलाओं को सुरक्षित, सुविधाजनक और निःशुल्क यात्रा का अवसर प्रदान करना है। जानकारी के मुताबिक, यह निःशुल्क यात्रा सुविधा नौ अगस्त (शनिवार) की सुबह छह बजे से शुरू होकर 10 अगस्त (रविवार) देर शाम तक जारी रहेगी। इन दो दिनों के दौरान महिलाओं और छात्राओं को बस में सफर करने के लिए किसी भी प्रकार का किराया नहीं देना होगा। निगम की सभी श्रेणियों की बसें (पिंक, साधारण और डीलक्स) इस योजना के अंतर्गत शामिल होंगी। इस योजना का लाभ न सिर्फ छात्राओं को बल्कि सभी आयुवर्ग की महिलाओं को मिलेगा, चाहे वे पढ़ाई कर रही हों या नौकरीपेशा हों। बीएसआरटीसी की ओर से बताया गया है कि यह सुविधा पटना, गया, मुजफ्फरपुर, दरभंगा और पूर्णिया स्थित छह क्षेत्रीय कार्यालयों से संचालित सभी मार्गों पर चलने वाली बसों में लागू होगी। रक्षाबंधन के दौरान अक्सर बसों में भारी भीड़ देखी जाती है। ऐसे में बिहार सरकार की यह पहल महिलाओं के सफर को न केवल आसान बल्कि आर्थिक रूप से भी राहत देने वाली साबित होगी। परिवहन निगम का कहना है कि इस योजना से बहनों को अपने भाइयों के पास पहुंचने में किसी भी तरह की परेशानी नहीं होगी और वे सुरक्षित एवं निःशुल्क यात्रा का लाभ उठा सकेंगी।

बिहार में दोगुना हुआ रसोइयों का मानदेय राशि

इस महीने से खाते में बढ़कर आएगी सैलरी

पटना। मध्याह्न भोजन योजना (पीएम पोषण) में कार्यरत 2,43,227 रसोइयों और सहायक रसोइयों को एक अगस्त से बढ़ा हुआ मानदेय दिया जाएगा। यह राशि उनके बैंक खातों में 3300 रुपये प्रति माह की दर से भेजी जाएगी। पहले 1650 रुपये प्रतिमाह दिए जाते थे। शिक्षा विभाग ने शुक्रवार को इस संबंध में संकल्प जारी कर दिया। इसके अनुसार, रसोइयों को राज्य भत्ता के रूप में सरकार द्वारा पहले से दी जा रही 650 रुपये प्रतिमाह की राशि में 1650 रुपये की अतिरिक्त वृद्धि की गई है। राज्य भत्ता की राशि 2300 रुपये किए जाने के बाद कुल मानदेय 3300 रुपये हो गया है।

पेड़ पर लटका मिला युवक का शव

नवादा। रोह प्रखंड के तेलरी गांव में युवक का शव पेड़ पर लटका मिला है। मृतक की पहचान रखी गांव निवासी शिवचरण मांझी के बेटे सुरेश मांझी(35) के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी कि एक युवक की हत्या करके उसे पेड़ में लटका दिया गया है। सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और फोरेंसिक टीम को बुलाकर जांच शुरू कर दी। मृतक का शव उसके घर से लगभग 3 किलोमीटर दूर बरामद किया गया है। घटना के समय मृतक के परिवार के सदस्य खेत में काम कर रहे थे।

परिवार और स्थानीय लोगों ने हत्या की आशंका जताई है। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही

संक्षिप्त डायरी

मुंगेर में 30 घर कटाव की जद में, बांध टूटने से ग्रामीणों में दहशत

मुंगेर। जमालपुर प्रखंड के डकरा गांव में डकरा नाला परियोजना के तहत खोदे गए गड्ढे अब ग्रामीणों के लिए आफत बन गए हैं। बरसात के पानी से गड्ढों में जलभराव हुआ, जिससे कटाव शुरू हो गया। जल संसाधन विभाग ने कटावरोधी कार्य आरंभ किया था, लेकिन गुरुवार की रात अचानक बांध टूट गया और आसपास के लगभग 30 घर सीधे कटाव की चपेट में आ गए।स्थानीय लोगों ने इस घटना को प्राकृतिक आपदा मानने से इनकार करते हुए इसे संवेदक की गंभीर लापरवाही बताया। उनका कहना है कि तय समय पर काम पूरा कर लिया जाता तो यह स्थिति ही नहीं आती। कई घरों की दीवारों में दरारें आ चुकी हैं और लोग अपना सामान निकालकर इधर-उधर शरण ले रहे हैं। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर उन्हें मुआवजा नहीं दिया गया तो वे नेशनल हाईवे जाम कर देंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी जल संसाधन विभाग की होगी। कटावरोधी कार्य बेअसर होने की सूचना मिलते ही जिलाधिकारी निखिल धनराज, जदयू जिलाध्यक्ष नचिकेता मंडल और अन्य प्रशासनिक अधिकारी देर रात मौके पर पहुंचे। डीएम ने पीड़ितों को भरोसा दिलाया कि उनके साथ अन्याय नहीं होगा और प्रशासन पूरी तरह उनके साथ खड़ा है। उन्होंने गड्ढे के चारों ओर बैरिकेडिंग करवाकर पुलिस की तैनाती भी कर दी, ताकि कोई कटाव क्षेत्र के पास न जा सके। जल संसाधन विभाग के एसडीओ मनीष भारती ने कहा कि विभाग पूरी तत्परता से कटावरोधी कार्य में जुटा है और जल्द ही स्थिति पर नियंत्रण पा लिया जाएगा। हालांकि ग्रामीणों की नाराजगी इस बात को लेकर है कि बरसात से पहले काम पूरा न करने की गलती अब उनके जीवन और घरों पर भारी पड़ रही है।

आईपीआरडी के दो निशानेबाजों का कमाल, राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में चमके पदक

पटना। बिहार सरकार के सूचना एवं जन संपर्क विभाग (आईपीआरडी) के दो निशानेबाजों ने 35वीं राज्य निशानेबाजी प्रतियोगिता 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए विभाग और बिहार का नाम रोशन किया है। सहायक प्रशाखा पदाधिकारी रंजीत कुमार भारती और प्रवीण कुमार ने नालंदा के हरनौत स्थित इंडोर शूटिंग रेंज और पटना के बिक्रम स्थित एसएस शूटिंग एकेडमी में एक से छह अगस्त तक आयोजित प्रतियोगिता में पदक अपने नाम किए।टीम और व्यक्तिगत दोनों स्तरों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रंजीत कुमार भारती ने 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल की व्यक्तिगत स्पर्धा और टीम स्पर्धा में दो स्वर्ण पदक जीते। इसके अलावा उन्होंने 25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल टीम स्पर्धा में कांस्य पदक भी हासिल किया।

अनंत के साथ मुकेश की दुश्मनी दोस्ती में बदलीः दो करोड़ को लेकर हुई थी दुश्मनी

पटना। मोकामा के पूर्व विधायक अनंत सिंह और पंडारक के मुकेश सिंह ने 15 साल की दुश्मनी के बाद एक-दूसरे को गले लगाया है। अनंत सिंह के मोकामा गोलीकांड में जेल से छूटने के बाद बाहापर तक रोड शो हुआ। इस दौरान पंडारक में मुकेश सिंह ने उनका फूल मालाओं से स्वागत किया। मुकेश सिंह कुख्यात भोला सिंह के भाई हैं। मुकेश की पत्नी पंडारक पश्चिमी पंचायत की मुखिया हैं। भोला सिंह पर कई आपराधिक मामले दर्ज हैं और वह फिलहाल फरार है। भोला सिंह सीआरपीएफ के जवान रह चुके हैं और 1994 बैच के एक आईपीएस के लिए भी काम कर चुके हैं। 2010 में अनंत सिंह और भोला सिंह के बीच दो करोड़ रुपए को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद दोनों एक-दूसरे के जानी दुश्मन बन गए। इस दौरान अनंत सिंह ने भोला सिंह को जान से मरवाने का ऑडियो भी वायरल हुआ था। दुश्मनी इतनी बढ़ी कि दोनों ने हथियारों का जखीरा और शूटर भी तैयार किए। कई बार एक-दूसरे को मारने का प्रयास भी किया गया। 2019 में अनंत सिंह का एक और ऑडियो वायरल हुआ था। इसमें अनंत सिंह और भोला सिंह के करीबी के बीच बातचीत थी। विवेका पहलवान के भाई संजय सिंह की पटना में 8 जनवरी 2008 को हुई हत्या के मामले में भोला सिंह मुख्य आरोपी थे। भोला सिंह 20 वर्षों से पूर्व विधायक अनंत सिंह के साथ काम कर रहे थे। 2004 में दोनों ने मिलकर बाढ़ एनटीपीसी में ठेकेदारी शुरू की थी। 2021 में पंडारक पूर्वी से जीते मुखिया प्रियरंजन कुमार उर्फ गोरेलाल, पंडारक थाना के एएसआई राजेश कुमार और लाल बहादुर की हत्या के मामले में भी भोला सिंह का नाम सामने आया था। बिहार के कई अन्य आपराधिक मामलों में भी भोला सिंह का नाम जुड़ा है। दोनों बाहुबली के एक साथ आने के बारे में कहा जा रहा है कि अनंत सिंह जिस जेल में बंद थे, उसी जेल में मुकेश सिंह भी बंद थे। इस दौरान दोनों में नजदीकी बढ़ी। आपस में बातचीत हुई। इसके बाद दोनों ने एक होने का फैसला किया। सूत्रों से जानकारी मिली है कि दोनों के एक होने में केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह की भी अहम भूमिका है। दोनों के एक होने पर मोकामा विधानसभा क्षेत्र के पंडारक प्रखंड में अनंत सिंह को अगले विधानसभा चुनाव में फायदा होगा। लेकिन, यह विधानसभा चुनाव में पार्टी की ओर से उतारे गए कैंडिडेट पर निर्भर करेगा।

राखी लाने जा रहे युवक की गोली मारकर हत्या

सीवान। बाइक सवार नकाबपोश अपराधियों ने एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान जीरादेई निवासी स्व. चंद्रिका सिंह के पुत्र वीपेंद्र कुमार सिंह के रूप में हुई। घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी। घटना जीरादेई थाना क्षेत्र के रेपुरा गैस एजेंसी के समीप की है। घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि वीपेंद्र की बहन ने राखी भेजी थी, जिसे लेने वह एक अन्य युवक के साथ रेपुरा गांव जा रहे थे। इसी दौरान एक बाइक पर सवार दो नकाबपोश अपराधियों ने उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग करने लगा। गोलीबारी में वीपेंद्र की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि उनके साथ जा रहा युवक वहां से किसी तरह भाग निकला। उसने ही परिजनों को घटना की सूचना दी। परिजन तुरंत मौके पर पहुंचे और वीपेंद्र को सदर अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।घटना के संबंध में पुलिस का कहना है कि दोनों अपराधी नकाबपोश थे। एक ने हेलमेट पहन रखा था, जबकि दूसरे ने गमछे से अपना चेहरा ढंके हुए था। घटना को अंजाम देने के बाद दोनों मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही एसडीपीओ सदर टू गौरी कुमारी और जीरादेई थानाध्यक्ष सोनी कुमारी मौके पर पहुंचीं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। घटना के संबंध में एसडीपीओ गौरी कुमारी ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है। अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने टीम का गठन किया।

वेतन संशोधन-पेंशन बढ़ोतरी की मांग पर बीमा कंपनियों का

देशव्यापी एक घंटे का बहिष्कार

पटना। सार्वजनिक साधारण बीमा कंपनियों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने शुक्रवार आठ अगस्त 2025 को अखिल भारतीय स्तर पर एक घंटे का कार्यालय बहिष्कार किया।

यह विरोध ज्वॉइंट फोरम के आह्वान पर आयोजित किया गया, जिसमें देशभर के कर्मचारी और अधिकारी शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने इस दौरान वेतन संशोधन, फैमिली पेंशन बढ़ोतरी और एनपीएस में योगदान वृद्धि जैसी मांगें रखीं।ज्वॉइंट फोरम ने बताया कि अगस्त 2022 से लंबित वेतन पुनरीक्षण पर न तो जीआईपीएसए (GIPSA) और न ही भारत सरकार के वित्त मंत्रालय ने कोई ठोस कदम उठाया है।

इसके अलावा फैमिली पेंशन को वर्तमान 15% से बढ़ाकर 30% करने, एनपीएस में नियोक्ता का योगदान 10% से बढ़ाकर 14% करने और बीमा उद्योग में एफडीआई को 100% करने के निर्णय का विरोध भी इस आंदोलन का हिस्सा है। पटना शहर के हड़ताली अधिकारी और कर्मचारी नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के क्षेत्रीय कार्यालय, सोन भवन, बिरचंद पटेल मार्ग पर एकत्र हुए। भोजन अवकाश के दौरान उन्होंने कार्यालय के मुख्य द्वार पर नारेबाजी की और अपनी मांगों को जोरदार तरीके से रखा। उपस्थित कर्मचारियों ने स्पष्ट किया कि यह केवल सांकेतिक हड़ताल है, लेकिन सरकार ने यदि समय रहते कोई ठोस पहल नहीं की, तो आंदोलन तेज होगा। ज्वॉइंट फोरम के बैनर तले एकजुट सभी संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई, तो 25 अगस्त 2025 को एक दिवसीय अखिल भारतीय हड़ताल की जाएगी। कर्मचारियों ने कहा कि उनकी मांगें लंबे समय से लंबित हैं और अब धैर्य की सीमा समाप्त हो रही है।

महिला दरोगा से परेशान दरोगा ने किया सुसाइड'

पिता बोले- पत्नी को छोड़ने का दबाव बना रही थी, बेटे से शादी करना चाहती थी

गया। 'मेरे बेटे को बैचमेट दरोगा लगातार परेशान कर रही थी। वो लगातार अनुज पर प्रेशर बना रही थी। कहती थी कि तुम अपनी पत्नी को छोड़ दो और मुझसे शादी कर लो। उसी महिला दरोगा के चक्कर में मेरे बेटे अनुज ने अपनी जान दी है।' गयाजी में शुक्रवार को फांसी लगाकर जान देने वाले दरोगा अनुज के पिता भावनाथ मिश्रा ने दैनिक भास्कर से ये बातें कहीं। अनुज कश्यप गयाजी के रख ऑफिस के मीडिया सेल में तैनात थे। दरोगा अनुज कश्यप की आत्महत्या के मामले में एक बैचमेट महिला दरोगा का नाम सामने आया है। उनके पिता भावनाथ मिश्रा ने खुलकर महिला दरोगा पर बेटे को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया है। भावनाथ मिश्रा का दावा है कि 'बेलागंज में तैनात महिला दरोगा स्वीटी कुमारी लगातार अनुज पर अपनी पत्नी को छोड़ने का दबाव बना रही थी। खुद से शादी करने के लिए जबरदस्ती कर रही थी। जबकि अनुज शादीशुदा था और उसकी पत्नी 4 महीने की प्रेग्नेंट है।' अनुज सहरसा के रहने वाले थे। अनुज किराए पर कोयली पोखर मोहल्ले में एक मकान में रहता था। रात 1 बजे वह अपने सरकारी काम से लौटकर रूम में सोया। लेकिन सुबह 5:30 बजे महिला दरोगा वहां पहुंच गई। मकान मालकिन सरिता देवी के मुताबिक, दरवाजा अंदर से बंद था और वह जोर-जोर से खटखटाने लगी। जब दरवाजा नहीं खुला तो वह खुद ही दरवाजा तोड़ने लगी। इस दौरान मकान मालकिन ने तुरंत अनुज की पत्नी को फोन किया और साथ ही पुलिस को भी सूचना दी। पुलिस पहुंची और दरवाजा तोड़ा गया तो अंदर का मंजर देखकर सब हैरान रह गए। अनुज पंखे से लटका हुआ था। अनुज के पिता ने एक और बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि उसी महिला दरोगा स्वीटी कुमारी ने अनुज के कमरे से कुछ जरूरी डॉक्यूमेंट भी गायब कर दिए। उन्होंने यह जानकारी मकान मालकिन के हवाले से दी। साथ ही बताया कि पुलिस की तकनीकी टीम से उन्हें यह भी पता चला है कि अनुज की मौत से पहले आखिरी बार उसी महिला दरोगा से फोन पर बात हुई थी। अब यह जांच का विषय है कि उन दोनों के बीच रात में क्या बातचीत हुई। भावनाथ मिश्रा बेटे की यादों में डूबे हुए हैं। वह कहते हैं- 'जब अनुज एक साल का था तभी उसकी मां गुजर गई थी। मैंने उसे मां-बाप दोनों बनकर पाला। कोई कमी नहीं रखी। उसकी हर पसंद पूरी की। जॉब लगने के बाद भी जब कहता झ बाबूजी सब कुछ ठीक है, पैसे की जरूरत नहीं है। बहुत सीधा-साधा और प्यारा बच्चा था। न पत्नी से परेशानी थी, न ससुराल से कोई टेंशन। लेकिन अब सब खत्म हो गयाझ मेरी पूरी दुनिया उजड़ गई।' रामपुर इंस्पेक्टर दिनेश बहादुर सिंह ने बताया कि 'महिला दरोगा स्वीटी कुमारी को हिरासत में लिया गया है। उससे पूछताछ की जा रही है। अनुज और स्वीटी दोनों एक ही बैच के थे। मृतक के पिता की तहरीर पर केस दर्ज किया गया है।' 'प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि स्वीटी अनुज को मानसिक रूप से प्रताड़ित करती थी। स्वीटी वर्तमान में बेलागंज थाना में तैनात है और बेलागंज बाजार में किराए पर रहती है। इससे पहले वह इमामगंज थाना में भी तैनात रह चुकी है।' गयाजी के एसएसपी आनंद ने इस घटना को बेहद दुखद बताते हुए कहा- 'हमने एक कर्तव्यनिष्ठ पुलिसकर्मी को खो दिया। आत्महत्या के पीछे की वजहों को स्पष्ट करने के लिए एक विशेष जांच टीम गठित की गई है। एसआईटी की जिम्मेदारी एसपी सिटी रामानंद कौशल को दी गई है।' 'फिलहाल महिला दरोगा स्वीटी कुमारी हिरासत में है। पुलिस टेक्निकल डेटा, कॉल रिकॉर्ड और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच आगे बढ़ा रही है। काल डिटेल खंगाला जा रहा है। अनुज कश्यप के परिजनों की ओर से मिले आवेदन के आधार पर मामला दर्ज हो चुका है।'

कुछ ऐसी चीजें जो हमारे जीवन में इस तरह से घुल-मिल गई हैं कि पता ही नहीं चलता कि उसका नाता भारत से नहीं है। कुछ ऐसी चीजें जो हमारे जीवन में इस तरह से घुल-मिल गई हैं कि पता ही नहीं चलता कि उसका नाता भारत से नहीं है। क्या तुम्हें पता है कि समोसे जैसी फेमस चीज जो तुम अक्सर खाया करते हो उसका ऑरिजिन भारत नहीं है। ऐसी ही कुछ और चीजें जो देश में कहीं और से आईं लेकिन इस देश का हिस्सा बन गईं।

भारत ऑरिजिन की नहीं है, देश का हिस्सा बनी ये चीजें

समोसा

यह ट्रायंगल तो सारे बच्चों का प्यारा है या यूं कहें कि बड़ों के मुंह में भी इसको देखकर पानी आ जाता है। क्या तुम्हें पता है कि समोसा भारत की उपज नहीं है। प्राचीन काल में सेंट्रल एशिया के जिन रास्तों से व्यापार हुआ करता था वहां से होता हुआ यह भारत पहुंचा। दरअसल इस ट्रायंगल स्नैक्स को बनाना सबसे आसान होता है और रात को मुसाफिर जब रास्तों में हॉल्ट करते हुए आते थे तो समोसों को कैंपफायर के आस-पास भी तैयार कर लिया करते थे।

आलू

सब्जियों का राजा माना जाने वाला आलू सब्जियों में बच्चों की पहली पसंद है। इसके बिना तो सब्जी या किसी स्नैक की कल्पना करना ही थोड़ा मुश्किल लगता है! लेकिन क्या तुम्हें पता है कि आलू मात्र चार सौ साल पहले ही हमारे देश में आया और यहां तक कि टमाटर का इस्तेमाल भी देश में पहली बार 19वीं शताब्दी में किया गया था।

क्रिकेट

इंग्लैंड में जन्मा यह खेल आज भारत में गली-गली का खेला जाता है। यहां तक

कि आईसीसी की इनकम में भारत की कमाई की भागीदारी 70 से 80 प्रतिशत तक है। देश में क्रिकेट सबसे पॉपुलर खेलों में से एक है।

राजमा

पंजाबी डिशेज की लिस्ट राजमा के बिना अधूरी मानी जाती है। बड़े चाव से राजमा, चावल खाने वालों को यह जानकर आश्चर्य होगा कि यह अपने देश में नहीं बल्कि कोलोनियल अमेरिका में पैदा हुआ है। किडनी बीन्स यानी राजमा को 8000 साल पहले एकेडियन किसानों ने लुसियाना में उपजाया था।

हैंड नीटिंग

सर्दियों के मौसम में अपने घरों में भी तुमने मम्मी या दादी, नानी को हाथों से बुनाई करते हुए देखा होगा। जो कई तरह के स्वेटर तुम्हारे लिए तैयार करती होंगी।

तुम्हें लगता होगा कि यह परंपरा पीढ़ी दर पीढ़ी देश में आगे बढ़ी होगी लेकिन ऐसा नहीं है, क्योंकि हाथों से बुनाई का काम अपने देश की कला नहीं बल्कि इजिप्ट से यहां आया था।

सिल्क

तुम्हारी मम्मी के पास भी सिल्क की साड़ियां जरूर होंगी? क्या तुम्हें पता है कि यह सिल्क हमारे देश की नहीं है, बल्कि कई सदियों पहले चीन के व्यापारी इसे यहां लाए थे। हमारे यहां मिलने वाले सिल्क वॉर्म वही पहले चाइनीज पेयर थे जिनसे सिल्कवॉर्म की संख्या बढ़ाई गई।

पतंग

दो हजार साल पहले पतंगों को चीन में तैयार किया गया था। अब तो भारत में गांव के बच्चों के खेल का यह हिस्सा बन गया है तो शहरों में व्रत-त्योहार के मौके पर लोग रंग-बिरंगी पतंगें उड़ाकर अपनी खुशी का इजहार करते हैं।

चाय

सुबह की शुरुआत तुम्हारे घर में भी चाय की चुस्कियों के साथ होती होगी। लेकिन देश का मुख्य पेय चाय भी चीन से यहां पहुंचा है।

कागज पर उतारो पत्तियां

आजकल वॉटर कलर डेकोरेशन और डिजाइन में इस्तेमाल हो रहा है लेकिन हम इस वॉटरकलर को पत्तियां बनाने के लिए प्रयोग करेंगे। इससे तैयार पत्तियां एक बेहतरीन आर्ट वर्क की तरह नजर आती हैं।

किन चीजों की होगी जरूरत

- वॉटरकलर सेट
- विभिन्न प्रकार के वॉटर कलर ब्रशेस
- गार्डन से तोड़ी हुई अलग-अलग प्रकार की पत्तियां

बनाओ कलर पैलेट

सबसे पहले तो अपना एक कलर पैलेट तैयार करो और उसकी टेस्टिंग पेपर के अलग-अलग टुकड़ों पर करो। जब तक तुमको अपना पसंदीदा शेड ना मिल जाए तब तक पैलेट तैयार करते रहो ताकि जब तुम पत्तियों को उससे ड्रॉ करो तो वो बिल्कुल असली नजर आएं।

कौन-कौन से कलर

परमानेंट सैप ग्रीन, ग्रीन ब्लू शेड, रॉ एंबर, ब्लू ग्रीन, बरन्ट सिएना। बाकी शेड अन्य कलर्स के मिक्सचर से तैयार किए जा सकते हैं।

डूडलिंग करना तो हर किसी को भाता है लेकिन क्या कभी सीरियस पेंटिंग के बारे सोचा है। अरे तुम्हें पेंटर बनाने की बात नहीं कर रहे, यदि तुम्हें भी रंगों से प्यार है और कुछ न कुछ बनाते रहना तुम्हारी हॉबी है तो क्यों ना कुछ क्रिएटिव किया जाए। आओ मिलकर वॉटर कलर के जरिए लीविंग लीव्स को कागज पर उतारें, सोच में पड़ गए! चलो इसे करके देखते हैं।

इस तरह दो अपनी पत्तियों को आकार

- सबसे पहले लाइट स्केच तैयार करो और फिर इसे भीगे ब्रश से अंदर की ओर भरो। इससे तुम्हें कलर के फरस्ट लेयर को फैलाने में मदद मिलेगी।
- तुमने ग्रीन का जो शेड तैयार किया है उसका सबसे हल्का शेड प्रयोग करो।
- पहली लेयर के सूख जाने के बाद दूसरी लेयर बनाओ जो सबसे हल्के शेड की हो। अब डार्क शेड की दूसरी लेयर लगाओ और उसे फिर सूखने दो।
- पेपर को थोड़ा तिरछा कर दो और पेंट को पेंट की हुई पत्ती के टिप तक पहुंचने दो। इसके सूख जाने के बाद ग्रीन की एक और लेयर इस पर लगाओ।
- वॉटर कलर में यह चीज स्पष्ट नजर आती है इसमें जितने लेयर्स में कलर लगाए जाते हैं इमेज उतनी ही क्लियर नजर आने लगती है।
- अपने ब्रश को पानी में डुबाकर उसे पत्ती के ऊपर फिराओ। जब यह हल्का गीला रहे तो उसके ऊपर रॉ एंबर कलर का हल्का शेड पत्ती के लाइट साइड पर लगाओ।
- कलर जब हल्के गीले हों तो अपने ब्रश पर बरन्ट सिएना कलर को पत्ती के ऊपर टपकाओ। तुम देखोगे कि कलर्स एक-दूसरे पर चढ़े हुए नजर आएंगे।
- अब पत्ती के अलग-अलग हिस्से पर कलर टपकाओ।
- भीगे हुए पतले ब्रश से पत्ती पर वेन्स बनाओ और साथ ही पत्तियों की डिटेल उस पर ड्रॉ करो।
- ऐसा तुम कई पत्तियों के साथ कर सकते हो।

कैसे बनते हैं स्नोफ्लैक्स?

उन जगहों पर जहां चारों ओर बर्फ की चादर बिछी हो और हर तरफ सिर्फ एक ही रंग नजर आता हो..सफेद। इन्हें कहते हैं स्नोफ्लेक्स।

उन जगहों पर जहां चारों ओर बर्फ की चादर बिछी हो और हर तरफ सिर्फ एक ही रंग नजर आता होसफेद। इस बीच कहीं-कहीं कुदरत की ऐसी कलाकारी नजर आती है कि उसे कैमरे में कैद किए बिना नहीं रहा जा सकता। ये हैं स्नोफ्लेक्स या बर्फ की पपड़ी। स्नोफ्लैक्स की सबसे अनोखी बात ये है कि इनमें से किसी का भी आकार एक-दूसरे से मेल नहीं खाता है। हरेक आकृति यूनिक होती है। इनको देखकर ऐसा जान पड़ता है कि किसी ने क्रिस्टल के जरिए सुंदर आकृति तैयार की है लेकिन ये तो प्रकृति की कारीगरी है। इनके यूनीक शेप के कारण ही दुनियाभर के फोटोग्राफर्स बेस्ट स्नोफ्लैक्स की तस्वीरें लेने की तैयारी में रहते हैं।

कुदरत की कारीगरी

स्नोफ्लैक्स बनने की शुरुआत छोटे-छोटे डस्ट पार्टिकल्स या पॉलेन पार्टिकल्स के वॉटर वेपर के संपर्क में आने से होती है। ये वॉटर वेपर इन पार्टिकल्स के ऊपर इकट्ठी हो जाती हैं और जब ठंडे वातावरण में ये जमती हैं तो छोटे-छोटे आइस क्रिस्टल जैसे नजर आने लगते हैं। ये छोटे-छोटे क्रिस्टल सीड्स की तरह होते हैं जिनसे स्नोफ्लैक्स का जन्म होता है। तुम्हें यह जानकर आश्चर्य होगा कि ये छोटे आइस क्रिस्टल नेचुरली अरेंज होकर हेक्सागोनल यानी सिक्स साइडेड स्ट्रक्चर बना लेते हैं। इस तरह के सिक्स साइडेड आइस क्रिस्टल ही 'स्नोफ्लैक्स'' कहलाते हैं। चूंकि स्नोफ्लेक्स के आस-पास की हवा से ये अधिक वजनदार होते हैं इसलिए कुछ समय में अपने-आप गिरना भी शुरू हो जाते हैं।

हर स्नोफ्लै है डिफरेंट

यूं सारे स्नोफ्लैक्स हेक्सागॉनल होते हैं लेकिन इनकी जियोमैट्री अलग-अलग होती है। डिफरेंट टेम्परेचर और ह्यूमिड कंडीशन से होकर जब स्नोफ्लैक्स नीचे गिरते हैं तो उनके शेप भी डिफरेंट हो जाते हैं। किसी में नुकीले आर्म्स निकले रहते हैं तो किसी में बहुत ही चौड़े। स्नोफ्लैक्स का निर्माण पृथ्वी पर काफी ऊंचाई पर होता है इसलिए जमीन पर इसका स्नो के रूप में नीचे गिरना हर बार हो ऐसा नहीं है। यह तभी हो सकता है जब हवा का टेम्परेचर फ्रीजिंग से कम हो।

केक की टॉपिंग पर स्नोफ्लैक्स

स्नोफ्लैक्स के अलग-अलग मजेदार शेप्स के कारण कई पार्टीज का इसे हिस्सा बनाया जा रहा है, वो भी केक को सजाने के लिए। अब तो स्नोफ्लैक्स के शेप को आर्टिफिशियल रूप से तैयार किया जाने लगा है। लोग अपनी पसंद के अनुसार डिफरेंट शेप वाले स्नोफ्लैक्स से भरी बोटल खरीदते हैं और केक को और भी मजेदार ढंग से प्रेजेंट करते हैं।

तीन सेर चावल

पुराने जमाने की बात है। किसी गांव में मोहन नाम का एक लड़का रहता था। वह बहुत शैतान था। हर दिन उसकी शिकायतें उसके माता-पिता को सुनने को मिलतीं।

पिता ने मोहन को विद्यालय भेज दिया, लेकिन उसकी शरारतों से शिक्षक भी बहुत दुखी हो गए। उस पर अपने शिक्षक की बातों का भी कोई असर नहीं होता था।

मोहन कई बार बच्चों की सीट के नीचे चींटियां छोड़ देता, जिससे वे ठीक से पढ़ न पाते। बच्चे उसके डर से उसकी शरारतों के बारे में अपने शिक्षकों से भी शिकायत न करते। एक दिन तंग आकर मास्टरजी ने उसे विद्यालय से निकाल दिया।

उस जमाने में जंगल अधिक थे। चारों ओर पेड़-पौधों की भरमार थी। अब मोहन जंगल में जाकर पेड़-पौधों का ध्यान करता, पानी देकर सींचता। घर में उसका मन नहीं लगता था। उसकी चिंता में मां परेशान रहतीं।

मोहन के गांव में एक बूढ़ा आदमी भीख मांगने आता था। वह उसे भी बहुत तंग करता। कभी उसका थैला छीनकर उसमें रखी रोटी निकालकर जानवरों को खिला देता, तो कभी बूढ़े पर पानी डाल देता। लेकिन बूढ़ा उसके गांव में जरूर आता। लोग उससे पूछते कि इतना तंग होने के बाद भी वह इस गांव में भीख मांगने क्यों आता है? वह सबको एक ही उत्तर देता, मोहन बच्चा है। बच्चे शरारत नहीं करेंगे, तो क्या हम बड़े लोग करेंगे? उसकी बात सुनकर लोग चुप हो जाते।

इस प्रकार कई महीने बीत गए। एक दिन मोहन किसी गांव से आ रहा था। उसे घर पहुंचने की जल्दी थी। किसी किसान ने अपनी फसल की रक्षा के लिए नागफनी की बाड़ लगा रखी थी। रास्ते में नागफनी के कांटे गिरे हुए थे। उसकी नजर उन कांटों पर पड़ी। उसने सोचा कि वह एक-दो नागफनियों को लेकर रास्ते पर डाल दे, तो बड़ा मजा आएगा। उसने दो नागफनियों को उठा लिया और उन्हें घास के नीचे छिपा दिया। फिर घर चला आया।

दो-तीन दिन बीत गए। आज वह स्वयं उसी रास्ते से जा रहा था। उसी रास्ते से बूढ़ा भिखारी भी आ रहा था। मोहन को शरारत सूझी। उसने कहा, जरा थैला दिखाना। भिखारी ने उसे थैला दे दिया। उसमें एक फटी धोती थी। दो रोटियां भी थीं। वह थैले को लेकर उछालने लगा कि अब वह थैला नहीं देगा।

भिखारी उसके करीब आता, तो वह दौड़कर थोड़ी दूर भाग जाता।

इसी भाग-दौड़ में अचानक सूखी नागफनी पर मोहन का पांव पड़ गया। उसके पूरे तलवे में कांटे चुभ गए। वह अचानक एक ओर लुढ़क गया। थैला उसके हाथ से छूट गया। भिखारी मोहन के पास आया। वहां उसने अपनी लाठी से घास हटाई, तो उसे एक और नागफनी नजर आई। उसने उसे भी डंडे से दूर हटा दिया और मोहन के पास बैठकर पांव से कांटे निकालने लगा।

भिखारी ने मोहन के पांव से काफी कांटे निकाल दिए। फिर भी कुछ कांटे उसके पांव में चुभे ही रह गए। भिखारी ने उसे सहारा देकर खड़ा किया। मोहन ने कहा, मैं घर नहीं जाऊंगा। छाया में बैठकर तलवे के सारे कांटे निकालूंगा, तब घर लौटूंगा।

भिखारी ने कहा, यदि तुम मेरी झोंपड़ी तक चलो, तो मैं तलवे के सारे कांटे निकाल दूंगा। ऐसा लेप लगा दूंगा कि तुम्हारा पांव जल्दी ठीक हो जाएगा। मोहन तैयार हो गया।

भिखारी उसे अपने कंधे का सहारा देकर, झोंपड़ी तक ले आया। फर्श पर एक फटी-पुरानी दरी और कंबल का टुकड़ा बिछा हुआ था। उसी पर उसने मोहन को लिटाया। पानी गरम कर उसका पांव धोया। फिर कांटे निकालकर पैर पर जड़ी-बूटी का लेप कर दिया। मोहन को लेप से बहुत राहत मिली और वह सो गया।

भिखारी ने अपने थैले से भीख में मिले चावल निकाले और खिचड़ी बनाई। फिर गांव जाकर दूध ले आया। उसने मोहन को खिचड़ी खिलाकर पीने के लिए दूध गरम करके दिया। मोहन को अब उस भिखारी को बुड्ढा कहने में शर्म आई। उसने भिखारी को 'दादा' कहकर पुकारा। दादा शब्द सुनकर भिखारी की आंखों से आंसू झरने लगे। मोहन ने चकित होकर पूछा, तुम रो क्यों रहे हो?

नहीं बेटा, कोई बात नहीं है। मैं तीस वर्षों से यहां अकेला पड़ा हूं। तुमने मुझे दादा कहा, तो मेरा दिल भर आया। भिखारी बोला।

नहीं दादा, अब तुम्हें भीख मांगने की जरूरत नहीं होगी। मैं तुम्हें खिलाऊंगा। मोहन बोला।

भिखारी हंसकर चुप हो गया। शाम होने जा रही थी। भिखारी ने उसके पांव का लेप गरम पानी से धो दिया। अब उसके पांव में एक भी कांटा नहीं था। इसके बाद भिखारी उसे गांव तक छोड़ने आया। मोहन दौड़कर घर गया और रोटी तथा सब्जी लेकर आया। कहा, दादा, इसे रात में खाना। मैं कल सुबह आऊंगा।

भिखारी घर लौट आया। वह सोच रहा था कि मोहन कितना अच्छा लड़का है।

मोहन दूसरे दिन उठा और एक किसान से बोला, यदि आपको मजदूर की जरूरत हो, तो मैं काम करने के लिए तैयार हूं। किसान को एक मजदूर की जरूरत तो थी, मगर वह मोहन को एक शरारती बच्चे के रूप में जानता था। वह मोहन से बोला, तुम्हें शरारत से फुरसत मिलेगी, तभी तो काम करोगे।

मुझसे आज काम लेकर देखो चाचा, तब पता चलेगा।

ठीक है, चलो काम करो। किसान बोला।

मोहन ने दिन भर मेहनत से काम किया। बदले हुए मोहन को देखकर किसान बहुत चकित था। उसने मोहन को तीन सेर चावल मजदूरी में दिए।

मोहन चावल लेकर भिखारी की झोंपड़ी में जा पहुंचा। भिखारी खाना बनाने की तैयारी कर रहा था। उसने जब चावल देखे, तो बोला, मोहन बेटा! ये ले जाकर अपनी मां को दो। मेरा गुजारा तो भगवान चला ही रहा है।

नहीं दादा! ये चावल तुम रखो। ये मैंने दिन भर मजदूरी करके कमाए हैं। तुम नहीं रखोगे, तो मैं कल से मजदूरी नहीं करूंगा और शरारतें करने लगूंगा।

उस दिन से मोहन बहुत बदल गया। अब वह हर एक की मदद करने की कोशिश करता। गांव के सब लोग उसकी खूब तारीफ करते।

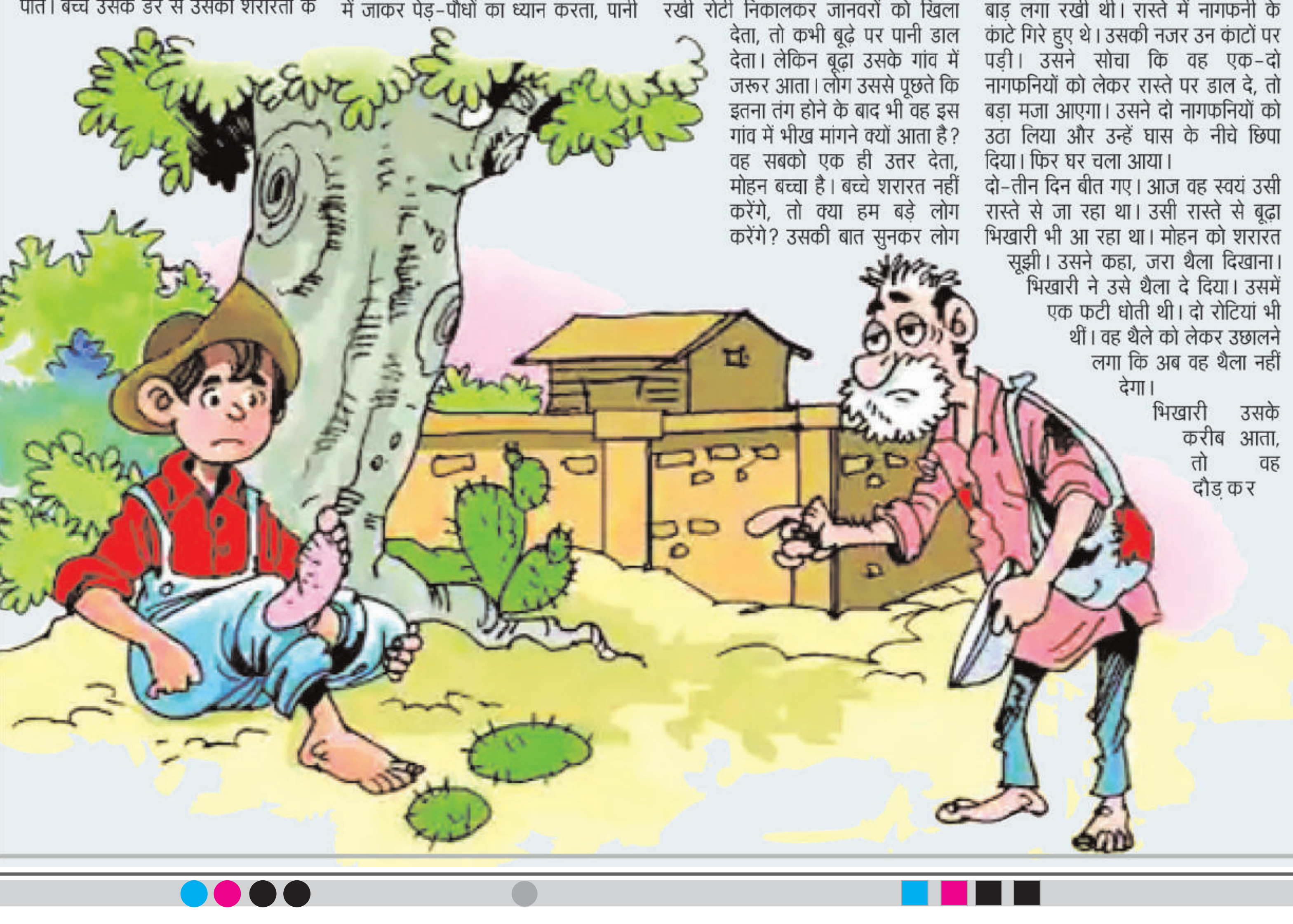

रोहित शर्मा 2027 वनडे वर्ल्ड कप में करेंगे भारत की कप्तानी, आईसीसी ने दिया बड़ा हिंट

नई दिल्ली (एजेंसी)। रोहित शर्मा ने टी20 और टेस्ट फॉर्मेट को अलविदा कह दिया है। जिसके बाद अब वह सिर्फ वनडे क्रिकेट में भारत के लिए खेलते हुए दिखेंगे। इतना ही नहीं रोहित अभी वर्ल्ड कप के कप्तान भी हैं। फैंस को उम्मीद है कि रोहित वनडे वर्ल्ड कप 2027 तक कप्तानी कर सकते हैं। वहीं अब फैंस को उम्मीदों को बल आईसीसी के एक पोस्टर ने भी दे दिया है।

दरअसल, 2026 में भारतीय टीम लिमिटेड ओवर की सीरीज के लिए इंग्लैंड का दौरा करेगी। इस दौरान दोनों टीमों के बीच 5 टी20 और 3 वनडे मैचों की सीरीज खेली जाएगी। इस सीरीज को लेकर आईसीसी ने एक पोस्टर जारी किया है। इसमें इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक और भारत के मौजूदा वनडे कप्तान रोहित शर्मा नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर ने फैंस को सोचने पर मजबूर कर दिया है कि अगर रोहित 2026 में टीम की कप्तानी करेंगे तो क्या वह 2027 वर्ल्ड कप तक वनडे कप्तान बने रह सकते हैं?

टी20 वर्ल्ड कप 2024 में जीत के बाद रोहित ने इस फॉर्मेट को टाटा कर दिया था। अब उनका पूरा फोकस वनडे पर है। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने हाल ही में जोर देकर कहा था कि 2027 के लिए योजना बनाना अभी जल्दबाजी होगी। इंग्लैंड सीरीज से पहले गंभीर ने कहा कि, उससे पहले अभी टी20 वर्ल्ड कप बाकी है। वह भी एक टूर्नामेंट है, जो फरवरी-मार्च में भारत में होने वाला है। इसलिए इस समय पूरा फोकस है। इंग्लैंड सीरीज के बाद टी20 वर्ल्ड कप पर फोकस रहेगा। नवंबर-दिसंबर 2027 में होने वाले वर्ल्ड कप में अभी भी ढाई साल का समय है।

गंभीर ने आगे कहा कि, अगर आप अच्छा प्रदर्शन करते रहें, तो उम्र बस एक नंबर है। भारत के पास अभी 3 फॉर्मेट में 3 कप्तान हैं। सूर्यकुमार यादव टी20 इंटरनेशनल की कमान संभाल रहे हैं। वहीं रोहित के संन्यास के बाद शुभमन गिल को टेस्ट टीम की जिम्मेदारी सौंपी गई। गिल की कप्तानी वाली

टीम ने इंग्लैंड में 5 मैचों की सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराई।

39 साल बाद न्यूजीलैंड ने हिलाई रिकॉर्ड बुक; भारत के अलावा ऐसा करने वाली बनी तीसरी टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। बुलावायो के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में खेले जा रहे जिम्बाब्वे और न्यूजीलैंड के बीच दूसरे टेस्ट में कीवी बल्लेबाजों ने ऐसा धमाका किया कि रिकॉर्ड बुक हिल गई। पहली पारी में जिम्बाब्वे को मात्र 125 रनों पर ढेर करने के बाद न्यूजीलैंड ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक 130 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर 601 रन ठोक दिए। सबसे खास बात यह रही कि डेवोन कॉन्वे, रचिन रवींद्र और हैनरी निकोल्स तीनों बल्लेबाजों ने 150 रन का आंकड़ा पार किया। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में यह सिर्फ तीसरी बार हुआ है, जबकि न्यूजीलैंड ने पहली बार यह उपलब्धि हासिल की है। मैच में सलामी बल्लेबाज कॉन्वे ने 153 रन की शानदार पारी खेली और टीम को मजबूत शुरुआत दी। इसके बाद रवींद्र और निकोल्स ने चौथे विकेट के लिए 250 से ज्यादा रनों की नाबाद साझेदारी कर मेजबानों की कमर तोड़ दी। दोनों बल्लेबाज दूसरे दिन के अंत तक क्रीज पर डटे रहे और रन बरसाते रहे। जिम्बाब्वे के गेंदबाजों के पास इन पर कोई जवाब नहीं था। इससे पहले यह कारनामा भारत ने 1986 में कानपुर टेस्ट में श्रीलंका के खिलाफ किया था। उस मैच में श्रीलंका को पहली पारी में 420 रनों पर रोकने के बाद भारत ने 676 रन बनाए थे। इस दौरान सुनील गावस्कर ने 176, मोहम्मद अजहरुद्दीन ने 199 और कप्तान कपिल देव ने 163 रन ठोके थे। भारतीय बल्लेबाजों की इस त्रयी ने विपक्षी टीम को मैच से पूरी तरह बाहर कर दिया था। ऐतिहासिक उपलब्धि की शुरुआत 1938 में इंग्लैंड ने की थी, जब ओवल टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्होंने यह अनोखा रिकॉर्ड बनाया। उस मुकाबले में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 903 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था और 7 विकेट पर पारी घोषित कर दी थी। लियोनार्ड हटन ने 364, मौरिस लेलैंड ने 187 और जो हार्डस्टाफ ने 169 रन बनाए थे। इसके बाद इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को 201 और 123 रनों पर आउट कर मैच 579 रनों से जीता था। बुलावायो टेस्ट में न्यूजीलैंड की मौजूदा स्थिति देखकर यह साफ है कि वे न केवल मैच पर पूरी पकड़ बना चुके हैं, बल्कि अपने बल्लेबाजों की ऐतिहासिक पारी से क्रिकेट जगत में फिर एक बार खास पहचान बना रहे हैं। यह प्रदर्शन लंबे समय तक याद किया जाएगा, क्योंकि इसने कीवी क्रिकेट के स्वर्णिम पलों में एक और अध्याय जोड़ दिया है।

क्रिकेटर यश दयाल पर लगा बैन, अब इस बड़ी टी20 लीग में नहीं खेल पाएंगे

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारत के तेज गेंदबाज यश दयाल की मुश्किलें कम होने की बजाय बढ़ती जा रही हैं। दरअसल, रेप केस में फंसे यश दयाल पर अब बैन लग गया है। आईपीएल में आरसीबी के लिए खेलने वाले लेफ्ट आर्म तेज गेंदबाज यश दयाल इस साल यूपीटी20 लीग में खेलने नहीं दिखेंगे। UPCA ने यश दयाल पर बैन लगा दिया है। यूपी क्रिकेट एसोसिएशन ने ये फैसला जयपुर के सांगानेर सदर पुलिस स्टेशन में यश दयाल के खिलाफ एक एफआईआर दर्ज होने के बाद लिया है, जिसमें उनपर पर 17 साल की नाबालिग के साथ बलात्कार का आरोप लगाया गया था। यश दयाल को आखिरी बार मई की शुरुआत में आईपीएल 2025 ट्रॉफी जीतने वाली आरसीबी टीम का हिस्सा रहते हुए देखा गया था। इसके बाद से वह क्रिकेट के मैदान से दूर हैं। रिपोर्ट के अनुसार, गोरखपुर लायंस द्वारा 7 लाख रुपये में खरीदे गए यश दयाल को यूपीसीए ने यूपीटी20 2025 में भाग लेने से प्रतिबंधित कर दिया है। रिपोर्ट में यूपीसीए सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि यश दयाल पर दर्ज मामलों के कारण उन्हें लीग से

प्रतिबंधित कर दिया गया है। बता दें कि, पहले यश दयाल पर एक महिला ने गाजियाबाद में एफआईआर दर्ज कराई। इसमें कहा गया था कि यश दयाल ने महिला को शादी का झांसा देकर उनका यौन शोषण किया। ये शिकायत 21 जून को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के शिकायत पोर्टल पर दर्ज की गई थी, जिसके बाद औपचारिक एफआईआर दर्ज की गई थी। हालांकि, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने यश दयाल की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी थी। फिर जुलाई की शुरुआत में यश दयाल पर जयपुर में एफआईआर दर्ज हुई। इस बार राजस्थान हाई कोर्ट ने गिरफ्तारी पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। हालांकि, मामले की अगली सुनवाई 22 अगस्त को होगी।

आयरलैंड की महिला टीम ने पाकिस्तान को चार विकेट से हराया

डबलिन (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट में इस वक्त कुछ भी अच्छा नहीं चल रहा है। पाकिस्तान की पुरुष टीम में आए दिन बवाल होते हैं। पाकिस्तान की टीम लंबे समय से कोई बड़ा टूर्नामेंट और सीरीज नहीं जीत पाई है। कुछ वैसा ही हाल पाकिस्तान की महिला टीम का भी हो चुका है। पाकिस्तान की महिला टीम को आयरलैंड जैसी कमजोर टीम के खिलाफ टी20 सीरीज में शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। इस सीरीज के दूसरे मैच में आयरलैंड की टीम ने पाकिस्तान को हराया और सीरीज अपने नाम कर ली है।

आयरलैंड की टीम ने जीती सीरीज

आयरलैंड ने पाकिस्तान को रोमांचक टी20 मुकाबले में हराया। जेन

मेगोइर ने आखिरी गेंद पर छक्का मारकर आयरलैंड को जीत दिलाई। आयरलैंड ने क्लोनटर्फ क्रिकेट क्लब में खेले गए दूसरे टी20 मैच में पाकिस्तान को 4 विकेट से हराया। इस जीत के साथ आयरलैंड ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 168 रन बनाए थे। जवाब में आयरलैंड ने आखिरी गेंद पर लक्ष्य हासिल कर लिया।

पाकिस्तान ने बनाए 168 रन

पाकिस्तान की शवाल जुल्फिकार ने 27 गेंदों में 33 रन बनाए। वह कारा मरे का शिकार बनीं। पाकिस्तान ने 6 विकेट खोकर 168 रन बनाए। आयरलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। रमीन शमीम ने गेबी लुइस और ली पॉल को लगातार गेंदों पर आउट कर दिया। आयरलैंड का स्कोर 3 विकेट पर 35 रन हो गया था। लौरा डेलानी ने हैट्रिक गेंद को बचाया। उन्होंने 42 रन बनाए। ओर्ला प्रेनडरगास्ट ने 34 गेंदों में 51 रन बनाए। रेबेका स्टॉकेल 16 गेंदों में 34 रन बनाकर नाबाद रहीं। एवा कैनिंग आखिरी गेंद से पहले स्टंप आउट हो गईं। इससे मेगोइर को हीरो बनने का मौका मिल गया।

जब भी बल्लेबाजी पर उठे सवाल, शुभमन गिल ने बल्ले से दिया बखूबी जवाब

नई दिल्ली। भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज पार्थिव पटेल का मानना है कि टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी सीरीज में अपनी बल्लेबाजी से उन सभी सवालों के जवाब दे दिए जो अक्सर उठाए जाते थे। इंग्लैंड में पांच मैचों की श्रृंखला में गिल की पहली सीरीज 2-2 की बराबरी पर खत्म हुई। वह श्रृंखला में उन्होंने सबसे ज्यादा रन बनाए। गिल ने 10 पारियों में 75.40 की औसत से 754 रन बनाए। गिल ने चार शतक लगाए। उन्हें सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबक पार्थिव पटेल ने कहा कि जब गिल बल्लेबाजी के लिए उतरे थे, तो सवाल उठ रहे थे कि क्या वह विदेशी पिच पर अच्छा प्रदर्शन कर सकेंगे? क्या वह लगातार अच्छा प्रदर्शन कर पाएंगे? लेकिन उन्होंने सभी सवालों के जवाब दिए। हेडिंग्ले में गिल ने पहली पारी में 147 रन बनाए, तो दूसरी पारी में लोगों ने कहा कि उस बड़े स्कोर के बाद उन्होंने अपना विकेट गंवा दिया। एजबेस्टन में पहली पारी में 269 रन आए तो चर्चा हुई कि कहीं यह रन कम न पड़ जाएं लेकिन उन्होंने दूसरी पारी में 161 रन बनाए। पटेल ने कहा कि तीसरे टेस्ट में, वह दोनों पारियों में जल्दी आउट हो गए, और उनके फॉर्म पर फिर से सवाल उठने लगे, जबकि पिछले मैच में उन्होंने पहले ही 430 रन बना लिए थे और फिर मैनचेस्टर में उन्होंने शतक लगाया, एक ऐसा मैच जिसे भारत को ड्रॉ कराना था। जब भी कोई चुनौती आई है, जब भी सवाल पूछे गए, गिल ने अपने बल्ले से उनका बखूबी जवाब दिया।

सचिन से आगे निकल जाएंगे रुट : पनेसर

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोंटी पनेसर का मानाना है कि स्टार जो रूट अपने करियर में 18,000 रन बना सकते हैं। पनेसर के अनुसार जिस प्रकार रुट ने भारत के खिलाफ सीरीज में कई रिकार्ड बनाये। वह सिलसिला आगे भी जारी रह सकता है। पिछले कुछ सालों में जो रूट ने जमकर रन बनाये हैं। ऐसे में वह महान भारतीय बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का सबसे ज्यादा 15921 रनों का रिकॉर्ड भी तोड़ सकते हैं। रूट भारत के खिलाफ खेली गई टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज रहे। उन्होंने 500 से ज्यादा रन बनाए। सीरीज के अंतिम मैच में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग के टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने के रिकार्ड को पीछे छोड़ा। पोंटिंग ने 13378 रन बनाए हैं, जबकि रूट के अब 13543 रन हो गए हैं। रूट तेंदुलकर से केवल 2378 रन पीछे हैं। पनेसर का मानना है कि जो रूट तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़कर आगे निकल जाएंगे। मुझे लगता है कि 18,000 रन बनाएंगे क्योंकि वह सिर्फ 34 के हैं। वह 34 के हैं, उनके पास 6 साल और है।

टीम इंडिया के धुंरधर बल्लेबाज विराट अमीन के साथ फिर पिच पर आए नजर

ऑस्ट्रेलिया दौरे में एक दिवसीय मैचों के लिए कर सकते हैं वापसी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले टीम इंडिया के धुंरधर बल्लेबाज विराट कोहली पिच पर लौट आए हैं। उन्होंने गुजरात टाइटंस के सहायक कोच नईम अमीन की मौजूदगी में अभ्यास किया। कोहली ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा- हिट में मदद के लिए शुक्रिया, भाई। आपको देखकर हमेशा अच्छा लगता है। उन्होंने सेशन के दौरान नईम अमीन के साथ अपनी एक तस्वीर भी शेयर की। अमीन ने अपने अकाउंट पर दोबारा स्टोरी शेयर करते हुए कहा कि भाई, आपको देखकर अच्छा लगा! जल्द ही मिलते हैं। अमीन बर्कशायर, बकिंघमशायर और लंदन में माइटी विलो अकादमी चलाते हैं और इससे पहले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सनराइजर्स हैदराबाद के कोचिंग स्टाफ में रहे। इससे पहले भारत के तेज गेंदबाज ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या भी अच्छे अभ्यास सत्रों के लिए अमीन की अकादमी में आ चुके हैं। विराट कोहली टेस्ट और टी20 क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। कोहली का ध्यान अब भारत के लिए वनडे और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के साथ आईपीएल की प्रतिबद्धताओं पर केंद्रित है। कोहली ने 302 वनडे इंटरनेशनल मैचों में 14,181 रन बनाए हैं। उन्होंने आखिरी बार आईपीएल 2025 के फाइनल में शानदार पारी खेली थी। विराट कोहली ने 43 रनों की पारी खेली थी, जिससे आरसीबी ने अहमदाबाद में हुए खिताबी मुकाबले में पंजाब किंग्स को छह रनों से हराकर पहली ट्रॉफी जीती थी। कोहली को फिर से मैदान पर देखने के लिए उनके फैंस बेताब हैं। हालांकि फैंस को अभी अक्टूबर तक इंतजार करना पड़ेगा। भारत को यूं तो अगस्त में बांग्लादेश में तीन एकदिवसीय मैच खेलने थे, लेकिन यह श्रृंखला सितंबर 2026 तक के लिए स्थगित कर दी गई। कोहली और रोहित शर्मा, जो टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों से संन्यास ले चुके हैं, दोनों के भारत के ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के दौरे के एकदिवसीय चरण के लिए वापसी करने की उम्मीद है।

पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराया

टरूबा(एजेंसी)। टी20 सीरीज में कहर ढाने के बाद पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली जा रही वनडे सीरीज का भी विजयी आगाज किया है, लेकिन ये जीत उसे आसानी से नहीं मिली। त्रिनिदाद के ब्रायन लारा स्टेडियम में खेले गए सीरीज के पहले मैच में पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की टीम 49 ओवरों में 280 रनों पर ऑलआउट हो गई। पाकिस्तान ने ये टारगेट 48.5 ओवरों में पांच विकेट खोकर हासिल कर लिया।

टारगेट का पीछा करते हुए पाकिस्तान ने एक समय अपने पांच विकेट 180 रनों पर ही खो दिए थे और उस पर हार का संकट था। तभी हसन नवाज और हुसैन तलत ने बेहतरीन साझेदारी कर टीम को जीत दिलाई। हसन ने 54 गेंदों पर पांच चौके और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 63 रन बनाए। हुसैन तलत ने 37 गेंदों पर चार चौके और एक छक्के की मदद से 41 रनों की नाबाद पारी खेली।

बाबर अर्धशतक से चूके

सैम अयूब पाकिस्तान को अब्दुल्ला शफीक के साथ मिलकर अच्छी शुरुआत नहीं दे सके। अयूब ने 12 गेंदों पर पांच रन बनाए। अब्दुल्ला ने फिर बाबर आजम के साथ मिलकर टीम को 50 के पार पहुंचा दिया। शामर जोसेफ ने इस साझेदारी को तोड़ा और शफीक को 29 रनों पर आउट कर दिया। उनका विकेट 63 रनों पर गिरा। बाबर आजम अर्धशतक पूरा नहीं कर सके। 47 के निजी स्कोर पर उन्हें गुडकेश मोती ने अपना शिकार बनाया। बाबर ने 64 गेंदों का सामना कर पांच चौके और एक छक्का मारा।

सलमान अगा 23 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान मोहम्मद रिजवान के रूप में पाकिस्तान ने अपना पांचवां विकेट खोया। वह 69 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 53 रन बना पाए। यहां से पाकिस्तान पर हार का संकट था। हसन और हुसैन ने पहले विकेट पर पैर जमाए और फिर स्कोरबोर्ड को चालू रखते हुए टीम को जीत की दहलीज पार कराई। इन दोनों ने 104 रनों की शतकीय साझेदारी कर टीम को जीत दिलाई।

विंडीज की तरफ से लगे तीन अर्धशतक

पहले बैटिंग करने उतरी वेस्टइंडीज को शाहीन अफरीदी ने शुरुआती झटका दे दिया। उन्होंने चार के कुल स्कोर पर ब्रेंडन किंग को पवेलियन की राह दिखाई। दूसरे सलामी बल्लेबाज एविन लुईस ने कैसी कार्टी के साथ मिलकर टीम को खराब शुरुआत से बाहर निकाला। कार्टी 30 रन बनाकर पवेलियन लौट लिए। लुईस को 105 के कुल स्कोर पर अयूब ने पवेलियन भेज दिया। शेरफन रदरफोर्ड को सलमान ने 10 रनों के निजी स्कोर पर आउट कर वेस्टइंडीज को चौथा झटका दिया। इसके बाद कप्तान

शै होप और रोस्टन चेज ने टीम को संभाला। दोनों ने 64 रन जोड़े। होप को 55 के निजी स्कोर पर अफरीदी ने अपना शिकार बनाया। अफरीदी ने फिर खतरनाक रोमारियो शेफर्ड को चार रनों से आगे नहीं जाने दिया। नसीम शाह ने चेज को आउट कर अपना खाता खोला। अंत में मोती ने 18 गेंदों पर तीन चौके और दो छक्कों की मदद से 31 रन बनाते हुए टीम को 250 के पार पहुंचाया।

शाहीन अफरीदी ने अपने नाम किया ये खास रिकॉर्ड

नई दिल्ली। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी ने खराब फॉर्म होने के बाद भी शानदार प्रदर्शन कर वेस्टइंडीज के खिलाफ धमाल मचाया है। त्रिनिदाद में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे मैच में उन्होंने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। शाहीन अफरीदी ने राशिद खान को एक खास सूची में पीछे कर दिया है। उन्होंने 65 वनडे खेलने के बाद सबसे ज्यादा विकेट लेकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। पाकिस्तान के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने मेजबान टीम के खिलाफ टॉस जीत कर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। इविन लुईस, रोस्टन चेज और कप्तान शाई होप की अर्धशतकीय पारी के दम पर वेस्टइंडीज ने 280 रन बनाए। पाकिस्तान ने 48.5 ओवर में पांच के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर 3 मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल की। शाहीन ने मुकाबले में चार विकेट लेकर पाकिस्तान को जीत दिला दी। इस चार विकेट के साथ शाहीन ने 65 वनडे मैचों में 131 विकेट पूरे किए। पाकिस्तानी स्टार गेंदबाज अब 65 वनडे मैचों के बाद सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने हैं। 65 वनडे मैचों के बाद दूसरे सबसे ज्यादा विकेट राशिद खान ने लिए थे। जिन्होंने 128 विकेट लिए थे। ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क का नाम तीसरे नंबर पर खिसक गया है। उन्होंने 65 वनडे खेलने के बाद 126 विकेट चटकाए थे। पाकिस्तान के दिग्गज स्पिनर सकलैन मुश्ताक ने इतने मुकाबले खेलने के बाद 122 वनडे विकेट अपने नाम किए थे। न्यूजीलैंड के महान तेज गेंदबाज शेन बॉन्ड ने भी इतने ही विकेट हासिल किए थे।

जॉन सीना-लोगान पॉल के धमाकेदार मुकाबलों से गूंजा एरीना

नई दिल्ली। डब्ल्यूडब्ल्यूई स्मैकडाउन का ताज़ा एपिसोड रोमांच और ड्रामे से भरपूर रहा, जहां शुरुआत से लेकर अंत तक दर्शकों का उत्साह चरम पर दिखाई दिया। शो की शुरुआत जॉन सीना ने की, जिन्होंने दर्शकों का आभार व्यक्त करते हुए ब्रॉक लेसनर को सीधी चुनौती दी और कहा कि वे उनसे डरते नहीं हैं। इसी बीच लोगान पॉल ने एंट्री मारते हुए सीना को झूठा करार दिया और मैच की मांग कर डाली। दोनों के बीच तीखी नोकझोंक चल ही रही थी कि ड्रू मैकइंटायर ने सीना पर अचानक हमला कर दिया। हालांकि कोडी रोड्स ने आकर सीना को बचाया और पॉल-मैकइंटायर की

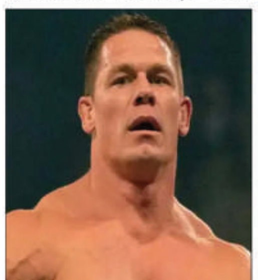

जोड़ी को उसी रात टैग टीम मैच की चुनौती दी, लेकिन मुकाबला बिना नतीजे के समाप्त हुआ। पहला मैच द एमएफटी और मोटर सिटी मशीन गन्स के बीच हुआ, जिसमें तेज़-तर्रार मूव्स और सुपरकिक्स की बरसात देखने को मिली। अंत में टाला ने चोकस्लैम के जरिए साबिन को हराकर द एमएफटी को जीत दिलाई। दूसरा मुकाबला सोलो सिकोआ और सामी जैन के बीच रहा, जिसमें शुरुआती बढ़त सोलो के पास थी। लेकिन टामा टोंगा और एमएफटीस के हस्तक्षेप के बावजूद सामी ने रोलअप से शानदार जीत दर्ज की। तीसरे मैच में शार्लेट फ्लेयर और चेल्सी ग्रीन आमने-सामने थीं। रिंगसाइड पर कई बार ध्यान भटकाने की कोशिश हुई, यहां तक कि जन्मदिन का केक भी हथियार बनने वाला था। मगर एलेक्सा के हस्तक्षेप और फ्लेयर की चतुराई से ग्रीन को केक में मुंह मारना पड़ा और फिगर-एट लॉक के जरिए फ्लेयर ने जीत अपने नाम की। बैकस्टेज सेगमेंट में जॉन सीना और आर-ट्रूथ की मुलाकात ने माहौल हल्का-फुल्का कर दिया, जहां दोनों ने दोस्ती का जश्न मनाया। कुल मिलाकर, यह स्मैकडाउन एपिसोड हाई-ऑक्टेन एक्शन, चौंकाने वाले पलों और दर्शकों को सीट से बांधे रखने वाले ट्विस्ट से भरा रहा। जॉन सीना और लोगान पॉल के बीच शुरू हुआ टकराव आने वाले शो के लिए बड़ा संकेत है, जबकि कोडी रोड्स और ड्रू मैकइंटायर की मौजूदगी ने कहानी को और दिलचस्प बना दिया। रिंग के भीतर और बाहर हुए सभी घटनाक्रम ने साबित किया कि यह एपिसोड हाल के सबसे धमाकेदार स्मैकडाउन में से एक रहा।

बाबर आज़म की टी20 टीम में वापसी हो : वसीम अकरम

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने अगले महीने होने वाले एशिया कप से पहले देश के स्टार बल्लेबाज बाबर आज़म को टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में वापस शामिल करने की मांग की है। दिसंबर 2024 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आखिरी टी20 खेलने के बाद से बाबर टीम से बाहर हैं। औसत प्रदर्शन और स्ट्राइक रेट को लेकर आलोचना के चलते उन्हें प्रबंधन की योजनाओं से बाहर माना जा रहा था। अकरम का मानना है कि एशिया कप और आगामी टी20 विश्व कप के लिए पाकिस्तान को एक अनुभवी बल्लेबाज की जरूरत है, और बाबर इस भूमिका के लिए आदर्श खिलाड़ी हैं। उन्होंने कहा, 'अगर मेरे पास अधिकार होता, तो मैं बाबर को टीम में जरूर शामिल करता। वह परिस्थिति के अनुसार अपनी बल्लेबाजी ढाल सकते हैं, जैसा उन्होंने 2019 में समरसेट के लिए खेलते हुए लगभग 150 के स्ट्राइक रेट के साथ दिखाया था।' पूर्व कप्तान ने बाबर की बहुमुखी प्रतिभा पर जोर देते हुए कहा कि वह किसी भी बल्लेबाजी क्रम में योगदान दे सकते हैं। अकरम ने तीसरे नंबर को बाबर के लिए आदर्श स्थान बताया, लेकिन स्थिति के अनुसार बदलाव की गुंजाइश भी रखी। उन्होंने कहा, 'जब हम 140 या 160 रन के लक्ष्य का पीछा करते हैं, खासकर बड़ी टीमों के खिलाफ, हमें ऐसे खिलाड़ी की जरूरत होती है जो जिम्मेदारी उठाए और बाकी टीम को साथ लेकर चले। बाबर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक है और भविष्य में भी पाकिस्तान के लिए बहुत कुछ कर सकता है।' अकरम का मानना है कि बाबर में अभी भी काफी क्रिकेट बाकी है और टीम को उनके अनुभव का लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने प्रशंसकों से भी बाबर का समर्थन करने की अपील की। एशिया कप 9 सितंबर से शुरू होगा, जिसमें पाकिस्तान अपना पहला मैच 12 सितंबर को दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में ओमान के खिलाफ खेलेगा।

ओवल टेस्ट में भारत पर था स्लो ओवर रेट से बचाने के दबाव- गौतम गंभीर ने लिया था बड़ा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ ओवल में खेले गए पांचवें टेस्ट में भारत ने 6 रनों से रोमांचक जीत दर्ज करते हुए पांच मैचों की सीरीज 2-2 से बराबर कर ली। आखिरी दिन इंग्लैंड को जीत के लिए 35 रन और भारत को 4 विकेट चाहिए थे। मोहम्मद सिराज की धारदार गेंदबाजी के सामने इंग्लैंड टिक नहीं पाया और टीम इंडिया ने मैच जीतकर वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) में कीमती अंक हासिल किए।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह जीत भारत को न केवल सीरीज बराबरी दिलाने में अहम रही, बल्कि डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल पर भी दोहरे नुकसान से बचाया। दरअसल, मैच के पांचवें दिन सुबह मैच रेफरी जेफ क्रो ने भारतीय टीम को चेतावनी दी थी कि वे निर्धारित समय से छह ओवर पीछे हैं। यदि यह ओवर रेट सुधरा नहीं, तो चार डब्ल्यूटीसी अंक कट सकते थे। ऐसे में भारत को या तो इंग्लैंड को जल्द आलआउट करना था या ओवर रेट सुधारना था। चेतावनी के बाद ड्रेसिंग रूम में कप्तान शुभमन गिल, मुख्य कोच गौतम गंभीर और सहायक कोच सितांशु कोटक के बीच अहम रणनीति बैठक हुई। बैठक में एक सुझाव आया कि प्रसिद्ध कृष्णा के ओवर पूरे होने के बाद दोनों छोर से रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर को गेंदबाजी दी जाए, ताकि ओवर रेट सुधारा जा सके। हालांकि, इसके साथ यह जोखिम भी था कि इंग्लैंड के जेमी स्मिथ और जेमी ओवरटन स्पिनरों के खिलाफ तेजी से रन बना सकते हैं और मैच पलट सकता है।

इस पर कोच गौतम गंभीर ने साफ कहा कि उन्हें ओवर रेट की चिंता नहीं है, चाहे चार अंक कट जाएं, लेकिन टीम को जीत के लिए ही खेलना है। इसके बाद फैसला हुआ कि एक छोर से प्रसिद्ध कृष्णा और दूसरे छोर से मोहम्मद सिराज को लगातार आक्रमण पर रखा जाएगा। कप्तान शुभमन गिल ने भी इस रणनीति को मंजूरी दी। नतीजा यह हुआ कि तेज गेंदबाजों के दम पर भारत ने इंग्लैंड के बाकी विकेट जल्दी गिरा दिए और मैच 6 रनों से अपने नाम कर लिया। यह जीत केवल स्कोरबोर्ड पर नहीं, बल्कि टीम की मानसिक मजबूती और आक्रामक खेल भावना का भी प्रमाण रही। सिराज की निर्णायक स्पेल और गंभीर की आक्रामक सोच ने भारत को हार से जीत की ओर मोड़ दिया, साथ ही डब्ल्यूटीसी में बहुमूल्य अंक भी दिलाए।

ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल उठाने वाले सुन लें... 5 पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों को मार गिराया

भारतीय वायु सेना का दावा, एस-40 मिसाइल सिस्टम गेंम चेंजर साबित हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) प्रमुख एयर चीफ मार्शल (एसीएम) एपी सिंह ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि भारत के एस-40 मिसाइल सिस्टम ने हाल के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान 5 पाकिस्तानी वायु सेना (पीएफए) के लड़ाकू विमानों को मार गिराया है। इसके अलावा, एक एयरबोर्न अर्ली वॉर्निंग एंड कंट्रोल/इलेक्ट्रॉनिक इंटेलिजेंस (एईडब्ल्यू एंडसी/ईएलआईएनटी) विमान को भी 300 किलोमीटर की दूरी से नष्ट किया। साथ ही, उन्होंने बताया कि जेकबाबाद में खड़े कु एफ-16 विमानों और भोलारी एयर बेस पर एक एईडब्ल्यू एंड सी को विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर नष्ट किया।

एसीएम सिंह के अनुसार, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने अपनी हवाई रक्षा को मजबूत करने के लिए एस-400 का इस्तेमाल किया।

यह रूस से खरीदा गया एक उन्नत सतह से हवा में मार करने वाला मिसाइल सिस्टम है, जो 400 किलोमीटर तक के लक्ष्यों को नष्ट कर सकता है। जो कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत के लिए गेंम चेंजर साबित हुआ। इस ऑपरेशन में एस-400 ने शानदार प्रदर्शन कर 5 पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों को हवा में ही मार गिराया। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि एक एईडब्ल्यू एंडसी/ईएलआईएनटी विमान को 300 किलोमीटर की दूरी से निशाना बनाया गया, जो सिस्टम की रेंज और सटीकता को दिखाता है। एईडब्ल्यू एंड सी विमान दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखने और खुफिया जानकारी जुटाने में इस्तेमाल होता है। इसलिए इसका नष्ट होना पाकिस्तान के लिए बड़ा झटका हो सकता है। वायुसेना प्रमुख ने दावा किया कि जेकबाबाद एयर बेस पर खड़े कुछ एफ-16 लड़ाकू विमानों को नष्ट किया गया। ये विमान पार्किंग में थे, लेकिन सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर भारतीय सेना ने उन पर हमला किया। इस तरह, भोलारी एयर बेस पर एक और एईडब्ल्यू एंड सी विमान को निशाना बनाया गया। ये हमले दिखाते हैं कि भारत के पास दुश्मन की गतिविधियों की सटीक जानकारी थी। उसका इस्तेमाल सही समय पर किया गया।

ऑपरेशन सिंदूर मई 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुई छोटी लेकिन तीव्र सैन्य मुठभेड़ का हिस्सा था। इस दौरान भारत ने अपनी हवाई श्रेष्ठता साबित करने के लिए कई कदम उठाए। एस-400 और ब्रह्मोस मिसाइल जैसे हथियारों का इस्तेमाल करके पाकिस्तान के रणनीतिक ठिकानों को निशाना बनाया। यह ऑपरेशन भारत की हवाई रक्षा और सटीक हमले की क्षमता को दुनिया के सामने लाया है।

सैफ अली खान परिवार को सुप्रीम कोर्ट ने दी बड़ी राहत, हाईकोर्ट के फैसले पर लगाई रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के शीर्षस्थ न्यायालय ने बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान के पूर्वजों से जुड़े संपत्ति विवाद में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने भोपाल के आखिरी नवाब हमीदुल्लाह खान की शाही संपत्ति से जुड़े दशकों पुराने संपत्ति विवाद को नए सिरे से सुनवाई के लिए निचली अदालत को वापस भेज दिया था। जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जस्टिस अतुल चंदुरकर की बेंच ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद यह आदेश पारित किया। बेंच ने नवाब हमीदुल्ला खान के बड़े भाई के वंशजों उमर फारुक अली और राशिद अली की याचिका पर नोटिस जारी किया, जो हाईकोर्ट के 30 जून के आदेश को चुनौती देते हुए दायर की गई थी। याचिकाकर्ताओं ने हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी है जिसमें 14 फरवरी, 2000 के निचली अदालत के फैसले को खारिज कर दिया गया था, जिसमें नवाब की बेटी साजिदा सुल्तान, उनके बेटे मंसूर अली खान (पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान) और उनके कानूनी उत्तराधिकारियों, अभिनेता सैफ अली खान, सोहा अली खान, सबा सुल्तान और अभिनेत्री शर्मिला टैगोर के संपत्ति पर विशेष अधिकार बरकरार रखे गए थे। हाईकोर्ट ने कहा था कि निचली अदालत का फैसला 1997 के इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक फैसले पर आधारित था, जिसे बाद में 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने पलट दिया था। हालांकि, 2019 के उदाहरण को लागू करने और मामले का निर्णायक रूप से फैसला करने के बजाय, हाईकोर्ट ने मामले को पुनर्मूल्यांकन के लिए वापस भेज दिया। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ वकील देवदत्त कामत ने कहा कि हाईकोर्ट का आदेश दीवानी प्रक्रिया संहिता (सीपीसी) के तहत उल्लिखित प्रक्रियात्मक मानदंडों के विपरीत है।

इंफाल में जबरन वसूली करने वाले दो उग्रवादियों समेत छह गिरफ्तार

इंफाल (एजेंसी)। इंफाल के पूर्वी और पश्चिमी जिलों में सुरक्षाबलों ने जबरन वसूली में शामिल दो उग्रवादियों समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को जानकारी देते हुए बताया कि इंफाल पूर्वी जिले के तेलीपती क्षेत्र में दुकानों और लोगों से जबरन वसूली करने वाले चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने कहा कि प्रतिबंधित संगठन पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के एक सक्रिय सदस्य को शुक्रवार को इंफाल पूर्वी जिले के हुइकाप माखा लेइकाई से गिरफ्तार किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रतिबंधित कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीडब्ल्यूजी) के एक उग्रवादी को बुधवार को इंफाल पश्चिमी जिले के मोइदांगपोक मानिंग से गिरफ्तार किया गया था, जो आम लोगों से जबरन वसूली और महिलाओं के साथ अपराध के मामलों को डरा-धमकाकर निपटाने में शामिल था। पुलिस के मुताबिक शुक्रवार को काकचिंग जिले के लुसी पाट चिंगखोक क्षेत्र में सुरक्षाबलों ने एक इंसास राइफल, एक सिंगल बैरल राइफल और स्थानीय रूप से निर्मित एक पिस्तौल बरामद की है। इसने बताया कि विभिन्न प्रकार के 60 से ज्यादा कारतूस, दो विस्फोटक पैकेट और दो डेटोनेटर भी बरामद किए हैं। पुलिस के मुताबिक एक अन्य अभियान में इंफाल पश्चिमी जिले के लांगोल उसोई माखोंग में सुरक्षाबलों ने हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है।

लापता मछुआरे का शव एक सप्ताह बाद समुद्री तट पर मिला

बालासोर (एजेंसी)। समुद्र में लापता हुए ओडिशा के चार मछुआरों में से एक का शव एक सप्ताह बाद बालासोर जिले में समुद्री तट से बरामद हुआ है। पुलिस ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक गोपाल गिरि (60), उनके बेटे मधुसूदन (35) और रवींद्र (38) व उनके रिश्तेदार जगन्नाथ पाल (23) 2 अगस्त को समुद्र में मछली पकड़ने गए थे और लापता हो गए थे। इनमें से दो को बचा लिया गया था। तलसारी समुद्री थाने की प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि गोपाल गिरि का शव शुक्रवार को भोगराई प्रखंड में उदयपुर के पास समुद्र तट से बरामद किया गया है। पुलिस के मुताबिक इससे पहले जगन्नाथ और मधुसूदन को पड़ोसी पश्चिम बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर जिले में दीघा तट के पास से बचा लिया गया था, जबकि रवींद्र गिरि का शव उदयपुर के पास समुद्र तट से बरामद हुआ था।

दिल्ली के जैतपुर में मकान की दीवार गिरने से 7 लोगों की मौत.... महिलाएं, पुरुष और मासूम बच्चियां शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के जैतपुर इलाके में तेज बारिश के दौरान एक बड़ा हादसा हो गया। एक मकान की दीवार गिरने से कई लोग मलबे में दब गए। हादसे में कुल 8 लोग घायल हुए, जिसमें से 7 की मौत हुई है, जबकि एक व्यक्ति अस्पताल में भर्ती है। घटना के बाद स्थानीय लोगों और रेस्क्यू टीम ने मिलकर तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया। मलबे में दबे लोगों को निकालने के लिए चारों ओर अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने बिना समय गंवाए हाथों से मलबा हटाकर फंसे हुए लोगों को बाहर निकाला। हादसे के वक्त ज्यादातर लोग घर के अंदर मौजूद थे। हादसे में घायल हुए 5 लोगों को सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान 3 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 3 अन्य घायलों को एम्स ट्रॉमा सेंटर में भर्ती किया गया, जहां सभी की मौत हो गई। एक अन्य घायल व्यक्ति, हाशिबुल, अभी भी सफदरजंग अस्पताल में भर्ती है और उसकी हालत गंभीर है। मृतकों में महिलाएं, पुरुष और मासूम बच्चियां भी शामिल है। मृतकों में शबीबुल (30 वर्ष), रबीबुल (30 वर्ष), मुत्तु अली (45 वर्ष), रुबीना (25 वर्ष), डॉली (25 वर्ष), रुखसाना (6 वर्ष), हसीना (7 वर्ष) शामिल है। घटना के चश्मदीद और स्थानीय निवासी ने बताया कि जैसे ही हादसा हुआ, लोग बिना देर किए मदद के लिए दौड़ पड़े। उन्होंने कहा, 'यह हादसा बेहद दर्दनाक था। मलबे से लोगों को निकालने के दौरान स्थिति भयावह थी और ज्यादातर लोग पहले से ही गंभीर रूप से घायल हो चुके थे।' हादसे की सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे घटनाक्रम की जांच शुरू कर दी है।

पाकिस्तान में 10 में 6 नागरिकों को नहीं मिल रहा पौष्टिक खाना... कंगाल देश की सच्चाई

सूची में भारत स्थिति में हुआ सुधार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की ताज़ा रिपोर्ट ने दक्षिण एशिया और पड़ोसी देशों में पौष्टिक आहार की पहुंच को लेकर चिंता जाहिर की है। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान की 60 प्रतिशत जनता साल 2024 में पौष्टिक और स्वस्थ आहार का खर्च वहन करने में असमर्थ रही। यह न केवल देश की आर्थिक स्थिति पर सवाल उठाता है, बल्कि कुपोषण और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के गहराने की ओर भी इशारा करता है। आंकड़ों के मुताबिक, पाकिस्तान इस सूची में सबसे ऊपर है, जहां आर्थिक कठिनाइयों और बढ़ती महंगाई के कारण अधिकतर लोग पौष्टिक खाना पान का खर्च नहीं उठा पा रहे हैं। 2024 में यह आंकड़ा 60 प्रतिशत तक पहुंच गया, जो पिछले वर्षों की तुलना में बढ़ोतरी दिखाता है। इसका मतलब है कि हर 10 में से 6 पाकिस्तानी नागरिकों की थाली में पर्याप्त पोषण नहीं पहुंच रहा। पाकिस्तान के बाद बांग्लादेश का नाम आता है, जहां 2024 में 44.4 प्रतिशत जनता पौष्टिक आहार तक पहुंच बनाने में असमर्थ रही। हालांकि, बांग्लादेश ने 2017 की तुलना में उल्लेखनीय सुधार किया है। सात साल पहले यहां 65.7 प्रतिशत लोग पौष्टिक आहार नहीं खरीद पाते थे, लेकिन सरकारी नीतियों, आर्थिक सुधारों और खाद्य वितरण कार्यक्रमों के चलते इसमें कमी आई है।

फिलीपींस, श्रीलंका और भारत की स्थिति

फिलीपींस में 44 प्रतिशत और श्रीलंका में 42.9 प्रतिशत लोग पौष्टिक आहार से वंचित हैं। वहीं, भारत की स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर हुई है। 2017 में जहां 59.2 प्रतिशत भारतीय पौष्टिक आहार नहीं खरीद पाते थे, वहीं 2024 में यह आंकड़ा घटकर 40 प्रतिशत हो गया है। इसके बावजूद, अभी भी हर 10 में से 4 भारतीय स्वस्थ आहार के खर्च को वहन करने में असमर्थ हैं।

राहुल के आरोप झूठ का पुलिंदा, जिस डाल पर बैठे थे, उसी को काट दिया: भाजपा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने चुनाव आयोग पर राहुल गांधी के आरोपों को झूठ का पुलिंदा करार दिया है। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि राहुल जिस डाल पर बैठे थे, उसी को काट दिया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने चुनाव आयोग (ईसी) जैसे संवैधानिक संस्थान को धमकाने वाली भाषा का इस्तेमाल किया, जो विपक्ष के नेता के पद की गरिमा के खिलाफ है। यादव ने कहा कि अगर राहुल को वाकई आपत्ति है, तो उन्हें मीडिया में आरोप लगाने की बजाय चुनाव आयोग के सामने शपथपत्र देकर शिकायत दर्ज करानी चाहिए।

भूपेंद्र यादव ने बताया कि राहुल गांधी ने दावा किया था कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में एक करोड़ नए वोटर जुड़े, लेकिन चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार यह संख्या 40 लाख से थोड़ी अधिक है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने अपने आरोपों की जो बुनियाद बनाई, वह ही गलत साबित हो गई। यादव ने कहा कि महाराष्ट्र की कई सीटों जैसे मढ़ा, मोहोल, नागपुर वेस्ट और नागपुर नॉर्थ में वोटर की संख्या बढ़ी और वहां कांग्रेस या उसकी सहयोगी पार्टियां ही जीतीं। ऐसे में धांधली का आरोप खुद उनके ही दावे को गलत साबित करता है। यादव ने तंज कसते हुए कहा कि यह तो वही बात हो गई जैसे कोई आदमी जिस डाल पर बैठा हो, उसी को काट दे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस सिर्फ एक परिवार के लिए संवैधानिक संस्थाओं की छवि खराब करने में लगी है, चाहे वो चुनाव आयोग हो, संसद हो या सेना।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी को पहले सुप्रीम कोर्ट में माफी मांगनी पड़ी थी क्योंकि उन्होंने सेना को लेकर भी गलत बयान दिए थे। अंत में भूपेंद्र यादव ने कहा कि जो लोग संविधान का सम्मान करते हैं, उन्हें संवैधानिक संस्थानों के खिलाफ धमकी भरी भाषा नहीं अपनानी चाहिए।

रिश्तों में बढ़ेगी तल्खी: किसी भी हाल में ट्रंप के टैरिफ के आगे नहीं झुकेगा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एक कार्यक्रम में भारत की आर्थिक मजबूती पर भरोसा जताते हुए कहा कि वैश्विक व्यापार मार्गों और साझेदारियों में बदलाव के बीच भारत अवसरों का लाभ उठाने के लिए तैयार है। गोयल ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार की गतिशील प्रकृति पर प्रकाश डाला और कहा कि दुनिया निरंतर विकसित हो रही है और अंतरराष्ट्रीय व्यापार नया रास्ता तलाश रहा है।

गोयल ने भरोसा जताया कि भारत विजेता के रूप में उभरेगा। ट्रम्प के भारत को डेड इकोनॉमी बताने वाले बयान का जवाब देते हुए गोयल ने तंज कसते हुए कहा कि समझने वाले समझ गए, जो न समझे वो अनाड़ी हैं। गोयल ने भारत की मजबूत आर्थिक नींव पर जोर दिया और कहा कि पूरी दुनिया भारत को सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में देख रही है। पूरी दुनिया भारत की ताकत, हमारी डेमोग्राफिक ताकत और 1.4 अरब महत्वाकांक्षी भारतीयों की मांग को पहचान रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि भारत एक विशाल बाजार है। उन्होंने सवाल किया कि आपको क्यों लगता है कि देश हमारे साथ व्यापार या बेहतर बाजार पहुंच के लिए कतार में हैं? यह भारत की बढ़ती वैश्विक निवेश और व्यापार साझेदारी की अपील को दर्शाता है। ट्रम्प के शुल्क से कपड़ा, दवा और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों में निर्यातकों के बीच चिंता है, जो अमेरिकी बाजार पर निर्भर हैं। गोयल ने वर्तमान वैश्विक आर्थिक परिदृश्य को एक स्वाभाविक उथल-पुथल बताया, जहां कुछ देश उभरते हैं और कुछ पीछे रह जाते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह भारत का समय है और भारत को वैश्विक बाजारों में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभरते हुए देखा जा रहा है। मंत्री ने भविष्यवाणी की कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का निर्यात पिछले वर्ष के रिकॉर्ड 825 बिलियन डॉलर को पार कर जाएगा, जिसमें 437 बिलियन डॉलर से अधिक मूल्य के वस्तु निर्यात शामिल थे। ये वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद स्थिर रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा प्रस्तावित 50 फीसदी शुल्क के प्रभाव के बारे में पूछे जाने पर गोयल ने निश्चिंतता जताई। उन्होंने कहा कि

भारत संकट में अवसर तलाशता है। राष्ट्र का मनोबल ऊंचा है और भारतीय अर्थव्यवस्था में बहुत ताकत है।

नीतीश पर चिराग के बयान से नाखुश बीजेपी, बंद कमरे में होगी बैठक

पटना (एजेंसी)। बिहार में विधानसभा चुनाव में सीटों के बंटवारे से पहले एनडीए (एनडीए) गठबंधन में तनाव बढ़ गया है। बीजेपी, एलजेपी (एलजेपी) प्रमुख चिराग पासवान के हाल ही में दिए गए बयानों से नाराज़ है, जिसमें उन्होंने बिहार की कानून-व्यवस्था को लेकर नीतीश कुमार सरकार की आलोचना की थी। बीजेपी का मानना है कि चिराग के ये बयान गठबंधन की एकजुटता को नुकसान पहुंचा रहे हैं और महागठबंधन के खिलाफ लड़ाई को कमजोर कर रहे हैं। इस लेकर बीजेपी के सीनियर नेता सक्रिय मोड में आ चुके है। बीजेपी जल्द ही चिराग पासवान के साथ एक बंद कमरे में मीटिंग करेगी। इस मीटिंग में उन्हें यह साफ़ संदेश दिया जाएगा कि गठबंधन की एकता बनाए रखें और नीतीश कुमार ही एनडीए के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार हैं। इतना ही नहीं बीजेपी बार-बार यह दोहरा चुकी है कि बिहार में एनडीए का चेहरा नीतीश कुमार हैं, और चुनाव उन्हीं के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। बात दें कि चिराग पासवान का यह रवैया नया नहीं है, वह पहले भी कड़े तेवर दिखा चुके हैं। बीजेपी ने पहले भी उन्हें संयम बरतने की सलाह दी थी। एनडीए ने सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी की है। सीटों के बंटवारे का फॉर्मूला चुनाव की तारीखें घोषित होने के बाद फाइनल होगा। कुछ लोगों का मानना है कि चिराग नीतीश की आलोचना करके पासवान वोटों को एकजुट रखने की कोशिश कर रहे हैं। राम विलास पासवान के समय से ही एलजेपी और जेडीयू के बीच रिश्ते सहज नहीं रहे हैं।

खतरे के निशान के करीब पहुंचा यमुना का जलस्तर... दिल्ली में बाढ़ की आशंका

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में बाढ़ का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। यमुना नदी का जलस्तर शनिवार सुबह 9 बजे ओल्ड रेलवे ब्रिज पर 204.40 मीटर तक पहुंच गया, जो खतरे के निशान 204.50 मीटर से बस थोड़ा ही नीचे है। दिल्ली प्रशासन ने इस बात को गंभीरता से लेकर सभी संबंधित विभागों को बाढ़ जैसी स्थिति से निपटने के लिए सतर्क रहने को कह दिया हैं। दरअसल केंद्रीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष के अधिकारी ने बताया, यमुना का जलस्तर बढ़ने का मुख्य कारण वजीराबाद और हथिनीकुंड बैराज से हर घंटे बड़ी मात्रा में पानी का छोड़ा जाना है। इसके अलावा, हरियाणा और उत्तराखंड के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में हुई बारिश ने भी नदी के जलस्तर को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है। इसकारण यमुना में जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। जो कि

आने वाले दिनों में बाढ़ का कारण बन सकता है। बाढ़ नियंत्रण विभाग के मुताबिक, वजीराबाद बैराज से हर घंटे करीब 30,800 क्यूसेक और हथिनीकुंड बैराज से 25,000 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। यह पानी दिल्ली पहुंचने में आमतौर पर 48 से 50 घंटे का समय लेता है। ऊपरी क्षेत्रों से कम मात्रा में पानी छोड़े जाने के बावजूद, दिल्ली में जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है।

क्या है खतरे का निशान?

दिल्ली में यमुना के लिए चेतावनी स्तर 204.50 मीटर है, जबकि खतरे का निशान 205.30 मीटर पर है। यदि जलस्तर 206 मीटर तक पहुंचता है, तब शहर में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। ओल्ड रेलवे ब्रिज यमुना के प्रवाह और बाढ़ के जोखिम को मापने का एक महत्वपूर्ण केंद्र है। वहीं दिल्ली सरकार ने बाढ़ की आशंका को देखकर सभी जरूरी कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। संबंधित एजेंसियों को नदी के किनारे बसे इलाकों में नजर रखने और आपात स्थिति के लिए तैयार रहने को कहा गया है। दिल्लीवासियों से भी अपील की गई है कि वे नदी के आसपास सावधानी बरतें और प्रशासन के निर्देशों का पालन करें।

भारत सही मायने में विश्व गुरु तब बनेगा जब देश अध्यात्म की ओर बढ़ेगा: भागवत

दुनिया में कई देश अमीर पर उनके पास अध्यात्म और धर्म नहीं जो हमारे पास है

नई दिल्ली(एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने दुनिया में भारत के विश्व गुरु कहे जाने को लेकर कहा कि विश्व भारत को उसके अध्यात्म के लिए महत्व देता है और इस क्षेत्र में देश को विश्व गुरु मानता है, बजाय इसके कि वह इस बात से आश्चर्यचकित हो कि हमारी अर्थव्यवस्था कितनी तेजी से बढ़ रही है। एक कार्यक्रम में भागवत ने कहा कि सभी के साथ अच्छाई बांटने और दूसरों के लिए जीने भी भावना ही भारत को सचमुच में महान बनाती है।

उन्होंने जोर देते हुए कहा कि अगर हम 3000 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बन भी जाएं तो दुनिया को इससे कोई आश्चर्य नहीं होगा, क्योंकि कई देश हैं जिन्होंने यह उपलब्धि हासिल की है। अमेरिका अमीर है, चीन अमीर हो गया है और कई अमीर देश हैं। कई चीजें ऐसी हैं जो अन्य देशों ने की हैं और हम भी करेंगे, लेकिन दुनिया में अध्यात्म और धर्म नहीं है जो हमारे पास है।

संघ प्रमुख ने कहा कि अर्थ (धन) भी महत्वपूर्ण है इसके साथ ही सभी क्षेत्रों में प्रगति भी जरूरी है, लेकिन भारत सही मायने में विश्व गुरु तब माना जाएगा जब देश अध्यात्म की और आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि अध्यात्म और धर्म में यह वृद्धि तब होगी जब हम न केवल त्योहार मनाएंगे और अपनी पूजा पद्धति से काम करेंगे, बल्कि हमारा जीवन भी भगवान शिव की तरह इतना निर्भय हो जाएगा कि हम अपने गले में सांप भी धारण कर सकें। हमारे पास जो गुण, शक्ति और बुद्धि है उसका उपयोग दूसरों के लाभ के लिए किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हमारे अंदर जो भी अच्छाई है, उसे हमें सबके साथ बांटना चाहिए। बुराई कुछ हद तक मौजूद है, लेकिन उसे रोका जाना चाहिए और उसे फैलने नहीं देना चाहिए। हमें नकारात्मकता को कभी दूसरों को नहीं देना चाहिए। बल्कि उसे अपने भीतर समेटकर उसे खत्म करना चाहिए। वहीं दूसरी ओर अच्छाई बांटनी चाहिए। हमें इसी तरह जीना चाहिए ज्यादा से ज्यादा लोग हमसे जुड़ें। अच्छाई बांटने और दूसरों के लिए जीने की यही भावना भारत को सचमुच महान बनाती है।

भारत का वार्षिक रक्षा उत्पादन 1.51 लाख करोड़ के रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बताया है कि 2024-25 में भारत का वार्षिक रक्षा उत्पादन 1.51 लाख करोड़ के रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच गया है। यह पिछले साल के 1.27 लाख करोड़ से 18 प्रतिशत ज्यादा है, और 2019-20 के 79,071 करोड़ की तुलना में 90 प्रतिशत की शानदार बढ़ोतरी है। इस कुल उत्पादन में रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (डीपीएसयू) का योगदान लगभग 77 प्रतिशत रहा, जबकि निजी क्षेत्र का योगदान 23 प्रतिशत रहा। पिछले साल की तुलना में निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी 21 से बढ़कर 23 प्रतिशत हो गई है, जो दिखाता है कि देश के रक्षा क्षेत्र में निजी कंपनियों की भूमिका लगातार बढ़ रही है। इस उपलब्धि का श्रेय केंद्र सरकार के आत्मनिर्भर भारत अभियान और रक्षा उत्पादन में स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने की नीतियों को दिया जा रहा है। मोदी सरकार का मुख्य लक्ष्य आयात पर निर्भरता को कम करना और भारत को रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाना है। सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों ने इस साल क्रमश: 16 और 28 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। यह रिकॉर्ड वृद्धि दर्शाती है कि भारत का रक्षा उद्योग लगातार मजबूत हो रहा है और आने वाले समय में और भी तेजी से आगे बढ़ने के लिए तैयार है।

उत्तराखंड में 2015 से 2024 तक 4654 लैंडस्लाइड, 92 एवलांच, 67 बार फटे बादल

-मानसूनी बारिश में हर पल मंडराता है संकट, स्थिति बेहद चुनौतीपूर्ण

देहरादून (एजेंसी)। हिमालयी राज्यों में प्राकृतिक आपदाओं का खतरा हमेशा बना रहता है। आए दिन भूस्खलन, बादल फटना, एवलांच, बिजली गिरना, आंधी तूफान जैसे घटनाएं होती हैं। बीते कुछ सालों से उत्तराखंड भी ऐसी ही आपदाओं से जूझ रहा है। भले ही उत्तराखंड को देवभूमि कहा जाता हो लेकिन यहां स्थिति बेहद चुनौतीपूर्ण है। मानसूनी बारिश में हर पल यहां संकट मंडराता रहता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक घटनाओं के आंकड़ों को आपदा प्रबंधन विभाग तैयार करता है। विभाग के 2015 से लेकर 2024 तक के आंकड़ों को देखें तो पूरे प्रदेश में इन सालों में तकरीबन 4654 भूस्खलन, एवलांच की 92, बिजली गिरने की 259, बादल फटने की 67, तेज़बारिश और बाढ़ की तकरीबन 12758 घटनाएं हुई हैं। इन आकंड़ों से पता चलता है कि उत्तराखंड आपदा ग्रसित राज्य है। यही नहीं बादल फटने और भूस्खलन की घटनाएं 13 जिलों में से पौड़ी में सबसे ज्यादा हुई हैं।

वहीं उत्तरकाशी में 2015 से लेकर 2024 तक तकरीबन 1525 घटनाएं हुई, जिसमें लैंडस्लाइड से लेकर बाढ़, एवलांच, ओलावृष्टि, बादल फटना, जंगल में आग की घटनाएं भी शामिल हैं। आंकड़ों और मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उत्तराखंड में 2015-2024 के दशक में प्राकृतिक आपदाओं से कुल मिलाकर करीब 1100 लोगों की मौत हुई है। इसमें भूस्खलन सबसे बड़ा कारक है, जबकि बाढ़ और अतिवृष्टि और बादल फटना अन्य प्रमुख कारण हैं। सिर्फ लैंडस्लाइड से तकरीबन 319 लोगों ने अपनी जान गंवाई।

पौड़ी जिले के क्षेत्रों में सबसे ज्यादा भूस्खलन और बादल फटने जैसी घटनाओं हुई हैं। बीते 10 सालों के आंकड़ों को देखें तो पौड़ी में सिर्फ भूस्खलन की तकरीबन 2040 घटनाएं हुई। पिथौरागढ़ में 1426, टिहरी में 279, चमोली में 258 और चंपावत 173, उत्तरकाशी में 80, रुद्रप्रयाग में 48, अल्मोड़ा में 30 घटनाएं दर्ज़ हुईं। बता दें हर साल ये सिलसिला यूं ही चलता रहता है। उत्तराखंड आपदा प्रबंधन सचिव विनोद कुमार सुमन ने कहा कि नेचुरल डिजास्टर के इम्पैक्ट को कम करने के लिए काम किया जा रहा है। जहां-जहां अक्सर भूस्खलन की समस्याएं आती हैं, वहां इसे रोकने के लिए काम ट्रीटमेंट किया जा रहा है। इसके अलावा, विभाग द्वारा इन सभी प्राकृतिक आपदाओं पर बारीकी से नज़र रखी जा रही है, जिसकी मदद से उनका अध्ययन किया जाता है। बता दें 5 अगस्त को उत्तरकाशी के धराली और हर्षिल में आई आपदा ने लोगों को झकझोर दिया है। पानी के साथ आए मलबे से बचने

के लिए लोगों इधर-उधर भागते नज़र आए, जिनकी वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 7903538992, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902